@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 11 फरवरी 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 72 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

भारत की संस्कृति और रामायण को अलग करके देखा ही नहीं जा सकता: अमित शाह

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 10 फरवरी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में शनिवार को नियम 193 के तहत 'ऐतिहासिक श्रीराम मंदिर के निर्माण और श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा' विषय पर चर्चा में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज किसी का जवाब नहीं दूंगा। मैं मन की बात और जनता के मन की बात देश के सामने रखना चाहता हूं। वह आवाज, जो वर्षों से अदालत के कागजों में दबी हुई थी। 22 जनवरी 2024 के बारे में भले ही कुछ लोग कुछ भी कहें, वह दिन दस सहस्त्र से भी ज्यादा वर्षों के लिए ऐतिहासिक दिन बना रहेगा। उन्होंने कहा कि 1528 से चल रही संघर्ष और अन्याय के खिलाफ लड़ाई की जीत का दिन है। 22 जनवरी 2024 का दिन समग्र भारत की आध्यात्मिक चेतना के पुनर्जागरण का दिन है। देश की कल्पना राम और राम चरित्र के बगैर नहीं हो सकते। राम और राम का चरित्र भारत के जनमानस का प्राण है। संविधान की पहली प्रति से लेकर महात्मा गांधी के आदर्श भारत की कल्पना तक राम का नाम लिया जाता रहा। उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति और रामायण को अलग करके देखा ही नहीं गया। कई भाषाओं, संस्कृतियों और धर्मों में रामायण का जिक्र है। कई सारे देशों ने रामायण को स्वीकारा और आदर्श ग्रंथ के रूप में प्रस्थापित किया है। राम और रामायण से अलग देश की कल्पना हो ही नहीं सकती। ये लड़ाई 1528 से लड़ी जा रही थी। दशकों तक लड़ाई चली। तकरीबन 1858 से कानूनी लड़ाई चल रही थी। 330 साल के बाद कानूनी लड़ाई का आज अंत आया है और रामलला अपने गर्भगृह के अंदर विराजमान हैं। अमित शाह ने कहा कि आंदोलन से अनभिज्ञ होकर इस देश के इतिहास को पढ़ ही नहीं सकता। 1528 से हर पीढ़ी ने इस आंदोलन को वाचा दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समय में ही यह परवान चढ़ा और स्वप्न सिद्ध हुआ। राम जन्मभूमि का इतिहास लंबा है। राजाओं, संतों, निहंगों और कानून विशेषज्ञों ने इस लड़ाई में अपना योगदान दिया है। इन सभी योद्धाओं का आज हम विनम्रता से स्मरण करना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि गिलहरी की तरह कई लोगों ने अपना योगदान दिया। 1990 में जब आंदोलन ने गति पकड़ी,

उससे पहले से ही भाजपा का देश की जनता को वादा था। हमने पालमपुर कार्यकारिणी के अंदर प्रस्ताव पारित करके कहा था कि राम मंदिर के निर्माण को धर्म से नहीं जोड़ना चाहिए। यह देश की चेतना की पुनर्जागृति का आंदोलन है। जब हम घोषणा पत्र में कहते थे कि राम मंदिर बनाना हो, तीन तलाक हटाना हो, समान नागरिक संहिता लाना हो, अनुच्छेद 370 हटाना हो, तो कहा जाता था कि भाजपा ऐसे ही वादा करती है। लोग कहते थे कि हम वोट हासिल करने के लिए ऐसा करते हैं। जब हम वादा पूरा करते हैं तो उसका भी विरोध करते हैं। अमित शाह ने कहा कि भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी जो बोलते हैं, वो करते हैं। हम 1986 से कह रहे थे कि वहां भव्य राम मंदिर बनना चाहिए। कुछ लोग यहां प्रतिक्रिया दे रहे थे। मैं पूछना चाहता हूं कि क्या सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की खंडपीठ के फैसले से आप वास्ता रखते हैं या नहीं? आप फैसले से कैसे कन्नी काट सकते हैं? सुप्रीम कोर्ट के निर्णय ने भारत के पंथ निरपेक्ष चरित्र को उजागर किया है। दुनिया के किसी देश में ऐसा नहीं हुआ, जब बहुसंख्यक समाज ने अपनी आस्था का निवर्हन करने के लिए इतनी लबी लड़ाई लड़ी हो और इंतजार किया हो। हमने राह देखी है, लड़ाई लड़ी है। हवन में हड्डी नहीं डालनी चाहिए। साथ में जुड़ जाओ, इसी में देश का भला है। 2014 से 2019 तक

राम मंदिर एक भारत-श्रेष्ठ भारत की भावना का प्रतीक: ओम बिरला

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 10 फरवरी। 17वीं लोकसभा का आज अंतिम सत्र का आखिरी दिन था। आज अंतिम दिन में लोकसभा में अयोध्या राम मंदिर पर एक प्रस्ताव पेश किया गया। इस दौरान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को सदन में रामलला के मंदिर के निर्माण को एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि यह भावी पीढ़ियों को आशा और एकता की मिसाल देगा। गौरतलब है कि सदन में ऐतिहासिक राम मंदिर के निर्माण और श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पर लगभग चार घंटे की चर्चा हुई। अंत में प्रस्ताव पढ़ते हुए स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि सदियों के इंतजार के बाद अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हुआ है। जो सुशासन और लोक कल्याण के एक नए युग है। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि यह मंदिर एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना का प्रतीक है। ओम बिरला ने राम जन्मभूमि विवाद में अदालत के 2019 के फैसले का जिक्र करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा अपना फैसला सुनाए जाने के तुरंत बाद

पीएम मोदी के बयान ने जीत हार हार की भावना के बजाए समाज को शांति के बारे में प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रस्ताव के जरिए सदन के सदस्य अयोध्या में हुए ऐतिहासिक कार्य की सराहना करते हैं। सदन में प्रस्ताव को लेकर बोलते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि अयोध्या में बन रहा मंदिर पत्थरों से बनी कोई संरचना नहीं बल्कि यह आस्था और विश्वास की भावनाओं से भरा है। 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले पीएम मोदी के बयान का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने कई धार्मिक स्थलों का दौरा किया और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका और समाज ने इसमें अहम भूमिका निभाई है।

राज्यपाल को ज्ञापन सौंपने राजभवन पहुंचे शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता, 10 फरवरी। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी और भाजपा के अन्य विधायकों ने आज राजभवन में एक ज्ञापन सौंपा है। वे राज्यपाल सीवी आनंद बोस से उत्तर 24 परगाना जिले के संदेशखाली में शांति बहाल करने की मांग कर रहे हैं। हालांकि, शुभेंदु जब राजभवन पहुंचे, तब राज्यपाल वहां उपस्थित नहीं थे। बता दें कि सीवी आनंद बोस इन दिनों केरल में हैं। राज्यपाल की अनुपस्थिति में शुभेंदु अधिकारी ने राजभवन के अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान भाजपा के विधायकों ने राजभवन के भीतर नारेबाजी भी की। उन्होंने कहा, संदेशखाली जल रहा है और ममता हंस रही है। शुभेंदु ने संदेशखाली में मानवाधिकार के उल्लंघन का आरोप लगाया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, संदेशखाली एक ऐसी जगह है जहां न्याय-कानून का कोई अस्तित्व ही नहीं है। यहां शेख शाहजहां और उनके सहयोगियों का शासन स्थापित किया गया है। संदेशखाली में धारा 144 लागू किया गया है और इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई है। वहीं स्थानीय महिलाओं ने फरार तृणमूल कांग्रेस के नेता शाहजहां और उनके सहयोगियों की गिरफ्तारी की मांग के लिए प्रदर्शन कर रहीं है। शनिवार को विरोध प्रदर्शन तेज होने के बाद स्थानीय महिलाएं झाड़ू और डंडा लेकर प्रदर्शन के लिए निकलीं। उन्होंने आरोप लगाया कि शाहजहां और उनके सहयोगियों ने जबरन उनकी जमीन पर कब्जा कर लिया है और उनका यौन उत्पीड़न भी किया। वहीं शेख शाहजहां के समर्थक भी सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन कर रहे हैं। एससीआरबी के डीजी सिद्ध नाथ गुप्ता ने बताया कि रूट मार्च जारी है। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। हालात की मांग पूरी होने तक जवान तैनात रहेंगे। कुल 14 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पिछले महीने राशन वितरण घोटाला मामले को लेकर टीएमसी नेता शाहजहां के आवास पर प्रवर्तन निदेशालय ने छापेमारी की थी। इस छापेमारी के दौरान शाहजहां के समर्थकों ने ईडी के अधिकारियों पर हमला कर दिया। इस हमले में तीन अधिकारी घायल हो गए थे। हालांकि, इस घटना के बाद से ही शेख शाहजहां फरार है।

छगन भुजबल को मिली धमकी भरी चिट्ठी

मुंबई, 10 फरवरी। महाराष्ट्र के खाद्य औरनागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल को एक चिट्ठी मिली, जिसमें उन्हें उनकी जान को खतरा होने के बारे में आगाह किया गया। जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने महाराष्ट्र के मंत्री के आवास के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी है। अजित पवार गुट के नेता छगन भुजबल ने कहा कि ऐसी कई चिट्ठी मिलने के बाद भी वह अपने विश्वास से पीछे नहीं हटेंगे। भुजबल के नासिक दफ्तर में शुक्रवार को चिट्ठी भेजी गई थी। चिट्ठी के जरिए उन्हें बताया गया कि पांच लोगों को उन्हें नुकसान पहुंचाने के लिए 50 लाख रुपये की सुपारी दी गई थी। वे लोग मंत्री की तलाश में हैं।

राज्यसभा में हुई इस घटना से आहत जगदीप धनखड़ देना चाहते थे इस्तीफा

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 10 फरवरी। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड ने शनिवार को कहा कि उन्होंने तब इस्तीफा देने के बारे में सोचा, जब जयराम रमेश और अन्य कांग्रेस सांसदों ने जयंत सिंह को परेशान किया। बता दें पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देने के सरकार के फैसले पर बोलने के लिए जयंत सिंह खड़े हुए थे। जयराम रमेश पर निशाना साधते हुए धनखड़ ने कहा कि वह एक ऐसे व्यक्ति है जो श्मशान घाट पर दावत करते हैं। साथ ही कहा कि ऐसे कदाचार के कारण उच्च सदन का सदस्य बनने के लायक नहीं है। समस्या तब शुरू हुई जब सदन की बैठक शुरू होते ही धनखड़ ने जयंत सिंह को बोलने की अनुमति दी गई। कांग्रेस सांसदों का तर्क दिया कि न तो सभापति ने यह संकेत दिया कि वह कब जयंत सिंह को मंच दे रहे थे और न ही सदन के कागजात में पूर्व प्रधानमंत्रियों पी वी नरसिम्हा राव को भारत रत्न से सम्मानित करने के सरकार के फैसले पर किसी के बयान की सूची थी। इस दौरान जयराम

रमेश ने कुछ टिप्पणियां कीं और जयंत सिंह से पूछा कि वह कहां जाना चाहते हैं, यह संकेत देते हुए कि उनका राष्ट्रीय लोक दल विपक्ष के साथ संबंध तोड़ने और लोकसभा चुनावों के लिए भाजपा के साथ गठबंधन करने के करीब है। इससे धनखड़ नाराज हो गये। उन्होंने जयराम रमेश को सदन में रहने के लिए अयोग्या कहा। अर्थव्यवस्था पर सरकार के श्वेत पत्र पर चर्चा के बाद सभापति ने फिर कांग्रेस नेता पर हमला बोला और उनके व्यवहार की निंदा की। शुरुआती हंगामे के बाद उन्होंने कहा कि मैंने सुना कि जयराम रमेश ने जयंत सिंह से क्या कहा। जयराम रमेश पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि यह सच है आप सदन का हिस्सा बनने के लायक ही नहीं है। कांग्रेस सांसदों के विरोध करने पर धनखड़ ने विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को बोलने की अनुमति दी। खड़गे ने कहा कि नेताओं को भारत रत्न से सम्मानित करने के सरकार के फैसले पर कोई बहस नहीं हुई। मैं सभी को सलाम करता हूं। लेकिन अगर कोई सदस्य कोई मुद्दा उठाना चाहता है, तो आप पूछते हैं कि किस नियम के तहत। मैं पूछना चाहता हूं कि किस नियम के तहत जयंत सिंह बोलने की अनुमति दी गई है।

13 फरवरी को राजधानी में आने से रोकने के लिए सुरक्षा कड़ी

नई दिल्ली, 10 फरवरी। 13 फरवरी को किसानों के दिल्ली कूच करने को लेकर दिल्ली व हरियाणा पुलिस पूरी तरह अलर्ट हैं। टीकरी, सिंघु सहित सभी बॉर्डर पर पूरी तरह नाकेबंदी कर पुलिस तैनात कर दी गई है। शनिवर को बाहरी दिल्ली के डीसीपी जिमी चिराम ने मुंडका थाना एसएचओ गुलशन के साथ टीकरी बॉर्डर पर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। किसानों का दिल्ली में प्रवेश रोकने के लिए बैरिकेड की संख्या बढ़ाई गई है। वाटर केनन, टायर किलर, क्रेन, हाइड्रोलिक मशीनें, कंटेनर और बड़े-बड़े पत्थर आदि की व्यवस्था कर दी गई है। ड्रोन से निगरानी की जा रही है। डीसीपी ने कहा कि किसान शांतिपूर्वक धरना दें, यदि कानून का उल्लंघन किया गया तो किसी सूरत में बख्शा नही जाएगा। ड्रोन उड़ाकर सीमा की रिकार्डिंग की गई। 13 फरवरी को किसानों के दिल्ली पहुंचने की सूचना मिल रही है। इसे देखते हुए पुलिस पूरी तरह से अलर्ट है। दिल्ली में किसानों को प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। इसके लिए आवश्यक बंदोबस्त किए गए हैं। सीमा पर जवान मुस्तैदी से तैनात है। शांतिपूर्ण ढंग से स्थिति से निपटने का प्रयास रहेगा। हरियाणा पुलिस भी पूरी तरह से चौकस है। टीकरी बॉर्डर के साथ एमआईई में यहां की पुलिस द्वारा भी कंटेनर, बैरिकेड रख दिए गए हैं। नाके लगाए गए हैं। पुलिस अधीक्षक डॉ. अर्पित जैन सहित अन्य अधिकारी भी लगातार मौके का मुआयना कर रहे हैं। यहां की पुलिस द्वारा किसान संगठनों के प्रतिनिधियों और ग्राम प्रधानों से भी सहयोग की अपील की जा रही है। हरियाणा की सीमा करीब तीन हजार पुलिसकर्मियों को तैनात करने की संभावना है।

मनोज जरांगे की भूख हड़ताल फिर शुरू

जालना, 10 फरवरी। मनोज जरांगे ने कुनबी मराठों पर मसौदा अधिसूचना को कानून में बदलने के लिए दो दिनों में राज्य विधानमंडल का एक विशेष सत्र बुलाने की मांग को लेकर शनिवार को अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी है। एक साल से भी कम समय में यह चौथी बार है, जब जरांगे मराठा समुदाय को ओबीसी समूह में शामिल करने की मांग को लेकर भूख हड़ताल कर रहे हैं। अंतरवाली सरती गांव में संबोधित करते हुए जरांगे ने कहा कि राज्य भर में मराठा समुदाय के प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज मामले तुरंत वापस लिए जाएं। उन्होंने कहा कि सरकार को दो दिनों में राज्य विधानमंडल का एक विशेष सत्र बुलाना चाहिए और रक्त संबंधियों के संबंध में कानून लाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार को कुनबी रिकॉर्ड रखने वाले 57 लाख लोगों को ओबीसी) जाति प्रमाण पत्र जारी करना चाहिए। जरांगे ने कहा कि न्यायाधीश संदीप शिंदे समिति को उसे सौंपे गए काम में तेजी लानी चाहिए। समिति का गठन शुरू में मराठवाड़ा क्षेत्र के मराठों के कुनबी इतिहास पर गौर करने के लिए सरकार द्वारा किया गया था, बाद में इसका दायरा बढ़ाया गया। सभा को संबोधित करते हुए मनोज जरांगे ने कहा कि राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट, जिसने हाल ही में मराठा समुदाय के शैक्षिक, सामाजिक और आर्थिक पिछड़ेपन का निर्धारण करने के लिए एक सर्वेक्षण किया था, को अपनाया जाएगा और इसे कानून में परिवर्तित किया जाएगा। जरांगे ने यह भी दावा किया कि कुछ लोगों ने पहले भी उन्हें नुकसान पहुंचाने की कोशिश की थी लेकिन उन्होंने चुप रहना बेहतर समझा क्योंकि वह सनसनी पैदा नहीं करना चाहते थे।

तेजस्वी यादव के घर पर 79 नहीं, राजद के 76 विधायक ही नजरबंद

सौरभ शर्मा

पटना, 10 फरवरी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाईटेड के विधायकों को अपने संपर्क में होने का दावा करने वाली लालू प्रसाद यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल को जोर का झटका लगा है। सजा पाकर आजाद हुए बाहुबली आनंद मोहन के बेटे और सजायाफ्ता बाहुबली अनंत सिंह की पत्नी समेत एक दर्जन विधायकों के रडार से बाहर जाने की खबर से बेचैन राजद ने तेजस्वी यादव के आवास में अपने सारे विधायकों को बुलाया और जब सारे आ गए तो बताया गया कि अब सीधे बहुमत परीक्षण के दिन ही निकलना है यहां से। यहां सारे का मतलब 79 होना चाहिए, लेकिन अंतिम तौर पर गिनती 76 पर अटक गई है। सूत्रों के अनुसार, तीन विधायक नहीं आए। उनमें तो एक पिछली सरकार में मंत्री भी थे। राजद नेताओं का दावा है कि उसके सभी विधायक पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के आवास पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बहुमत परीक्षण को असफल करने की योजना पर बातचीत के लिए ठहरे हैं। राजद का जोर है कि सभी विधायक यहां हैं। अमर उजाला ने इससे पहले की अपनी खबर में उनकी बताई जानकारी भी दी है। विधायकों को नजरबंद किए जाने की खबर से पहले अमर उजाला ने सुबह सबसे पहले बता दिया था कि

अब खरीद-फरोख्त की भी बात चल रही है। मतलब, हॉर्स ट्रेडिंग की खबर है। इसके बाद यह भी खबर सामने लायी गई कि अनंत सिंह की पत्नी नीलम देवी और आनंद मोहन के बेटे चेतन आनंद किन वजहों से राजद से दूर हो रहे हैं। ऐसी खबरों से घबराए राजद ने अचानक तीन बजे अपने सभी विधायकों को तेजस्वी यादव के आवास पर बुला लिया। यह बुलाहट एक व्हिप की तरह थी, जिसके कारण चेतन आनंद पहुंच गए। चेतन आनंद ने अपने राजद छोड़ने की बातों को अफवाह करार दिया। वैसे, शायद ही उन्हें भी बाकी की तरह अंदाजा नहीं होगा कि वह नजरबंद कर लिए जाएंगे। तेजस्वी यादव के आवास में विधायकों की गिनती कराई गई तो आशंका के अनुसार अनंत सिंह की पत्नी नीलम देवी नहीं थीं। वह खुद को दिल्ली में बता रही थीं, जबकि इस समय बिहार में कांग्रेस छोड़ सभी राजनीतिक दलों ने अपने विधायकों को पटना में रहने कहा था। जो अप्रत्याशित नाम है, वह पूर्व मंत्री कुमार सर्वजीत का है। वह बोधगया से राजद के विधायक हैं। वहीं, जहां शनिवार से भाजपा की बैठक चल रही है। अमर उजाला ने पक्का किया कि वह बोधगया में ही हैं। उन्होंने कहा कि तबीयत खराब होने के कारण आवास पर हैं। कुमार सर्वजीत के अलावा एक और नाम मगध क्षेत्र के औरंगाबाद से है। उनसे संपर्क नहीं हो सका, इसलिए नाम नहीं दिया जा रहा है।

मुझे विश्वास है हम जल्द संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्य होंगे: जयशंकर

पर्थ, 10 फरवरी। दो दिवसीय हिंद महासागर सम्मेलन में विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि हमें 100 प्रतिशत विश्वास है कि भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट मिलेगी, लेकिन ऐसा आसान नहीं होगा क्योंकि

वहां बहुत सारे देश हैं, जो हमें रोकना चाहते हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि जब वह दुनियाभर में जाते हैं तो उन्हें यह बदलाव नजर आता है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि जब मैं दुनियाभर में जाते हैं तो उन्हें यह बदलाव नजर आता है। अब दुनिया भारत को एक अलग नजर से देखती है। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि मुझे 100 फीसदी यकीन है कि हम वहां पहुंचेंगे। हालांकि यह आसान नहीं है। कई देश रोकने की कोशिश करेंगे। लेकिन मुझे विश्वास है कि हम वहां पहुंचेंगे और मैं पांच साल पहले या 10 साल पहले के मुकाबले आज ज्यादा आश्वस्त हूं। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि दुनिया के कई देशों को भारत पर भरोसा है। ऐसे कई मुद्दे थे जिनमें कई देशों के हित शामिल थे लेकिन वैश्विक बहस पर कुछ ही लोगों का दबदबा था। कई देश आज कर्ज की स्थिति में है। आज का भारत भरोसेमंद और अच्छा है। उन्होंने कहा कि ऐसे कई देश हैं जो भारत को वहां देखना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के विभिन्न निकायों में हुए कई चुनावों में भारत लगातार अच्छा प्रदर्शन करता है। जयशंकर ने कहा कि आने वाले 25 वर्ष हमारे लिए खास है। ये वर्ष भारत के परिवर्तन के वर्ष होंगे, जो विश्व की स्थिति को भी बदल देगा। भारत आने वाले समय में एक बड़ी अर्थव्यवस्था होगी। दुनिया पर इसका खास प्रभाव पड़ेगा। जयशंकर ने कहा कि अब हमारा समय आ रहा है, आप सभी जानते हैं। लेकिन अभी भी हमें इसी स्थिति में आने के लिए बहुत काम करना होगा। बता दें जयशंकर ने पिछले साल दिसंबर में कहा था कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद एक पुराने क्लब की तरह है जिसमें कुछ ऐसे सदस्य हैं जो अपनी पकड़ ढीली नहीं होने देना चाहते और अपनी कार्यप्रणाली पर सवाल उठाने के इच्छुक नहीं हैं।

मैं भगवान राम की इज्जत करता हूं, पर गोडसे से नफरत करता रहूंगा: ओवैसी

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 10 फरवरी। लोकसभा में आज राम मंदिर निर्माण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा हो रही है। इस दौरान एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि मैं मर्यादा पुरुषोत्तम राम की इज्जत करता हूं, मगर नाथूराम गोडसे से मेरी नस्लें नफरत करती रहेंगी। ओवैसी ने पूछा क्या मोदी सरकार एक समुदाय या एक मजहब की सरकार है या सभी पूरे देश की सभी मजहबों को मानने वालों की सरकार है? क्या इस सरकार का कोई मजहब है? मेरा मानना है कि इस देश का कोई मजहब नहीं है। क्या 22 जनवरी का पैगाम देकर ये सरकार यह बताना चाहती है कि एक मजहब को दूसरे मजहब को मानने वालों पर जीत मिली है? क्या संविधान इसकी इजाजत देता है? ओवैसी ने कहा हमारे साथ 49 में धोखा हुआ, 86 में धोखा हुआ, 92 में धोखा हुआ और 2019 में भी इस लोकसभा में हमारे साथ धोखा हुआ। मुस्लिमों को हमेशा भारत के नागरिक होने के लिए बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। क्या मैं बाबर का, औरंगजेब का या जिन्ना का प्रवक्ता हूं? मैं मर्यादा पुरुषोत्तम राम की इज्जत करता हूं, लेकिन मेरी नस्लें भी नाथूराम गोडसे से नफरत करती रहेंगी, जिसने उस शख्स को गोली मारी, जिसके मुंह से आखिरी शब्द निकले थे हे राम। जब ओवैसी बोल रहे थे तो भाजपा सांसद निशिकांत दुबे से पूछा कि वे इस बात का जवाब दे दें कि क्या वे बाबर को आक्रमणकारी मानते हैं या नहीं? इस पर ओवैसी ने उल्टा सवाल पूछते हुए कहा कि आप पुष्यमित्र शुंग को क्या मानते हैं? निशिकांत दुबे, असदुद्दीन ओवैसी से आज भी बाबर की बात पूछ रहे हैं। आप मुझसे गांधी के बारे में पूछते, जलियांवाला बाग के बारे में पूछते। मैं अपनी शिनाख्त को नहीं मिटने दूंगा। मैं वो काम नहीं करूंगा, जो भाजपा चाहती है। मैं संविधान के दायरे में रहकर ही काम करूंगा। अपने संबोधन के आखिर में ओवैसी ने कहा, आज देश के लोकतंत्र का प्रकाश सबसे कम है। आखिर में मैं यही कहूंगा कि बाबरी मस्जिद है और रहेगी। बाबरी मस्जिद जिंदाबाद, भारत जिंदाबाद। केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य

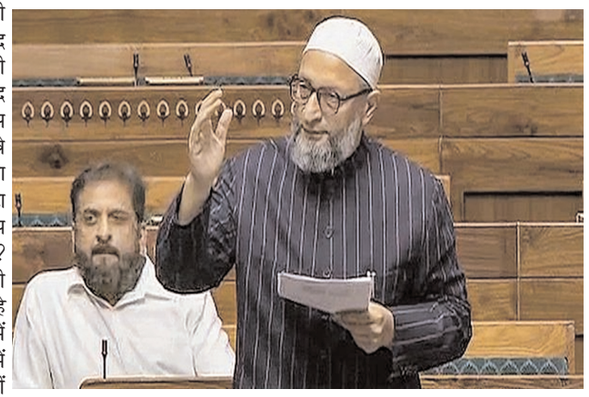

मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने कहा कि रामजन्मभूमि आंदोलन से जुड़ी होने के नाते वह देश के संतों और जनता की तरफ से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अभिनंदन करती हैं। उन्होंने कहा कि राम मंदिर आंदोलन में कारसेवकों पर गोलियां चलाई गईं और ऐसा करने वाले लोग इंडिया गठबंधन का हिस्सा हैं। भाजपा की नेता ने सवाल किया, क्या कांग्रेस ने कभी इस घटना पर दुख जताया? वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के एम गुरुमूर्ति ने कहा कि सभी धर्मों के धार्मिक स्थलों का विकास किया जाए। जनता दल (यूनाइटेड) के सांसद रामप्रीत मंडल ने कहा, सीता के बिना राम अधूरे हैं। सीतामढ़ी में भी एक भव्य मंदिर का निर्माण होना चाहिए जो मां सीता की जन्मस्थली है। भाजपा के प्रताप सारंगी ने कहा कि भगवान राम को राजनीति के कठघरे में खड़ा करने की कोशिश की जाती है। उन्होंने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर कुछ लोगों ने सवाल किए। सारंगी ने कहा, भगवान राम हमारी आस्था हैं, उन पर सवाल उठाने का किसी को अधिकार नहीं हैं। उन्होंने दावा किया कि अगर नरेन्द्र मोदी की सरकार नहीं होती और कांग्रेस की सरकार होती तो राम मंदिर नहीं बनता।

अमेरिका में रेस्तरां के बाहर मारपीट में घायल भारतीय की मौत

इंटरनेशनल डेस्क. अमेरिका में हाल में भारतीय मूल के लोगों पर हमले की एक के बाद एक कई चिंताजनक घटनाएं सामने आई हैं। इसी क्रम में वाशिंगटन के एक रेस्तरां के बाहर झगड़े के दौरान पीटे जाने के कारण घायल हुए भारतीय मूल के 41 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। जांचकर्ताओं ने बताया कि शोटो रेस्तरां के बाहर 'फिफ्टीन्थ स्ट्रीट नॉर्थवेस्ट' के 1100 ब्लॉक पर दो फरवरी को देर रात करीब दो बजे इस घटना के संबंध में पुलिस को सूचना मिली जिसके बाद पुलिस अधिकारी वहां पहुंचे और उन्होंने विवेक तनेजा नाम के भारतीय मूल के व्यक्ति को फुटपाथ पर गंभीर रूप से घायल अवस्था में पाया।उसे अस्पताल ले जाया गया। वाशिंगटन डीसी के एक टेलीविजन स्टेशन 'डब्ल्यूयूएसए' के अनुसार, प्रारंभिक जांच में पता चला है कि तनेजा और एक अज्ञात व्यक्ति के बीच किसी बात पर हुई बहस हाथापाई में बदल गई और आरोपी ने तनेजा को जमीन पर गिराकर उसका सिर फुटपाथ पर मारा। गंभीर रूप से घायल तनेजा की बुधवार को अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपी की तलाश कर रही है। आरोपी की फुटेज सीसीटीवी से प्राप्त कर ली गई है। तनेजा 'डायनेमो टेक्नोलॉजीज' के सह-संस्थापक और अध्यक्ष थे। इस सप्ताह की शुरुआत में अमेरिका के शिकागो शहर में भारतीय छात्र सैयद मजाहिर अली पर लुटेरों ने हमला किया था। इससे पहले जॉर्जिया के लिथोनिया शहर में नशे के आदी एक व्यक्ति ने 25 वर्षीय भारतीय छात्र विवेक सैनी की हथौड़े से वार कर हत्या कर दी थी। अमेरिका में इस साल भारतीय मूल के चार अन्य छात्रों की मौत हुई है।

ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री से मिले जयशंकर, हिंद-प्रशांत सहित कई मुद्दों पर की चर्चा

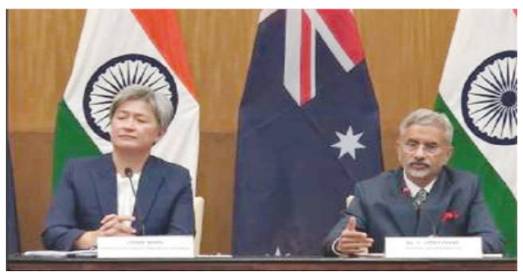

सिडनी. विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अपनी ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष पेनी वोंग से शुक्रवार को मुलाकात की और द्विपक्षीय व्यापक रणनीतिक साझेदारी, हिंद-प्रशांत क्षेत्र, पश्चिम एशिया की स्थिति और अन्य क्षेत्रीय तथा वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की। जयशंकर शुक्रवार से हिंद महासागर पर केंद्रित दो दिवसीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए ऑस्ट्रेलियाई शहर पर्थ में हैं। जयशंकर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे, ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री पेनी वोंग और सिंगापुर के अपने समकक्ष विवियन बालाकृष्णन के साथ शामिल हुए।

जयशंकर ने बैठक की कुछ तस्वीरों के साथ 'एक्स पर पोस्ट किया, ''आज पर्थ में ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग से मिलकर खुशी हुई। हम हिंद महासागर पर केंद्रित सातवें सम्मेलन के लिए यहां आए हैं। हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी और हिंद महासागर से संबंधित मामलों पर सार्थक चर्चा हुई। उन्होंने एक अन्य पोस्ट में कहा, ''पर्थ में सातवें हिंद महासागर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में श्रीलंकाई राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे, ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री वोंग और सिंगापुर के विदेश मंत्री विवियन बाला से मिलकर खुशी हुई। हिंद महासागर सम्मेलन इस क्षेत्र के देशों के लिए एक प्रमुख परामर्शदात्री मंच है, जो विदेश मंत्रालय द्वारा 'इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है।

विदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को नई दिल्ली में एक बयान में कहा था कि सम्मेलन का सातवां संस्करण ऑस्ट्रेलियाई सरकार के विदेश मामलों और व्यापार विभाग के साथ-साथ सिंगापुर के एस. राजरत्नम स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज तथा पर्थ-यूएस एशिया सेंटर के सहयोग से 9 और 10 फरवरी को पर्थ में आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन के इस संस्करण का विषय ''एक स्थिर और टिकाऊ हिंद महासागर की ओर%% है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा था कि सम्मेलन में 22 से अधिक देशों के मंत्रियों और 16 देशों के वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल और छह बहुपक्षीय संगठन एक साथ आएंगे।

मलेशिया की शीर्ष अदालत ने शरिया आधारित कानून किए रद्द, कट्टरपंथी मुस्लिम हुए खफा

मलेशिया की शीर्ष अदालत ने शुक्रवार को केलंतन राज्य द्वारा बनाए गए शरिया आधारित करीब एक दर्जन कानूनों को रद्द करते हुए कहा कि ये संघीय...

कुआलालंपुर. एजेंसी मलेशिया की शीर्ष अदालत ने शुक्रवार को केलंतन राज्य द्वारा बनाए गए शरिया आधारित करीब एक दर्जन कानूनों को रद्द करते हुए कहा कि ये संघीय प्राधिकार में अतिक्रमण करते हैं। इस फैसले की इस्लामिक कट्टरपंथियों ने निंदा की है, क्योंकि उन्हें डर है कि इससे देश भर में धार्मिक अदालतें कमजोर हो सकती हैं। नौ सदस्यीय संघीय न्यायालय ने 8-1 के बहुमत से विपक्ष द्वारा संचालित केलंतन राज्य सरकार द्वारा बनाए गए 16 कानूनों को अमान्य करार दिया, जिसमें कुकर्म, यौन उत्पीड़न, अनाचार और 'क्रॉस ड्रेसिंग% (विपरीत लिंग से संबंधित कपड़े पहनना) से लेकर झूठे सबूत देने तक के अपराधों के लिए दंड का प्रावधान किया गया था। अदालत ने कहा कि राज्य इन विषयों पर इस्लामी कानून नहीं बना सकते, क्योंकि वे मलेशियाई संघीय कानून के अंतर्गत आते हैं।

मलेशिया में दो स्तरीय कानून प्रणाली है, जिसमें शरिया के तहत मुस्लिमों के व्यक्तिगत और पारिवारिक मामले आते हैं और सिविल कानून भी हैं। मलय जातीय समूह की परिभाषा के तहत सभी लोगों को मलेशियाई कानून के तहत मुस्लिम माना जाता है। देश की 3.3 करोड़ आबादी में से दो तिहाई आबादी मलय जातीय समूह की है, जबकि बड़ी संख्या में चीनी और भारतीय अल्पसंख्यक भी देश में रहते हैं। शरिया इस्लामी कानून है, जो कुरान और हदीस पर आधारित है। अदालत में कानूनों को चुनौती 2020 में ग्रामीण पूर्वोत्तर राज्य केलंतन की दो मुस्लिम महिलाओं ने दी थी।

राज्य की कुल आबादी में 97 प्रतिशत मुस्लिम हैं। केलंतन पर 1990 से रूढ़िवादी पैन-मलेशियाई इस्लामिक पार्टी या पीएएस का शासन रहा है। पीएएस के सैकड़ों समर्थक शुक्रवार को अदालत के बाहर जमा हो गए और शरिया कानूनों की रक्षा करने की मांग की। पीएएस के महासचिव तकियुद्दीन हसन ने फैसले के बाद अदालत की इमारत के बाहर संवाददाताओं से कहा, ''आज हम बहुत दुखी हैं।

यह इस्लामिक शरिया कानून के लिए काला शुक्रवार है। उन्होंने कहा, '' जब एक इलाके के लिए शरिया कानून अवैध हो गया, तो इसका अभिप्राय है कि अन्य राज्यों के शरिया कानूनों को भी यही खतरा हो सकता है। पीएएस मलेशियाई संसद में विपक्ष में है और यह सबसे बड़ी पार्टी है। पार्टी का मलेशिया के 13 में से चार राज्यों पर शासन है। पीएएस सख्त इस्लामी कानूनों का समर्थन करती है। वह हुदूद नामक आपराध संहिता लागू करने की मांग कर रही थी, जिसमें चोरी के लिए अंग-भंग और व्यभिचार के लिए पत्थर मारकर हत्या जैसे दंड शामिल थे। इसे संघीय सरकार ने अवरुद्ध कर दिया था।

बाइडेन की रणनीति ने अमेरिका एवं हिंद-प्रशांत क्षेत्र को बनाया अधिक सुरक्षित व समृद्ध : व्हाइट हाउस

वाशिंगटन. अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को कहा कि हिंद प्रशांत रणनीति के कार्यान्वयन ने अमेरिका और इस अहम क्षेत्र को अधिक सुरक्षित एवं अधिक समृद्ध बनाया है तथा भारत के साथ द्विपक्षीय साझेदारी को अभूतपूर्व तरीके से बढ़ाया है। व्हाइट हाउस की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की प्रवक्ता एड्रिएन वॉटसन ने अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन की हिंद-प्रशांत रणनीति की दूसरी वर्षगांठ पर संवाददाताओं से कहा, ''अमेरिका हिंद-प्रशांत में पहले कभी इतनी मजबूत स्थिति में नहीं रहा।

उन्होंने कहा, ''पिछले दो साल में हमने ऐसे हिंद प्रशांत की दिशा में ऐतिहासिक प्रगति की है जो स्वतंत्र और खुला, जुड़ा हुआ, समृद्ध, सुरक्षित और लचीला है। राष्ट्रपति बाइडन के नेतृत्व की वजह से अमेरिका हिंद-प्रशांत में इस समय जितनी मजबूत स्थिति में है, वैसी स्थिति पहले कभी नहीं रही।

वॉटसन ने कहा कि अमेरिका ने हिंद-प्रशांत रणनीति की शुरुआत के बाद से दो साल में अपने गठबंधनों और साझेदारियों में फिर से निवेश किया है और वह उन्हें फिर से मजबूत करके नयी ऊंचाइयों पर ले गया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने जापान, कोरिया गणराज्य, ऑस्ट्रेलिया, फिलीपीन, थाईलैंड, वियतनाम, इंडोनेशिया और आसियान देशों के साथ अपने संबंधों को मजबूत किया है और भारत के साथ अपनी साझेदारी का अभूतपूर्व तरीके से विस्तार किया है।

फ्लोरिडा हाइवे पर क्रैश हुआ प्राइवेट जेट, हादसे में दो लोगों की मौत

नेशनल डेस्क. फ्लोरिडा हाइवे पर बीते दिन एक प्राइवेट जेट क्रैश हो गया है। इसमें दो लोगों के मौत की खबर सामने आई है। संघीय विमानन प्रशासन ने इस घटना की जानकारी देते हुए एक्स पर एक पोस्ट करते हुए लिखा, बॉम्बार्डियर चैलेंजर 600 में 5 लोग मौजूद थे जब लगभग दोपहर को 3 बजकर 15 मिनट पर नेपल्स के इंटरस्टेट 75 के पास ये क्रैश हो गया. हवाईअड्डे के प्रवक्ता रॉबिन किंग ने एक बयान में बताया, नेपल्स म्यूनिसिपल हवाईअड्डे पर

विमान के उतरने से दो मिनट पहले, पायलट ने रेडियो से हवाई यातायात नियंत्रण को बताया कि ÷उसके दोनों इंजन खराब हो गए हैं और उसने इमरजेंसी लैंडिंग का अनुरोध किया है. घटनास्थल की वीडियो और तस्वीरें सामने आई हैं, जिससे यह पता चलता है कि दक्षिण-पश्चिमी फ्लोरिडा के खाड़ी तट पर नेपल्स के पास इंटरस्टेट 75 पर दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद विमान में आग लगी थी।

कनाडा में खालिस्तानी आतंकी निज्जर के सहयोगी के घर पर हमला मामले में दो किशोर गिरफ्तार

इंटरनेशनल डेस्क. खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर के सहयोगी सिमरनजीत सिंह के घर पर कनाडा में पिछले हफ्ते की गई गोलीबारी के मामले में पुलिस ने दो किशोरों को गिरफ्तार किया है। एक फरवरी को रात 1.21 बजे सरे स्थित सिमरनजीत सिंह के घर पर कई गोलियां चलाई गई थीं।

सिमरनजीत सिंह पिछले साल जून में सरे में ही मारे गए खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर का खास आदमी है। इस मामले में रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (RCMP) की सरे इकाई ने गुरुवार को कहा कि 6 फरवरी को 140 स्ट्रीट के 7,700 ब्लॉक में एक घर की तलाशी ली गई, जिसमें तीन आग्नेयास्त्र और कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए गए हैं। इसके साथ ही सरे के दो 16 वर्षीय किशोरों को हथियारों के लापरवाही से इस्तेमाल करने के मामले में गिरफ्तार किया गया है। RCMP कॉर्पोरल सरबजीत के संघा ने कहा कि दो और युवकों को बिना किसी आरोप के रिहा कर दिया है। पुलिस ने कहा कि वे गोलीबारी के पीछे के कारणों का पता लगाने के लिए मामले में और जानकारी जुटा रहे हैं।बता दें कि सिमरनजीत सिंह वही शख्स है, जिसने 26 जनवरी को वैंकुवर में भारतीय दूतावास के बाहर प्रदर्शन का आयोजन करवाया था।

ब्रिटिश कोलंबिया गुरुद्वारा परिषद के प्रवक्ता और कनाडा के एक प्रमुख अलगाववादी नेता मोनिंदर सिंह ने पिछले दिनों सीबीसी न्यूज को बताया था कि सिमरनजीत सिंह को लग रहा है कि उसके घर पर हमला करवाने में भारत या उसके सहयोगियों का हाथ है, ताकि उन्हें डराया जा सके।

राम मंदिर पहुंचे श्रीलंका के सांसद नमल राजपक्षे, दोनों देशों में मज़बूत संबंध होने की कही बात

इंटरनेशनल डेस्क. अयोध्या के राम मंदिर में सैंकड़ों की संख्या में भक्त प्रतिदिन पहुंच रहे हैं। भारतीयों के साथ-साथ विदेशी भक्त भी मंदिर में दर्शन कर रहे हैं। प्राण प्रतिष्ठा के बाद सबसे पहले सूरीनाम और नेपाल के डेलिगेशन ने रामलला के दर्शन किए थे। उसके बाद 8 फरवरी को फिजी के उप प्रधानमंत्री विमान प्रसाद ने देश के प्रतिनिधिमंडल के साथ रामलला के दर्शन किए थे। 9 फरवरी यानि की शुक्रवार को श्रीलंका के सांसद नमल राजपक्षे ने भी अयोध्या में भगवान राम के दर्शनों के लिए आए थे। इस पर उन्होंने खुशी जताते हुए भारत और श्रीलंका के मध्य रिश्ते मज़बूत होने की बात कही।

नमल राजपक्षे ने पीएम मोदी की तारीफ-

श्रीलंका के सांसद नमल राजपक्षे ने भगवान राम के दर्शन के बाद पीएम मोदी की भी तारीफ की है। मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने बताया कि, ÷मैं और मेरी पत्नी यहां आकर और भगवान का आशीर्वाद पाकर बहुत अच्छा महसूस कर रहे हैं, क्योंकि हम श्रीलंका से आते हैं जो रामायण का हिस्सा था। बौद्ध संस्कृति, हिन्दू संस्कृति से जुड़े रहने के कारण हमें यहां आकर खुशी हो रही है।

पाक में सियासी तस्वीर बदलते ही इमरान खान को बड़ी राहत, 12 मामलों में कोर्ट ने दी जमानत

बीते साल मई में हुई हिंसा से जुड़े 12 मामलों में इमरान खान और शाह महमूद कुरैशी को जमानत मिली है। हालांकि इमरान खान अन्य मामले में जेल में हैं। उन्हें 10 साल कैद की सजा सुनाई गई थी।

इस्लामाबाद. पाकिस्तान में आम चुनाव के ऐलान के बीच इमरान खान को बड़ी राहत मिली है। बीते साल सेना के ठिकानों पर हमले को लेकर उन्हें 12 मामलों में जमानत मिल गई है। इमरान खान के साथ ही उनके साथ विदेश मंत्री रहे शाह महमूद कुरैशी को भी राहत दी गई है। बता दें कि पाकिस्तान के चुनाव में जेल में रहते हुए भी इमरान खान के उम्मीदवारों का प्रदर्शन उम्दा रहा है। इमरान खान के समर्थकों ने निर्दलीय ही चुनाव लड़ा था। वहीं नवाज शरीफ ने सरकार बनाने का दावा पेश किया है। रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि पीएमएल-एन और पीपीपी मिलकर सरकार बनाने को सहमत भी हो गए हैं।

बता दें कि बीते साल 9 मई को हुई हिंसा को लेकर इमरान खान समेत पीटीआई के कई अन्य नेताओं के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। दरअसल इस्लामाबाद में इमरान खान की गिरफ्तारी हो गई थी। इसके बाद उनके समर्थकों ने हिंसक प्रदर्शन शुरू कर दिया। इमरान के समर्थक रावलपिंडी में सेना के परिसर में घुस गए और जमकर तोड़फोड़ की। आरोप था कि इमरान खान के जमन पार्क स्थित आवास के बाहर पुलिसकर्मियों के साथ बदसलूकी की गई। इसके अलावा लाहौर के पुलिस थाने पर भी हमला किया गया।

हिंसा के बाद इमरान खान के 100 से ज्यादा समर्थकों को गिरफ्तार किया गया था। वहीं 2022 में इमरान खान की सरकार गिर गई। इसके बाद कई मामलों में उन्हें दोषी करार दिया गया और कई साल कैद की सजा सुना दी गई। कोर्ट ने इमरान खान को चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित करदिया। वहीं उनकी पार्टी का निशान बैट भी जब्त कर लिया गया। तोशाखाना केस में इमरान खान को तीन साल की सजा सुनाई गई थी।

हाई कोर्ट ने उनकी सजा रद्द कर दी लेकिन तब तक दूसरे मामले में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। इस मामले में उन्हें 10 साल कैद की सजा सुनाई गई। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि पाकिस्तान में पीटीआई के उम्मीदवारों ने 100 से ज्यादा सीटें जीत ली हैं। हालांकि यह आंकड़ा बहुमत से कम है।

पाकिस्तान में कुल 265 सीटों पर चुनाव कराए गए थे। ऐसे में सरकार बनाने के लिए कम से कम 133 सीटों की जरूरत है जो कि किसी भी पार्टी के पास नहीं हैं।

पाकिस्तान में नवाज सरकार? शहबाज और बिलावल गठबंधन के लिए तैयार, इमरान खान को झटका

इस्लामाबाद. पाकिस्तान में आम चुनाव के बाद धीमी गति से जारी मतगणना की प्रक्रिया शनिवार को पूरी होने के करीब है, मगर किसी भी राजनीतिक दल को स्पष्ट बहुमत मिलता प्रतीत नहीं हो रहा है। इस बीच, पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी ने मिलकर गठबंधन सरकार बनाने का ऐलान कर दिया है। दोनों पार्टियां केंद्र और पंजाब में गठबंधन सरकार बनाने पर सहमत हुई हैं। शहबाज शरीफ की बिलावल भुट्टो और पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी से मुलाकात के बाद यह घोषणा की गई। इस तरह, नकदी संकट से जूझ रहे देश में राजनीतिक स्थिरता अब भी पूरा न होने वाला सपना लग रही है। रिपोर्ट के अनुसार, पीएमएल-एन प्रमुख नवाज शरीफ के भाई पूर्व प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पंजाब के कार्यवाहक मुख्यमंत्री मोहसिन नकवी के आवास पर नेताओं से मुलाकात की। पार्टी सूत्रों ने बताया कि शहबाज ने जरदारी से सरकार गठन पर चर्चा की और नवाज शरीफ का संदेश भी पहुंचाया। यह मुलाकात करीब 45 मिनट तक चली। इस दौरान

शहबाज ने बिलावल भुट्टो और उनके पिता आसिफ अली जरदारी को पाकिस्तान में राजनीतिक व आर्थिक स्थिरता के लिए ~~~~ह नेतृत्व के साथ आने को कहा। सूत्रों के हवाले बताया गया कि दोनों पीपीपी नेता केंद्र और पंजाब में सरकार बनाने पर सहमत हुए हैं। दोनों के बीच एक और बैठक होगी और सत्ता-बंटवारे के फॉर्मूले को अंतिम रूप दिया जाएगा। यह देखना होगा कि कौन सा पद संभालता है और प्रधानमंत्री की कुर्सी किसे मिलती है।**मतों में हेर-फेर किए जाने की आशंका**

मालूम हो कि नेशनल असेंबली की 336 सीट में से 266 पर ही मतदान कराया जाता है, लेकिन बाजौर में हमले में एक उम्मीदवार की मौत हो जाने के बाद इस सीट पर मतदान स्थगित कर दिया गया था। अन्य 60 सीट महिलाओं के लिए और 10 अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षित हैं। ये जीतने वाले दलों को आनुपातिक प्रतिनिधित्व के आधार पर आवंटित की जाती हैं। नई सरकार बनाने के लिए किसी भी पार्टी को 265 सीट में से 133 सीट जीतनी होंगी। आम चुनावों के लिए मतदान गुरुवार शाम 5 बजे समाप्त हुआ था और इसके तुरंत बाद मतों की गणना शुरू हो गई। उम्मीद थी कि मतगणना के परिणाम शुक्रवार सुबह तक उपलब्ध हो जाएंगे लेकिन परिणाम की घोषणा में देरी के बाद मतों में हेर-फेर किए जाने की आशंका को बल मिला।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

भारत रत्न के चुनाव में छिपी हुई है BJP की सियासी इंजीनियरिंग, जानें- कहां कितना फायदा

नई दिल्ली. (एजेंसी)

देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न के लिए नामों के चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चौंकाने वाला फैसला लेते रहे हैं। उन्होंने हाल ही में पूर्व प्रधानमंत्रियों में शामिल नरसिम्हा राव और चौधरी चरण सिंह के अलावा बिहार के पूर्व सीएम कर्पूरी ठाकुर, दिग्गज भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी और हरित क्रांति के जनक एमएस स्वामीनाथन के नामों की घोषणा की थी।इन नामों के चयन के पीछ बीजेपी की चुनावी रणनीति भी शामिल है। इनमें कुछ नाम ऐसे हैं, जिनका चयन भाजपा ने इसलिए किया है क्योंकि उनके समाज में उसकी पकड़ कमजोर है। साथ ही, गांधी परिवार से किसी न किसी रूप में गतिरोध रखने वाले नेताओं को इस लिस्ट में शामिल कर भगवा पार्टी ने कांग्रेस को शर्मिंदा करने कोशिश की है।

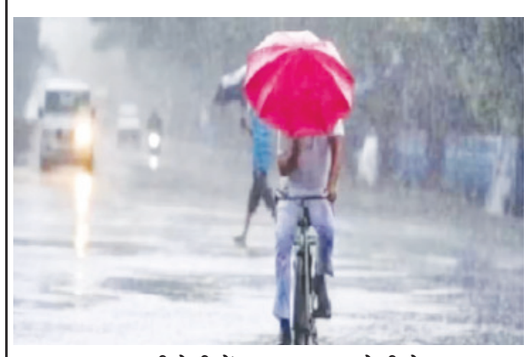

दक्षिण के राज्यों में नरसिम्हा राव का प्रभाव

पीवी नरसिम्हा राव को देश के आर्थिक सुधार की नींव रखने वाले प्रधानमंत्री के तौर पर जाना जाता है। उनका जन्म अविभाजित आंध्र प्रदेश में हुआ था। भाजपा के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने कहा कि आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के अलावा दक्षिणी राज्यों में मतदाताओं पर नरसिम्हा राव का आज भी प्रभाव है। वह संस्कृत श्लोकों

का पाठ कर सकते थे। इसके अलावा वेदों और उपनिषदों के ज्ञाता भी थे। भाजपा नेता ने कहा, गांधी परिवार और कांग्रेस पार्टी के द्वारा उनके साथ बुरा व्यवहार किया गया। प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा नेतृत्व ने हमेशा वंशवाद को बढ़ावा देने और प्रतिभा को नजरअंदाज करने के लिए कांग्रेस पर हमला करते रहते हैं। नरसिम्हा राव इसके उदाहरण हैं।भाजपा को उम्मीद है कि नरसिम्हा राव को शीर्ष सम्मान देने से पार्टी को चुनावी लाभ मिलेगा। एक वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा, ÷भाजपा राव की बेटी वाणी देवी को लुभाने की कोशिश कर रही थी, लेकिन बीआरएस ने उन्हें एमएलसी के रूप में नॉमिनेट करके मोर्चा संभाल लिया। भारत रत्न के साथ पार्टी ने बीआरएस को राज्य में उनकी विरासत पर दावा करने से भी रोक दिया है।

नरसिम्हा राव को यह पुरस्कार राम मंदिर के अभिषेक के तुरंत बाद दिया गया है। यह एक ऐसा मुद्दा है जिसने नरसिम्हा राव को भाजपा के वैचारिक स्रोत आरएसएस के करीब ला दिया था। भाजपा नेता ने कहा, ÷नरसिम्हा राव हिंदू और मुस्लिम समूहों के बीच बातचीत में सीधे शामिल थे। उन्होंने तत्कालीन वीएचपी प्रमुख अशोक सिंघल के साथ दोस्ती की थी। बाद में उन्होंने एक भव्य मंदिर बनाने की इच्छा दिखाई थी और विवादित स्थल के निकट सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण करवाया था।

किसानों को साधने की कोशिश

एम एस स्वामीनाथन को भारत रत्न के लिए चुनकर तमिलनाडु और केरल जैसे दक्षिणी राज्यों में अपनी पहुंच को बढ़ावा देने और किसान समुदाय के प्रति प्रतिबद्धता को मजबूत करने का बीजेपी ने एक प्रयास किया है।

यूपी में फिर बदलेगा मौसम का मिजाज, इस दिन हो सकती है बारिश; पछुआ हवाओं ने गलन बढाई

लखनऊ.(एजेंसी)

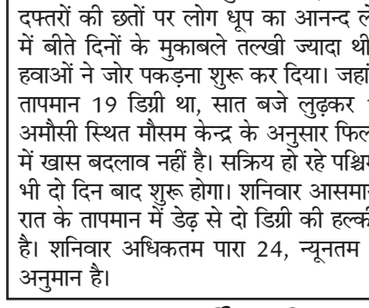

यूपी में एक बार फिर मौसम का मिजाज बदलने की उम्मीद है। ये बदलाव 12 फरवरी से दिख सकता है। इस दिन हल्की बूंदाबांदी सम्भव है। इसके बाद बारिश भी हो सकती है। इस बीच तेज पछुआ हवा ने रात का पारा गिरा दिया है। गलन बढ़ी है। गुरुवार-शुक्रवार की रात का न्यूनतम तापमान 6.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह सामान्य से 3.5 डिग्री सेल्सियस कम रहा। वहीं, शुक्रवार को दिन में अच्छी धूप खिली। लोगों ने राहत महसूस की।

पछुआ हवा की तेजी में शुक्रवार सुबह से ही ब्रेक लगा। हवा की रफ्तार कम होने से धूप का असर दिखा। इससे अधिकतम पारा 23.7 डिग्री तक पहुंचा। पार्कों, रिवर फ्रंट से घरों और दफ्तरों की छतों पर लोग धूप का आनन्द लेते दिखाई पड़े। धूप में बीते दिनों के मुकाबले तल्खी ज्यादा थी। शाम होते ही सर्द हवाओं ने जोर पकड़ना शुरू कर दिया। जहां शाम चार बजे तक तापमान 19 डिग्री था, सात बजे लुढ़कर 15.2 पर आ गया। अमौसी स्थित मौसम केन्द्र के अनुसार फिलहाल दो दिन मौसम में खास बदलाव नहीं है। सक्रिय हो रहे पश्चिमी विक्षोभ का असर भी दो दिन बाद शुरू होगा। शनिवार आसमान साफ रहेगा। दिन-रात के तापमान में डेढ़ से दो डिग्री की हल्की बढ़ोतरी हो सकती है। शनिवार अधिकतम पारा 24, न्यूनतम 8.0 डिग्री रहने का अनुमान है।

भाजपा के अयोध्या दर्शन के जवाब में सपा की नई मुहिम, अखिलेश अपने विधायकों संग जाएंगे इटावा के शिव मंदिर

भाजपा के अयोध्या दर्शन के जवाब में सपा विधायक इटावा जाएंगे। 11 फरवरी को अखिलेश यादव अपने विधायकों संग इटावा के शिव मंदिर में दर्शन-पूजन करेंगे।

लखनऊ.(एजेंसी)यूपी में अयोध्या राम मंदिर पर अभी भी सियासत जारी है। समाजवादी पार्टी ने एक बार फिर राम मंदिर दर्शन के निमंत्रण पर किनारा कर लिया है। भाजपा के अयोध्या दर्शन के जवाब में 11 फरवरी को अखिलेश यादव अपने दर्जनों सपा विधायकों के साथ इटावा के केदारेश्वर

केदारेश्वर मंदिर फिलहाल निर्माणधीन है। उत्तराखंड के केदारनाथ मंदिर की तर्ज पर केदारेश्वर मंदिर बन रहा है।दरअसल, 11 फरवरी को यूपी के विधायकों को श्रीराम मंदिर में दर्शन को अयोध्या जाने के लिए निमत्रंण दिया गया है। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने मंगलवार को सदन में स्पष्ट

बाद सपा सदस्यों के बयान सामने आए। रामलला दर्शन के निमंत्रण को समाजवादी पार्टी ने ठुकरा दिया है। सपा के महासचिव शिवपाल ने 11 फ़रवरी को अयोध्या जाने से इनकार कर दिया है। शिवपाल यादव ने कहा कि 11 तारीख को हमारा कोई औचित्य नहीं बनता है वहां जाने का इसके बाद आज समाजवादी पार्टी ने इटावा के केदारेश्वर मंदिर जाने का फैसला लिया है। सपा के मुखिया अपने विधायकों के साथ इटावा के इस शिव मंदिर में 11 फरवरी को दर्शन- पूजन करने

हाथ पर गुलाब का टैटू दिखे तो हो जाएं सावधान, कहीं बन ना जाएं इस गैंग का अगला शिकार

नई दिल्ली. (एजेंसी)क्या आपकी मुलाकात किसी ऐसे व्यक्ति से हुई है जिसकी हथेली के पिछले हिस्से पर गुलाब का टैटू बना हुआ है। अगर हां, तो ऐसे व्यक्तियों से सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि ये लोग गुलाब गैंग का हिस्सा हो सकते हैं। दरअसल दिल्ली पुलिस ने इसी गैंग के 4 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। ये लोग बाइक चोरी और मोबाइल स्नैचिंग जैसी वारदातों को अंजाम देते थे। खास बात यह है कि ये लोग इलाके में डर पैदा करने के लिए वारदात का वीडियो भी बनाते थे और सोशल मीडिया पर अपलोड करते थे। इन चारों लोगों के दाहिने हाथ के पिछले हिस्से में गुलाब का टैटू भी बना हुआ है।उत्तर पश्चिमी जिले की केशवपुरम थाना पुलिस ने गैंग के चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। लेकिन सरगना अभी भी फरार बताया जा रहा है। वहीं गिरफ्तार किए गए लोगों के पास से इनके पास से चोरी की बाइक और छीने गए 7 मोबाइल फोन भी बरामद हुए हैं। पुलिस ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि इस गैंग के अपराधी इलाके में कुछ वारदात को अंजाम देने वाले हैं। इसके बाद ही पुलिस तुरंत ऐक्शन में आ गई हैं और आरोपियों को दबोचने के लिए प्लान तैयार किया।

कैसे पकड़े गए आरोपी

पुलिस ने उन्हें पकड़ने के लिए जगह-जगह बैरिकेडिंग लगा दी। इसी दौरान एक स्कूटी पर 3 लोग सावर नजर आए। पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो वह भागने लगे।

सलमान खुर्शीद की पत्नी लुईस की मुश्किलें बढ़ीं, गिरफ्तारी वारंट के बाद ईडी ने भी जारी किया नोटिस

लखनऊ.(एजेंसी)पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद की पत्नी और डॉ. जाकिर हुसैन मेमोरियल ट्रस्ट की प्रोजेक्ट डायरेक्टर लुईस खुर्शीद की मुश्किलें बढ़ गई हैं। एक तरफ अदालत ने उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी कर रखा है। दूसरी तरफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी उन्?हें नोटिस भेजा है। ईडी के लखनऊ जोन कार्यालय ने उन्हें 15 फरवरी को पूछताछ के लिए बुलाया गया है। पूर्व विधायक लुईस खुर्शीद के खिलाफ कोर्ट ने पहले से ही गैर जमानती वारंट जारी कर रखा है। यह आदेश बरेली की एसीजेएम (एमपी-एमएलए कोर्ट) ने जारी किया है। इस मामले में अगली सुनवाई 16 फरवरी तय की गई है। लुईस के

खिलाफ धोखाधड़ी और गबन के आरोप में एक मामला कोर्ट में विचाराधीन है। वह अदालत में हाजिर नहीं हो रही हैं। इस कारण उनके खिलाफ जमानती वारंट पहले से ही जारी था लेकिन वह कोर्ट में हाजिर नहीं हुई। यह मामला दिव्यांगों को सहायता उपकरण वितरण में धांधली से जुड़ा है। मार्च 2010 में उनके ट्रस्ट को प्रदेश के 17 जिलों में दिव्यांगों को सहायता उपकरण वितरित करने के लिए केंद्र सरकार से 71.50 लाख अनुदान मिला था। ट्रस्ट पर गबन का आरोप लगा था और इस मामले में 17 जिलों में रिपोर्ट दर्ज की गई थी। जांच में पाया गया कि उपकरण वितरित करने के लिए कोई कैंप लगा ही नहीं। उस समय बरेली के भोजीपुरा थाने में भी मामला दर्ज किया गया था। विवेचना के बाद अभियुक्तों के खिलाफ आरोप पत्र कोर्ट में पेश किया गया।

मोदी सरकार ने व्हाईट पेपर जारी कर लोगों को बताई यूपीए सरकार की सच्चाई: एस.एस. चन्नी

चंडीगढ़, (संजय अरोड़ा) = भारतीय जनता पार्टी पंजाब के प्रवक्ता एस.एस. चन्नी, भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष दर्शन सिंह नैनेवाल, भाजपा प्रदेश प्रेस सचिव हरदेव सिंह उभ्भा व किसान मोर्चा राज्य प्रेस सचिव एडवोकेट डी.एस. विर्क ने भाजपा मुख्यालय चंडीगढ़ में अयोजित पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंदर मोदी के नेतृत्व में केंद्र की बीजेपी सरकार द्वारा जारी किए गए व्हाईट पेपर पर बोलते हुए कहा कि मोदी सरकार द्वारा व्हाइट पेपर जारी करके देश की जनता को आईना दिखाया गया कि यूपीए सरकार के शासन में देश की इकोनॉमी का क्या हाल था और आज एनडीए के शासन में देश की आर्थिक स्थिति कैसी है? उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र की भाजपा सरकार के शासन में आज भारत विश्व की पांच सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो चुका है।

एस.एस. चन्नी ने कांग्रेस को आईना दिखाते हुए कहा कि यूपीए सरकार के शासन में कोल घोटाला, स्पेक्ट्रम घोटाला, कॉमन वेल्थ गेम्स घोटाला आदि कई बड़े घोटाले हुए हैं, जिसके चलते भारत की छवि विश्व में धूमिल हुई और देश का बहुत भारी नुकसान हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 साल में भारत ने विश्व पटल पर अपनी एक अलग पहचान बनाई है और आज विश्व के लगभग सभी देश हर कार्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सलाह जरूर लेते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विश्व द्वारा ग्लोबल लीडर का दर्जा दिया गया है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से अग्रसर है। यूपीए के शासन में 2008 में आई छोटी सी मंदी के दौरान भारत की अर्थव्यवस्था बुरी तरह लड़खड़ा गई थी। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2019 में वैश्विक कोविड महामारी के दौरान जहाँ सारे विश्व की अर्थव्यस्था डगमगा गई थी, तब भी भारत की अर्थव्यवस्था ने बहुत अच्छा प्रदर्शन करते हुए जहां देश को अपने पैरों पर खड़े होने का अवसर प्रदान किया, वहीं दूसरी ओर विश्व के लगभग 70 से अधिक देशों को कॉविड की वैक्सीन मुहैया करा कर मित्रता तथा भाईचारे का संदेश प्रसारित किया। यह सब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सटीक व निर्णायक निर्णयों तथा दूरंदेशी सोच के चलते संभव हुआ है। विश्व की आर्थिक ग्रोथ 3 प्रतिशत है, जबकि भारत की 7 प्रतिशत है। प्रधानमंत्री नरेंदर मोदी के शासन में भारत को जी-20 सम्मेलन की मेजबानी की, जो कि भारत के लिए बहुत गर्व की बात है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा के 10 वर्षों में शासन में समाज के आखरी व्यक्ति तक केंद्र सरकार द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुँचाया जा रहा है। आज भारत विकसित भारत के रूप में विश्व पटल पर अपनी जगह बनाने में कामयाब हुआ है। दर्शन सिंह नैनेवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह और डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन ने देश के किसानों को देश का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार 卐भारत रत्न卐 देकर सम्मानित किया है, जो देश के इतिहास में किसी अन्य पार्टी की सरकार ने नहीं किया। इसलिए हम केंद्र की मोदी सरकार का समर्थन करते हैं पंजाब की ओर से भाजपा। दिल से धन्यवाद। नैनेवाल ने कहा कि पंजाब सरकार किसानों की समस्याओं को लेकर गंभीर नहीं है। पंजाब सरकार को किसानों की कोई चिंता नहीं है। किसानों की अनदेखी और बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण पंजाब के किसान जमीन उजड़ने को मजबूर हो रहे हैं। उन्हें अपनी फसलों का उचित दाम नहीं मिल रहा। पंजाब के किसान अपनी फसलें सड़कों पर फेंकने को मजबूर हैं। जिसके लिए सीधे तौर पर पंजाब की भगवंत मान सरकार जिम्मेवार है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने ओलावृष्टि से हुई फसल की क्षति का मुआवजा देने की घोषणा की थी, लेकिन जमीनी स्तर पर कुछ नहीं दिया। भगवंत मान ने किसानों से पहले भी जो वादे किए थे, वह घोषणाएं भी सब हवा हवाई हो चुकी हैं। अब पंजाब के लोगों को पंजाब सरकार की घोषणाओं पर जरा भी भरोसा नहीं है।

दरारें...पानी रिसाव और ट्रैफिक जाम, 18 महीने में ही प्रगति मैदान टनल की हालत खराब; सुविधा की जगह बनी आफत

18 महीने में ही प्रगति मैदान टनल की हालत खराब हो गई है। यहां लगातार मरम्मत कार्य और पानी के रिसाव के चलते बीते एक हफ्ते से जाम लग रहा है। साथ ही, टनल में बनाई गईं लाखों की पेंटिंग भी खराब हो रही हैं।

नई दिल्ली. (एजेंसी) प्रगति मैदान टनल का निर्माण वाहन चालकों जाम को राहत देने के लिए किया गया था, लेकिन पिछले कई दिन से इसकी हालत खराब है। यहां लगातार मरम्मत कार्य और पानी के रिसाव के चलते बीते एक सप्ताह से जाम लग रहा है। साथ ही, टनल में बनाई गई लाखों की पेंटिंग भी खराब हो रही हैं। बिना किसी सूचना के टनल को बंद कर दिया जाता है। इस कारण नई दिल्ली से रिंग रोड होते हुए पूर्वी दिल्ली, नोएडा और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे की तरफ जाने वाले लोगों को जाम से परेशान होना पड़ रहा है।

एक सप्ताह से बनी हुई है दिक्कत

18 महीने पहले यातायात के लिए खोली गई 1.3 किलोमीटर लंबी टनल की सड़क में दरारें और पानी के रिसाव की समस्या खत्म होने का नाम नहीं ले रही। टनल के एक हिस्से में मरम्मत होती है तो कुछ दिन बाद दूसरे हिस्सों में कार्य शुरू हो जाता है। आलम यह है कि शाम के समय टनल से बाहर निकलने में कई बार 30-40 मिनट तक का समय लग जाता है, क्योंकि तीन लेन में से एक या दो को बंद कर देते हैं।

शुक्रवार शाम भी मरम्मत के चलते इंडिया गेट सर्किल से पटियाला हाउस कोर्ट रोड के सामने से पूरी टनल को कुछ देर के लिए बंद कर दिया गया, जबकि मथुरा रोड से टनल के अंदर प्रवेश करने वाला रास्ता करीब पांच दिन से बंद है। पहले से कोई सूचना न होने की वजह से नई दिल्ली से पूर्वी दिल्ली की तरफ जाने वाले अधिकांश वाहन आईटीओ की तरफ से निकलते हैं, जिससे आईटीओ पर भी जाम की स्थिति बन रही है।

रात को साढ़े नौ बजे तक ज्यादा परेशानी

नई दिल्ली से पूर्वी दिल्ली की तरफ जाने के लिए आईटीओ, प्रगति मैदान टनल और रिंग रोड पर शाम पांच से रात आठ बजे तक वाहनों का दबाव अधिक होने की वजह से जाम रहता था, लेकिन अब टनल बंद होने या फिर कुछ लेन बंद होने से वाहन लंबे समय तक जाम में फंस रहते हैं। बीते 10 दिन से इन हिस्सों में रात के करीब 9 से 9.30 बजे तक भारी जाम लग रहा है।

अंडरपास की भी स्थिति बदतर

मौजूदा समय में टनल के साथ पांच अंडरपास यातायात के लिए खुले हैं। इनमें चार मथुरा रोड पर स्थित है, जबकि पांचवां भैरों मार्ग से प्रगति मैदान को जोड़ता है। छठा अंडरपास भैरों मार्ग से रिंग रोड को जोड़ने के लिए बनाया जा रहा है, लेकिन इन सभी अंडरपास के अंदर भी सड़क टूटने और रिसाव की समस्या है। कई बार यहां पानी निकालने के लिए मशीन लगाई जाती है।

यातायात शुरू होने के बाद डिजाइन पर भी उठे सवाल

यातायात शुरू होने के बाद टनल सवालों के घेरे में रही है। परियोजना के लिए बनी विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) में प्रवेश और निकासी के लिए तीन-तीन लेन (दोनों तरफ से) बनाने का सुझाव दिया गया, क्योंकि यह छह लेन की है।

ओल्ड गुरुग्राम में मेट्रो चलाने की योजना एक कदम और आगे बढ़ी, इन जगहों पर बनेंगे स्टेशन

नई दिल्ली. (एजेंसी) गुरुग्राम नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग ने ओल्ड गुरुग्राम में मेट्रो संचालन के लिए गुरुग्राम मेट्रो रेल लिमिटेड (जीएमआरएल) के गठन का प्रारूप तैयार कर लिया है। इस कंपनी की शुरुआत में कम से कम 20 करोड़ रुपये की पूंजी होगी। इसमें केंद्र और प्रदेश सरकार की बराबर की हिस्सेदारी रहेगी।नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अरुण गुप्ता की तरफ से जारी आदेश के मुताबिक, इस कंपनी का रजिस्टर्ड कार्यालय एचएसवीपी ऑफिस, सेक्टर 4, पंचकूला रहेगा। इसमें शुरुआत में केंद्र और राज्य सरकार की हिस्सेदारी 10-10 करोड़ रुपये होगी। इसके अलावा राज्य सरकार की तरफ से इस कंपनी में पांच निदेशक प्रस्तावित किए हैं। इनमें नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग और वित्तीय विभाग से प्रशासनिक सचिव, हरियाणा मास रैपिड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (एचएमआरटीसी) के प्रबंध निदेशक, जीएमडीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और गुरुग्राम नगर निगम के आयुक्त शामिल हैं।

बता दें कि हरियाणा सरकार ने ओल्ड गुरुग्राम में मेट्रो संचालन के लिए एचएमआरटीसी का गठन किया था। डीपीआर को मंजूरी के लिए जब केंद्र सरकार को भेजा गया तो इस कंपनी पर आपत्ति जताई गई, जिसके बाद गुरुग्राम मेट्रो रेल लिमिटेड के गठन का प्रस्ताव मंजूर हुआ।

इन स्थानों पर बनाए जाएंगे मेट्रो स्टेशन डीपीआर के मुताबिक, ये मेट्रो एलिवेटिड होगी। इसमें सेक्टर 45, साइबर पार्क, सेक्टर 47, सुभाष चौक, सेक्टर 48, सेक्टर 72ए, हीरो होंडा चौक, उद्योग विहार फेस छह, सेक्टर 10, 37, गांव बसई, सेक्टर 9, 7, 4, 5, अशोक विहार, सेक्टर 3, बजघेड़ा रोड, पालम विहार एक्सटेंशन, पालम विहार, सेक्टर 23ए, सेक्टर 22, उद्योग विहार फेस 4 और 5, साइबर सिटी स्टेशन प्रस्तावित हैं। डीपीआर के अनुसार ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो को द्वारका एक्सप्रेस वे से जोड़ा जाना है, जिसके तहत सेक्टर 101 में मेट्रो स्टेशन के निर्माण का प्रस्ताव है। मेट्रो चलने से लोगों को काफी राहत मिलेगी।

यह है योजना

केंद्र सरकार ने ओल्ड गुरुग्राम में मेट्रो की डीपीआर को मंजूरी प्रदान कर दी है। इसके मुताबिक 28.50 किमी लंबी मेट्रो लाइन डाली जाएगी। इसमें 27 मेट्रो स्टेशन होंगे। मिलेनियम सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन से नई मेट्रो की शुरुआत होगी, जो साइबर सिटी से जाकर मिल जाएगी। करीब 5452 करोड़ का खर्च आएगा।

जजपा की चाबी ने खोले प्रदेश में विकास के द्वार : अजय चौटाला

यमुनानगर . एजेंसी

जननायक जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय सिंह चौटाला ने कहा कि लोकसभा और विधानसभा के चुनावों को ज्यादा समय नहीं बचा है इसलिए जजपा कार्यकर्ता संगठित होकर संगठन मजबूती पर पूरा ध्यान दें। उन्होंने कहा कि जजपा की चाबी प्रदेश में विकास के दरवाजे खोलने का काम कर रही है और आगे भी जनता के सहयोग से जजपा जनहित में निरंतर कार्य करती रहेगी। अजय चौटाला ने पार्टी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को करारा जवाब देने के लिए पार्टी की नीतियों और जनकल्याणकारी कार्यों का ज्यादा से ज्यादा प्रचार-प्रसार करें। वे शुक्रवार को यमुनानगर जिले के साढ़ौरा हलके में विभिन्न गांवों के दौरे के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। साढ़ौरा पहुंचने पर पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय सिंह चौटाला का जोरदार स्वागत किया गया। उन्होंने मुस्तफाबाद, कलावड़, पाबनी, चबुतरो, नगली, जमुनावाला, असगरपुरा आदि गांवों में दौरा किया और पार्टी कार्यकर्ताओं को संगठन मजबूती के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। चौटाला ने कहा कि चुनावी तैयारियों को लेकर जजपा के निरंतर जनसंपर्क अभियान जारी हैं। जजपा की सोच है कि जनता ने पार्टी को जो प्यार, स्नेह दिया है उसे सवाया करके लौटाया जाए और इस दिशा में गठबंधन सरकार में जजपा पिछले सवा चार सालों से प्रदेश हित में काम कर रही है।

आमजन के हित में अनेक ऐतिहासिक निर्णय लिए गए हैं। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों की मांगों और समस्याओं को भी सुना तथा उन्हें राज्य सरकार के माध्यम से पूरा करवाने का आश्वासन दिया।

जनता के समर्थन ने साबित किया, प्रदेश में अगली सरकार कांग्रेस की बनेगी : हुड्डा

चरखी दादरी. एजेंसी

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि जनता का आक्रोश बता रहा है कि आज हरियाणा की क्या हालत हो गयी है, हम कहां से कहां पहुंच गये। उन्होंने कहा कि दादरी का पूरा हक मुझ पर है क्योंकि मेरी रगों में भी यहां का खून दौड़ता है। हुड्डा ने कहा कि हरियाणा सरकार काम करना नहीं बल्कि काम फंसाना और लोगों का ध्यान भटकाना जानती है। गठबंधन सरकार ने हरियाणा को 10 साल पीछे धकेलने में अहम भूमिका निभाई है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा ने दादरी की आयोजित जन आक्रोश रैली में बतौर मुख्यातिथि संबोधित किया और रैली के बाद मीडिया से बातचीत की। हुड्डा ने ईडी द्वारा की गई पूछताछ को लेकर कहा कि ईडी अपना काम कर रही है और गलत नहीं किया तो क्यों डरें। हमें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है न्याय मिलेगा। साथ ही कहा कि हरियाणा बजट को लेकर सरकार पर कोई विश्वास नहीं है। हमेशा की तरह इस बार भी भाजपा जनविरोधी वाला बजट लेकर आएगी। विकास की बजाय जनता को परेशान करने के लिए गठबंधन सरकार से हर वर्ग का विश्वास उठ चुका है। अब आने वाला समय कांग्रेस का है और हरियाणा में कांग्रेस पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। इस सरकार का एक ही काम है गरीब का राशन काटो, बुजुर्गों की पेंशन काटो। अब जनता के सहयोग से कांग्रेस की सरकार बनाकर दोबारा से हरियाणा को विकास की पटरी पर लाएंगे।पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा ने कहा कि एमएसपी को लेकर कांग्रेस ने नीति बनाई थी, भाजपा ने सबको बर्बाद करने में अहम भूमिका निभाई है। आमदनी दोगुनी करने की बजाय लागत दोगुनी कर किसानों की कमर तोड़ी है इसलिए फिर से किसान आंदोलन की राह पर हैं। रैली को पूर्व स्पीकर कुलदीप शर्मा, अशोक अरोड़ा, विधायक राव दान सिंह, विधायक बीबी बतरा, विधायक गीता भुक्कल, पूर्व मंत्री आनंद सिंह दांगी, रणबीर महेन्द्रा सहित अनेक नेताओं ने संबोधित किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री सुभाष गोयल, रणसिंह मान, धर्मपाल सांगवान, नृपेंद्र मांढी, रघुबीर छिल्लर, अनिरुध चौधरी, अनिल धनखड़, देवेंद्र आर्यनगर, नीतिन जांघू, सत्यप्रकाश, दीपेंद्र खेड़ी बूरा व डा. ओमप्रकाश व अन्य मौजूद रहे।सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार ने 5 साल तक कोई भर्ती नहीं की बल्कि 30 से ज्यादा भर्ती घोटाले कर दिये गये।

नौल्था के किसानों को दशकों बाद मिलेगा खेतों का स्थायी रास्ता

पानीपत.एजेंसी

हरियाणा में पिछले 55 सालों में सभी पार्टियों की सरकारें आती-जाती रही हैं और गांव नौल्था के सैकड़ों किसान करीब पांच दशक से जान जोखिम में डालकर अपने खेतों में जाने के लिये पानीपत- रोहतक रेलवे लाइन को पार करते रहे। किसान सभी सरकारों व करनाल लोकसभा से बनने वाले सभी सांसदों से अपने खेतों में जाने के लिये रेलवे अंडरपास आदि बनवाने को लेकर गुहार लगाते रहे, पर कोई समाधान नहीं हो पाया। इसराना विधायक बलबीर बाल्मीकि द्वारा भी विधानसभा में नौल्था के किसानों की इस मांग को प्रमुखता से उठाया गया। हरियाणा सरकार ने गांव नौल्था के किसानों की मांग पर नौल्था रेलवे स्टेशन के पास ही पिछले वर्ष सितंबर माह में 6.56 करोड़ रुपए की राशि लिमिट हाईट सब वे बनाने के लिये मंजूर कर दी। वहीं, पीडब्ल्यूडी ने 23 अक्तूबर, 2023 को 6.56 करोड़ रुपए एलएचएस बनाने के लिये रेलवे के पास जमा करवा दी थी। रेलवे ने अब गांव नौल्था रेलवे स्टेशन के पास लिमिट हाईट सब वे बनाने के लिये टेंडर लगा दिया है। टेंडर की प्रक्रिया जारी है

और अब बहुत जल्द ही एलएचएस के निर्माण का कार्य शुरू हो जाएगा। इससे गांव नौल्था के किसानों की करीब 55 वर्ष पुरानी मांग पूरी होने जा रही है।

किसानों में खुशी का माहौल

रेलवे द्वारा एलएचएस का टेंडर अलॉट किये जाने की सूचना मिलने पर नौल्था के सैकड़ों किसानों में खुशी का माहौल है कि उनको अब अपने ही खेतों में जाने के लिये करीब सात किमी की ज्यादा दूरी तय करनी पडती थी। गांव नौल्था के किसान रामफल जागलान, धर्मवीर जागलान, सुलतान सिंह, राजेंद्र जागलान, कृष्ण कुमार, राजकुमार, रमेश शर्मा, जगदीश जागलान, प्रदीप शर्मा, बलबीर सिंह, विनोद जागलान, रामेहर, जितेंद्र जागलान, सतनारायण, राजबीर व हवा सिंह आदि का कहना है कि उनकी दशकों वर्ष पुरानी मांग का समाधान होने जा रहा है। उनके खेतों के रास्ते के लिये लिमिट हाईट सब वे के निर्माण के लिये राशि मंजूर करने पर सरकार का आभार व्यक्त करते है और सरकार से मांग है कि इस एलएचएस को 5-6 माह में ही बनवा दिया जाये ताकि उनको और ज्यादा दिनों तक परेशानी का सामना न करना पड़े।

खेतों में जाने के लिए तय करते हैं 7 किमी की दूरी

पानीपत- रोहतक रेलवे लाइन 1976-77 के आसपास बनाई गई थी। गांव नौल्था के सैकड़ों किसानों के खेत रेलवे लाइन से दूसरी तरफ रह गये। रेलवे लाइन डलने पर किसानों का वह रास्ता बंद हो गया, पर कई दशक तक तो किसान अपनी जान जोखिम में डालकर रेलवे लाइन वहीं से होकर पार करते रहे और अपने खेतों में आते-जाते रहे। रेलवे ने कुछ साल पहले उस रास्ते को सीमेंट के पिलर आदि लगा कर पूरी तरह से बंद कर दिया और किसानों को अपने खेतों में जाने के लिये करीब सात किमी की ज्यादा दूरी तय करनी पड़ रही है।÷रेलवे ने पिछले माह जनवरी में नौल्था रेलवे स्टेशन के पास 6.56 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले एलएचएस का टेंडर अलॉट कर दिया है और जल्द ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

एम्स शिलान्यास घोषणा ने बढ़ाया इंद्रजीत का कद, विरोधियों को झटका

नारनौल.एजेंसी रेवाड़ी में एम्स के शिलान्यास के लिए 16 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम की घोषणा से क्षेत्र के लोगों व राव इंद्रजीत समर्थकों में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। भाजपा में और बाहर राव इंद्रजीत विरोधी नेता यह प्रचार कर रहे थे कि अब उनका समय गया। प्रधानमंत्री चुनावों के बाद ही एम्स के शिलान्यास करेंगे। उन्हें इस कार्यक्रम की घोषणा से झटका लगा है। 2023 के अंतिम पखवाड़े में केंद्रीय कैबिनेट ने मनेठी-माजरा एम्स के लिए संशोधित बजट को मंजूरी दी थी। इसके बाद से ही इसके शिलान्यास को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई थी। जिस तरह से फरवरी के आखिरी सप्ताह में आचार संहिता लगने की खबरें आ रही थी, उसे देखते हुए वर्तमान कार्यकाल में शिलान्यास होना मुश्किल नजर आ रहा था। भाजपा में राव इंद्रजीत विरोधियों की भी यही मंशा थी कि शिलान्यास टल जाए और अगर कार्यक्रम हो भी तो वह नारनौल में 152-डी राजमार्ग के लोकार्पण के साथ हो। लेकिन राव इंद्रजीत सिंह ने माजरा गांव में ही शिलान्यास कार्यक्रम रखवाकर विरोधियों को सीधा सा जवाब दिया है कि दक्षिणी हरियाणा में उन्हें कमतर आंकने की भूल ना की जाए। एम्स का निर्माण कार्य एलएंडटी कंपनी को सौंपा जा चुका है।

इस पर करीब 1300 करोड़ रुपये की लागत आएगी। कंपनी को एलओए भी जारी किया जा चुका है। यह देश का 22वां एम्स होगा। राज्य सरकार ने भी माजरा एम्स को रेवाड़ी-जैसलमेर नेशनल हाईवे-11 से जोड़ने के लिए रेलवे ओवरब्रिज की मांग को प्रशासनिक स्वीकृति पहले ही प्रदान कर दी थी।केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2019 में मनेठी में एम्स की स्वीकृति प्रदान की थी। मनेठी में अरावली की जमीन होने के कारण व किसानों की सरकार को जमीन देने की पहल पर यह प्रोजेक्ट माजरा में आ गया।

मशहूर हलवाई सीताराम की दुकान पर फायरिंग व रंगदारी मांगने के आरोपी गिरफ्तार, शराब पीकर बनाया था प्लान

रोहतक. एजेंसी

रोहतक सांपला कस्बे के रेलवे रोड पर स्थित मशहूर हवाई सीताराम की दुकान पर फायरिंग करने वाले तीन आरोपियों को एंटी स्टाफ व सांपला पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। तीनों आरोपियों की पहचान अमित उर्फ मिता पुत्र सुरेंद्र निवासी छारा जिला झज्जर, कपिल उर्फ भोलू पुत्र जितेंद्र निवासी भापडौदा जिला झज्जर व नवीन उर्फ भांजा पुत्र राजेंद्र निवासी खेड़ी साध जिला रोहतक के रुप में हुई है। तीनों आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने स्कॉर्पियो गाड़ी भी बरामद कर ली है। वहीं तीनों का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। जिस संबंध में पुराना रिकॉर्ड खंगालने में भी जुटी हुई है।

साजिश रच कर की थी फायरिंग

बताया जा रहा है कि तीनों आरोपियों ने शराब पीने के बाद प्लानिंग के तहत सापला के मशहूर हवाई सीताराम की दुकान पर दहशत फैलाने के लिए फायरिंग की थी और साथ ही एक पर्ची पर एक करोड़ रुपए की रकम देने की बात भी लिखी थी। तीनों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा। पूछताछ में अभी तक पता चला है कि तीनों ने पहले सांपला बाईपास पर स्थित नवीन के होटल पर इकट्ठा बैठकर शराब पी थी और उसके बाद सुबह के समय प्लानिंग के तहत साजिश रच कर फायरिंग की थी। उसके बाद सोनीपत की तरफ फरार हो गए थे।

फायरिंग कर 1 करोड़ रुपए की मांगी गई थी रंगदारी

गौरतलब है कि बुधवार को सांपला कस्बे के मशहूर हवाई सीताराम की दुकान पर तीनों आरोपियों द्वारा फायरिंग कर एक करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी गई थी। इसके बाद अलग-अलग राजनीतिक पार्टियों के नेता भी यहां पहुंचे थे। इतना ही नहीं रोहतक पुलिस अधीक्षक हिमांशु गर्ग ने भी स्वयं घटनास्थल का निरीक्षण किया था।

हरियाणवी-राजस्थानी-पंजाबी गीतों पर झूमे छात्र-छात्राएं

रोहतक. एजेंसी भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की खूबसूरत तस्वीर पेश करते हुए अपने-अपने राज्यों की लोक संस्कृति की छटा बिखेरते हुए आज महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में 37वें नॉर्थ वेस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी यूथ फेस्टिवल का शानदार आगाज हुआ। विश्वविद्यालय के कैंपस स्कूल प्रांगण से प्रारंभ होकर सांस्कृतिक शोभायात्रा, क्रांति चौक होते हुए मातूराम यज्ञशाला के सामने पहुंचा। प्रत्येक प्रतिभागी दल ने अपनी-अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। हरियाणा, राजस्थान तथा दिल्ली समेत विभिन्न राज्यों के लोकनृत्य, लोक संगीत, थीम-आधारित गीत-नृत्य प्रस्तुति ने उपस्थित जन को झूमा दिया। नाचते-गाते प्रतिभागी टीमों के विद्यार्थियों ने उमंग, उल्लास, मस्ती तथा युवा दिलों की सांस्कृतिक उड़ान को पंख दिए। लोकप्रिय हरियाणवी-राजस्थानी-पंजाबी गीतों तथा उस पर अलमस्त नृत्य की बानगी यूनिवर्सिटी की टीमों ने प्रस्तुत की। कुलपति प्रो. राजबीर सिंह, आमंत्रित अतिथि प्रतिष्ठित गायक कुमार विशु, डीन, एकेडमिक एफेयरस प्रो. ए.एस. मान, रजिस्ट्रार प्रो. गुलशन लाल तनेजा, एआईयू पर्यवेक्षक प्रो. अरुण पाटिल, प्रतिभागी टीमों के प्राध्यापक, विश्वविद्यालय आयोजन टीम सदस्यगण, एमडीयू प्राध्यापक, स्टाफ सदस्य, विद्यार्थी इस अवसर पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजन डीन, स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. रणदीप राणा ने किया। संचालन निदेशक युवा कल्याण डा. जगबीर राठी ने किया। प्रतिभागी टीमों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से अभिभूत उपस्थित जन कह उठा- ये दिल मांगे मोर।

इससे पूर्व आज प्रातः 9 बजे मातूराम यज्ञशाला में हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. राजबीर सिंह, डीन, एकेडमिक एफेयरस प्रो. ए.एस. मान, कुलसचिव प्रो. गुलशन लाल तनेजा, चीफ वार्डन बॉयज प्रो. तिलक राज, चीफ वार्डन कन्या छात्रावास प्रो. सपना गर्ग, प्रो. सुरेन्द्र कुमार समेत एमडीयू समुदाय ने हवन यज्ञ में आहुति दी और विश्व शांति एवं स्वास्थ्य की कामना की।मुख्य अतिथि प्रतिष्ठित गायक-कलाकार, एमडीयू एलुमनस कुमार विशु ने कहा कि संघर्षशील बन, समय का सदुपयोग कर, आत्म विश्वास के साथ लक्ष्य प्राप्ति की जा सकती है। कुमार विशु ने बताया कि एमडीयू सांस्कृतिक टीम की ओर से भाग लेते हुए सन् 1985 में ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी यूथ फेस्टीवल में गजल स्पर्धा में उन्होंने प्रथम स्थान प्राप्त किया था।

चुनाव के लिए कांग्रेस ने कसी कमर: लिस्ट जारी कर 4 कमेटियों में बनाए 51 नए सदस्य, SRK गुट के नेताओं को मिली जगह

लोकसभा चुनाव के लिए हरियाणा कांग्रेस ने कमर कस ली है। कांग्रेस हाईकमान की तरफ से हरियाणा में गठित की गई कमेटियों का विस्तार किया गया है। 4 कमेटियों में 51 नए नेताओं को बतौर सदस्य शामिल किया है।

चंडीगढ़.एजेंसी

लोकसभा चुनाव के लिए हरियाणा कांग्रेस ने कमर कस ली है। कांग्रेस हाईकमान की तरफ से हरियाणा में गठित की गई कमेटियों का विस्तार किया गया है। 4 कमेटियों में 51 नए नेताओं को बतौर सदस्य शामिल किया है। प्रदेश इलेक्शन कमेटी, राजनीतिक मामलों की कमेटी, अनुशासन समिति और चुनाव घोषणापत्र कमेटी में पहले पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा समर्थित नेताओं का दबदबा था। शुक्रवार को जारी हुई दूसरी लिस्ट में स्क्रीन यानी कुमारी सैलजा, रणदीप सिंह सुरजेवाला व किरण चौधरी समर्थित नेताओं को भी अब इन कमेटियों में शामिल किया गया है। बताया जा रहा है कि यह लिस्ट कांग्रेस के जनरल सेक्रेटरी केसी वेणुगोपाल की तरफ से जारी की गई है। इस लिस्ट में प्रदेशाध्यक्ष चौधरी उदयभान अध्यक्षा में बनी इलेक्शन कमेटी में 12 और नेताओं को बतौर सदस्य शामिल किया है। पूर्व डिप्टी सीएम चंद्रमोहन बिश्नोई, पूर्व डिप्टी स्पीकर अकरम खान, कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष रामकिशन गुर्जर, अत्तर सिंह सैनी, डॉ. अजय चौधरी, हरिओम कौशिक, राकेश तंवर, परमवीर टोहाना, आनंद सिंह दांगी, धर्मबीर कोलेखां, रघुबीर भारद्वाज व रमेश सैनी को सदस्य बनाया है।

राजनीतिक मामलों की समिति में 21 नए नाम

स लिस्ट में शामिल पूर्व CPS शारदा राठौर, आनंद सिंह दांगी सहित कई ऐसे नाम भी हैं, जिनकी गिनती भी पूर्व सीएम हुड्डा समर्थकों में होती है। इस कमेटी में सैलजा, सुरजेवाला व किरण पहले से हैं। इसी तरह से प्रदेश प्रभारी दीपक बाबरिया की चेयरमैनी में बनी राजनीतिक मामलों की समिति में 21 नए सदस्य शामिल किए हैं। जबकि कुमारी सैलजा, रणदीप सुरजेवाला और किरण चौधरी इस कमेटी में भी पहले से शामिल है। नए नामों में चंद्रमोहन बिश्नोई, अकरम खान, शैली चौधरी, अत्तर सिंह सैनी, डॉ. अजय चौधरी, शमेशर सिंह गोगी, परमवीर टोहाना, आनंद सिंह दांगी, अनिरुद्ध चौधरी, सतेंद्र मोर, नाहर सिंह संधू, अनंत दहिया, जगदीश मंडोलीवाला, स. अमन चीमा, अनिल सैनी एडवोकेट, कंवरदीप सैनी, बलजीत कौशिक, पंकज पुनिया, कुलबीर सोहल, सुभाष बतरा व अनिल सैनी को भी राजनीतिक मामलों की कमेटी में बतौर सदस्य शामिल किया गया है।

घोषणा पत्र कमेटी में 17 नए नेताओं को मिली जगह

वहीं झज्जर से विधायक एवं पूर्व शिक्षा मंत्री गीता भुक्कल की अध्यक्षता में बनाई गई चुनावी घोषणा-पत्र कमेटी में कांग्रेस ने 17 नए नेताओं को जगह दी है। बलवान दौलतपुरिया, रेणु बाला, रोहित जैन, निशा जोगेंद्र नाल, ओमवीर पंवार, अशोक मलिक, नरेश ढांडा, इब्राहिम इंजीनियर, मास्टर रिषीपाल, दिलबाग ढांडा, सतबीर जांगड़ा, सलिका खुराना, पूर्व सीपीएस शारदा राठौर, राजेंद्र सूरा, एडवोकेट चंद्र प्रकाश, प्रो. कृष्ण चंद व करमजीत कौर को सदस्य बनाया है। पूर्व मंत्री महेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता वाली अनुशासन समिति में कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष सुरेश गुप्ता को बतौर सदस्य शामिल किया है।

पंजाब बॉर्डर पर बढ़ाई गई सिक्योरिटी, केंद्र से फोर्स पहुंचने लगी हरियाणा

चंडीगढ़ . एजेंसी

पंजाब के किसान संगठनों द्वारा 13 फरवरी को नयी दिल्ली कूच के ऐलान के बीच हरियाणा में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पंजाब से सटे हरियाणा के सभी जिलों में अतिरिक्त पुलिस फोर्स तैनात की है। इन जिलों के पुलिस अधीक्षकों की ओर से भी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की कंपनियों की डिमांड की है। केंद्र सरकार ने हरियाणा के लिए पचास कंपनियों की मंजूरी दी है। ये कंपनियां हरियाणा में पहुंचनी शुरू हो गई हैं। वहीं दूसरी ओर, डीजीपी शत्रुजीत कपूर ने प्रदेश के लोगों के नाम अपील जारी की है।कपूर ने कहा, लोग प्रदेश में शांति व कानून व्यवस्था बनाए रखें। किसी के बहकावे में आकर कानून व्यवस्था को बाधित ना होने दें। प्रदेश में कानून व्यवस्था के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उपद्रव फैलाने वाले लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसे लेकर हरियाणा पुलिस की वरिष्ठ अधिकारियों की टीम द्वारा अलग-2 स्तर पर मॉनिटरिंग की जाएगी ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय परिस्थिति से निपटा जा सके। कपूर ने कहा कि देश की तरक्की के लिए अमन, शांति व भाईचारा जरूरी है। हम सबको मिलजुल कर देश की तरक्की में अपना योगदान देना है। देश की हर संपत्ति पर सबका अधिकार होता है। अगर किसी भी संपत्ति को कोई नुकसान होता है तो वह हम सब का नुकसान है, किसी एक व्यक्ति का नहीं होता। कपूर ने कहा कि यह देश दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है जिसमें हर धर्म, जाति तथा सम्प्रदाय के नागरिक सदियों से एक साथ भाईचारे के साथ रहते हैं।

उन्होंने बताया कि पुलिस प्रशासन नागरिकों की सुरक्षा के लिए 24 घंटे तैनात हैं। किसी भी नागरिक को अफवाहों पर ध्यान देकर माहौल को खराब करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में प्रदेश में अमन-चैन व शांति का माहौल है। कोई भी नागरिक या संगठन यदि शान्ति व्यवस्था बाधित करेगा तो उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने प्रदेश के सभी नागरिकों से आह्वान किया है कि वे सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें। पुलिस प्रशासन की सोशल मीडिया पर कड़ी नजर रहेगी। कोई भी नागरिक गलत अफवाह फैलाएगा तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा पुलिस द्वारा ट्रैफिक तथा अन्य अपडेट के लिए सोशल मीडिया अकाउंट ङ्क एक्स, पुलिस के फेसबुक अकाउंट आदि पर शेयर किया जाता रहेगा।

करोड़ों कर्मचारियों के लिए खुशखबरी, PF जमा पर अब मिलेगा ज्यादा ब्याज

नई दिल्ली.(एजेंसी) ईपीएफओ निवेशकों के लिए खुशखबरी है। सूत्रों के अनुसार पीएफ पर मिलने वाले ब्याज को बढ़ाने का फैसला हुआ है। समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार 2023-24 के ब्याज दर 8.25 प्रतिशत होगी। इससे पहले के साल में यह 8.15 प्रतिशत थी। बता दें, पिछले 3 साल में यह सबसे अधिक ब्याज दर होगी।

पिछले साल भी ब्याज दरों में हुआ इजाफा

मार्च 2023 में ईपीएफओ ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए पीएफ ब्याज दर 8.15 प्रतिशत कर दिया था। वहीं, मार्च 2022 में वित्त वर्ष 2021-22 के लिए यह 8.10 प्रतिशत हो गया था। हालांकि, यह दर 1977-78 के बाद सबसे कम थी। लेकिन अब एक बार फिर ब्याज दरों में होने जा रहे इजाफे का फायदा 6 करोड़ से अधिक कर्मचारियों को होगा।

वित्त मंत्रालय के अप्रूवल का इंतजार

पीटीआई के अनुसार शनिवार को श्रम एवं रोजगार मंत्री भूपेन्द्र यादव की अध्यक्षता में ईपीएफओ की 235वीं बोर्ड मीटिंग हुई। जिसमें ब्याज दरों को बढ़ाने पर मंजूरी दे दी गई। बता दें, बढ़ें ब्याज दरों की आधिकारिक जानकारी वित्त मंत्रालय की तरफ से अप्रवूल मिलने के बाद सार्वजनिक की जाएगी।

एक बार ब्याज दरों का ऐलान हो जाए तो यह ड्क्क्ष्न डिपॉजिट्स पर भी लागू हो जाएगा। छूट प्राप्त ट्रस्ट भी अपने कर्मचारियों को 8.25 प्रतिशत ब्याज देने के बाध्य रहेंगे।

टाटा ग्रुप की इस कंपनी को लगातार 17वीं तिमाही में हुआ मुनाफा, दांव लगाने जा रहे हैं तो रुकिए

क्या रहा है ब्याज दरों का इतिहास?

2019-20 के लिए ब्याज दर 8.5 प्रतिशत था। वहीं, वित्त वर्ष 2018-19 के दौरान कर्मचारियों को पीएफ पर 8.65 प्रतिशत ब्याज मिला था। बता दें, 2025-16 के लिए ईपीएफओ ने ब्याज दर 8.8 प्रतिशत रखा था। यानी मौजूदा ब्याज दर इसकी अपेक्षा काफी कम है।

RBI बेच रहा है सस्ता सोना, सोमवार खरीद पाएंगे लोग, जानें क्या है कीमत

नई दिल्ली.(एजेंसी) रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) सोमवार से पांच दिनों के लिए खुलेगा। गोल्ड बॉन्ड की इस किस्त का सब्सक्रिप्शन मूल्य 6,263 रुपये प्रति ग्राम तय किया गया है। बता दें, सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड का रिटर्न शानदार रहा है। जिसकी वजह से बड़ी संख्या में निवेशक इस पर दांव लगाना चाह रहे हैं।

इन्हें मिलेगी छूट (sovereign gold bond Price)

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम 2023-24 सीरीज चार इस महीने की 12 तारीख से 16 तारीख तक खुली रहेगी। सेंट्रल बैंक ने कहा, ÷बांड का मूल्य... 6,263 रुपये प्रति ग्राम सोना है। भारत सरकार ने ऑनलाइन आवेदन करने वाले और डिजिटल माध्यम से भुगतान करने वाले निवेशकों को अंकित मूल्य से 50 रुपये प्रति ग्राम की छूट देने का फैसला किया है। आरबीआई ने कहा कि ऐसे निवेशकों के लिए स्वर्ण बांड का निर्गम मूल्य 6,213 रुपये होगा।

कहां से खरीद पाएंगे सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड

एसजीबी को अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (छोटे वित्त बैंकों, भुगतान बैंकों और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को छोड़कर), स्टॉक होल्डिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसएचसीआईएल), भारतीय निपटान निगम लिमिटेड (सीसीआईएल), नामित डाकघरों, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज इंडिया लिमिटेड और बीएसई लिमिटेड के माध्यम से बेचा जाएगा।

कौन-कौन खरीद सकता है सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड

केंद्रीय बैंक दरअसल भारत सरकार की तरफ से स्वर्ण बॉन्ड जारी करता है। ये निवासी व्यक्तियों, अविभाजित हिंदू परिवार (एचयूएफ), न्यासों, विश्वविद्यालयों और धर्मार्थ संस्थाओं को ही बेचे जा सकते है। सब्सक्रिप्शन की अधिकतम सीमा व्यक्तियों के लिए चार किलोग्राम, एचयूएफ के लिये चार किलोग्राम और न्यासों तथा समान संस्थाओं के लिए 20 किलोग्राम प्रति वित्त वर्ष है। फिजिकल गोल्ड की मांग को कम करने के इरादे से सबसे पहले गोल्ड बांड योजना नवंबर, 2015 में लाई गई थी।

मुकेश अंबानी ने खरीदी 82 साल पुरानी कंपनी, 27 करोड़ में डील फाइनल

नई दिल्ली.(एजेंसी) मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस रिटेल ने एक बड़ी डील की है। दरअसल, रिलायंस रिटेल की कंपनी ने 82 साल पुराने रावलगांव शुगर फार्म के कॉफी ब्रेक और पान पसंद जैसे कंफेक्शनरी ब्रांड का अधिग्रहण करने का ऐलान किया है। रावलगांव शुगर फार्म के पास मैंगो मूड, कॉफी ब्रेक, टूटी फ्रूटी, पान पसंद, चॉको क्रीम और सुप्रीम जैसे ब्रांड हैं। अब इस कंपनी ने डील के तहत इन उत्पादों के ट्रेडमार्क, उत्पादन नुस्खे और सभी बौद्धिक संपदा अधिकार रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (आरसीपीएल) को बेच दिए हैं। बता दें कि आरसीपीएल रिलायंस समूह की खुदरा इकाई रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड (आरआरवीएल) की सब्सिडयरी है।

क्या कहा कंपनी ने

रावलगांव शुगर फार्म ने शेयर बाजार को दी गई सूचना में कहा कि उसके निदेशक मंडल ने इन ब्रांड के ट्रेडमार्क एवं बौद्धिक संपदा अधिकारों की बिक्री और हस्तांतरण आरसीपीएल को 27 करोड़ रुपये के सौदे में करने को मंजूरी दे दी है। हालांकि रावलगांव शुगर ने कहा कि प्रस्तावित डील के बाद भी प्रॉपर्टी, लैंड, प्लांट, बिल्डिंग, इक्युपमेंट, मशीनरी जैसी अन्य सभी परिसंपत्तियां उसके पास बनी रहेंगी।

कंपनी ने कहा कि हाल के वर्षों में उसके लिए अपने कंफेक्शनरी व्यवसाय को बनाए रखना मुश्किल हो गया है। उसने संगठित और असंगठित दोनों खिलाड़ियों से प्रतिस्पर्धा में वृद्धि के कारण बाजार हिस्सेदारी खो दी है।

शेयर का हाल

बाजार में लिस्टेड कंपनी रावलगांव शुगर के शेयर 785 रुपये के स्तर पर हैं। हालांकि, बीएसई की वेबसाइट पर ट्रेडिंग प्रतिबंध का मैसेज दिख रहा है।

इसके कारण के तौर पर जीएसएम को बताया गया है। वर्गीकृत निगरानी उपाय (जीएसएम) एक निगरानी विधि है जो सेबी द्वारा ईमानदार निवेशकों के हित की रक्षा के लिए अपनाई जाती है।

बता दें कि इस शेयर की कीमत नवंबर महीने में 1,157.25 रुपये तक गई थी। यह शेयर के 52 वीक का हाई भी है। वहीं, मार्च 2023 में शेयर ने 596.20 रुपये के 52 हफ्ते के लो को टच किया।

चीन और हॉन्गकॉन्ग के निवेशकों को झटका, जनवरी में डूबे 124 लाख करोड़

बिजनेस डेस्क. इस साल चीन के शेयर बाजार में पैसा लगाने वाले निवेशकों को जमकर झटके लग रहे हैं। एक और अमेरिका का एसएंडपी 500 इंडेक्स रिकॉर्ड ऊंचाइयों पर है, वहीं चीन और हॉन्गकॉन्ग के शेयर बाजारों में अकेले जनवरी माह में 124.50 लाख करोड़ रुपए की गिरावट दर्ज की गई है। रिटेल निवेशकों ने चीनी सोशल मीडिया पर अपनी हताशा का इजहार किया है। राष्ट्रपति शी जिन पिंग को छह फरवरी को बाजार का हाल बताया गया। अगले दिन शेयर मार्केट के रेगुलेटर यी हुईमान को हटा दिया गया। सरकारी कंपनियों द्वारा शेयरों की खरीद से बाजार को थोड़ा सहारा मिला है। दूसरी ओर संपत्ति के मूल्यों में गिरावट से प्रॉपर्टी मार्केट में संकट बढ़ा है। दरअसल, चीन की अर्थव्यवस्था में उतार की झलक शेयर मार्केट में दिखाई पड़ रही है।

चीन और हॉन्गकॉन्ग के शेयर बाजारों का मूल्य 2021 के शिखर से लगभग 581 लाख करोड़ रुपए कम हो चुका है। अमेरिका के स्टॉक मार्केट में 14 फीसदी और भारत में 60 फीसदी उछाल के बीच चीन, हॉन्गकॉन्ग में 35 फीसदी गिरावट हुई है। उतार की यह स्थिति एक बुनियादी समस्या का संकेत है। किसी समय विदेशी और घरेलू निवेशक चीन की सरकार को अर्थव्यवस्था का विश्वसनीय संचालक मानते थे। अब यह भरोसा टूट चुका है। शी की नीतियों ने इकोनॉमी को पटरी से उतार दिया है। 2020 में टेक्नोलॉजी कंपनियों पर कड़ी कार्रवाई ने निवेशकों के विश्वास को हिला दिया है। जीरो कोविड नीति घातक साबित हुई है। प्रॉपर्टी मार्केट में संकट ने लोगों की बचत पर असर डाला है।

2 दिन 100 गुना से अधिक सब्सक्रिप्शन, दांव लगाने का एक मौका और, GMP देख गदगद हुए निवेशक

नई दिल्ली.(एजेंसी) सोलर बनाने वाली कंपनी Alpex Solar IPO को दूसरे दिन 82.88 गुना सब्सक्रिप्शन प्राप्त हुआ था। रिटेल सेक्शन में यह आईपीओ दूसरे 133.86 गुना सब्सक्राइब किया गया। वहीं, क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स कैटगरी में 0.90 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था। नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स कैटगरी में 73.19 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था। बता दें, इससे पहले पहले दिन यानी गुरुवार को कंपनी के आईपीओ को 30.85 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था।

Alpex Solar IPO का प्राइस बैंड 109 रुपये से 115 रुपये प्रति शेयर तय हुआ है। कंपनी ने एक लॉट में 1200 शेयर रखे हैं। जिस वजह से निवेशकों को कम से कम 1,38,000 रुपये का दांव लगाना होगा।

क्या है प्राइस बैंड (Alpex Solar IPO Price Band)

Alpex Solar IPO का प्राइस बैंड 109 रुपये से 115 रुपये प्रति शेयर तय हुआ है। कंपनी ने एक लॉट में 1200 शेयर रखे हैं। जिस वजह से निवेशकों को कम से कम 1,38,000 रुपये का दांव लगाना होगा। बता दें, इस आईपीओ का साइज 74.52 करोड़ रुपये का है। कंपनी आईपीओ के जरिए 64.80 लाख फ्रेश शेयर जारी करेगी। Alpex Solar IPO निवेशकों के लिए 8 फरवरी को ओपन हुआ था। निवेशक इस आईपीओ पर 12 फरवरी तक दांव लगा पाएंगे। यानी जिन निवेशकों ने अभी तक इस आईपीओ पर दांव नहीं लगाया है उनके पास एक और मौका शेष है।

ग्रे मार्केट में कंपनी का दबदबा इंवेस्टर गेन की रिपोर्ट के अनुसार ग्रे मार्केट में कंपनी का प्रदर्शन अच्छा है। कंपनी का आईपीओ आज यानी शनिवार को 190 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है। जोकि मजबूत लिस्टिंग के संकेत दे रहा है। अगर यही ट्रेंड लिस्टिंग तक रहा तो कंपनी शेयर बाजार में 300 के पार डेब्यू कर सकती है। यानी निवेशकों का पैसा पहले दिन ही दोगुना हो सकता है। बता दें, शेयर बाजार में कंपनी की लिस्टिंग एनएसई एसएमई में होगी। कंपनी ने एंकर निवेशकों के जरिए 21.22 करोड़ रुपये जुटाए थे।

टाटा ग्रुप की इस कंपनी को लगातार 17वीं तिमाही हुआ मुनाफा, दांव लगाने जा रहे हैं रुकिए!

नई दिल्ली.(एजेंसी) टाटा पावर (Tata Power Share) का नेट प्रॉफिट चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में दो प्रतिशत बढ़कर 1,076 करोड़ रुपये रहा। बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ 1,052 करोड़ रुपये रहा था। यह लगातार 17वीं तिमाही है जब कंपनी को प्रॉफिट हुआ है। बता दें, शुक्रवार को कंपनी के शेयरों का भाव 3.79 प्रतिशत की गिरावट के साथ 392 रुपये के लेवल पर था।

क्या कह रहे रहे हैं एक्सपर्ट? (Tata Power target price)

ब्रोकरेज हाउस आनंद राठी से जुड़े सीनियर मैनेजर गणेश डोंगरे कहते हैं, टाटा पॉवर इस समय 330 रुपये से 440 रुपये के रेंज में है। मौजूदा समय में सपोर्ट प्राइस 360 रुपये का है। हालांकि, स्टॉक 420 रुपये से 440 रुपये के लेवल तक जा सकता है। एक्सपर्ट सपोर्ट प्राइस को ध्यान में रखते हुए होल्ड की सलाह दे रहे हैं।

टाटा पॉवर के तिमाही नतीजे

कंपनी ने शुक्रवार को बयान में कहा कि दिसंबर तिमाही में उसकी कुल आमदनी बढ़कर 14,841 करोड़ रुपये हो गई है, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 14,339 करोड़ रुपये थी।टाटा पावर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक (एमडी) प्रवीर सिन्हा ने बयान में कहा, हमारे मुख्य व्यवसाय लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और कंपनी को लगातार 17वीं तिमाही में पीएटी (शुद्ध लाभ) वृद्धि हासिल करने में मदद मिली है।

कंपनी का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों (अप्रैल-दिसंबर, 2023) में बढ़कर 3,235 करोड़ रुपये हो गया, जो बीते वित्त वर्ष की समान अवधि में 2,871 करोड़ रुपये था। कंपनी ने कहा कि चालू वित्त वर्ष की पहली तीन तिमाहियों में कंपनी की आमदनी बढ़कर 45,286 करोड़ रुपये रही, जो इस अवधि में कंपनी का सर्वाधिक आंकड़ा है। बयान के अनुसार, 31 दिसंबर, 2023 को कंपनी की परिचालन क्षमता नवीकरणीय ऊर्जा खंड में 4,270 मेगावाट रही, जिससे 603.1 करोड़ यूनिट हरित बिजली का उत्पादन हो रहा है।

9 के शेयर ने दिया 2500% रिटर्न, कंपनी पर अंबानी का भी दांव, अब जारी हुए नतीजे

नई दिल्ली.(एजेंसी) अनिल अंबानी की रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने दिसंबर तिमाही के नतीजे जारी किए हैं। इस तिमाही में कंपनी का नेट लॉस बढ़ गया है। कंपनी ने बताया कि अधिक खर्चों के कारण दिसंबर तिमाही में नेट लॉस बढ़कर 421.17 करोड़ रुपये हो गया। एक साल पहले की इसी अवधि में 267.46 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। हालांकि, कंपनी की कुल आय एक साल पहले की समान अवधि के 4,224.64 करोड़ रुपये से बढ़कर 4,717.09 करोड़ रुपये हो गई। तिमाही में कंपनी का खर्च बढ़कर 5,068.71 करोड़ रुपये हो गया।

शेयर का हाल: रिलायंस इंफ्रा के शेयर ने 4 साल की अवधि में निवेशकों को मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। साल 2020 के मार्च महीने में इस शेयर की कीमत 9 रुपये के स्तर पर थी। यह वो दौर था जब कोरोना की वजह से लॉकडाउन था और शेयर बाजार में हाहाकार मचा हुआ था। इंफ्रा सेक्टर की कंपनी होने की वजह से रिलायंस इंफ्रा पर भी लॉकडाउन का असर पड़ा था। इसके बाद शेयर ने रिकवरी के ट्रैक पर धीरे-धीरे 200 रुपये के स्तर को पार कर लिया। इसी साल 9 जनवरी को शेयर ने 248 रुपये के स्तर को टच किया। यह 52 हफ्ते का हाई है। इस तरह, निवेशकों को 2500 फीसदी का रिटर्न मिल चुका है। वर्तमान में शेयर की कीमत 213 रुपये पर है।

कंपनी में अनिल अंबानी की हिस्सेदारी

प्रमोटर के पास रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर में 16.50 फीसदी हिस्सेदारी है। वहीं, 83.39 फीसदी हिस्सेदारी पब्लिक शेयर होल्डर्स के पास है। प्रमोटर्स में अनिल अंबानी फैमिली है। इसमें अनिल अंबानी के पास इंडिविजुअल 1,39,437 शेयर हैं। इसके अलावा अनिल अंबानी की पत्नी टीना के पास 1,23,812 शेयर हैं। अनिल अंबानी के दोनों बेटे के पास कुल 1,25,238 शेयर हैं। बता दें कि रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर बिजली, सड़क, मेट्रो रेल और अन्य बुनियादी ढांचा क्षेत्रों के लिए इंजीनियरिंग और निर्माण सेवाएं प्रदान करने के व्यवसाय में लगी हुई है।

5200% का दमदार रिटर्न, 10,000 बढ़कर हुआ 5 लाख रुपये, निवेशक खुश

इस मल्टीबैगर स्टॉक की कीमतों में तेजी का सिलसिला आज भी जारी है। कंपनी के शेयरों का भाव बीते एक महीने के दौरान 32 प्रतिशत बढ़ गया है। बीते 4 साल में पोजीशनल निवेशकों को 5200% का फायदा हुआ है।

नई दिल्ली.(एजेंसी) बीते कुछ सालों के दौरान जिन कंपनियों ने शेयर बाजार में धमाकेदार रिटर्न दिया है उसमें Gensol Engineering भी एक है। कंपनी के शेयरों की कीमतों में बीते 4 साल के दौरान 5200 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। इकोनॉमिक्स टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार सिर्फ 4 सालों में निवेशकों का पैसा 10,000 रुपये से बढ़कर 5 लाख रुपये हो गया है।

टाटा ग्रुप की इस कंपनी को लगातार 17वीं तिमाही में हुआ मुनाफा, दांव लगाने जा रहे हैं तो रुकिए

6 महीने में पैसा लगभग डबल

इस मल्टीबैगर स्टॉक की कीमतों में तेजी का सिलसिला आज भी जारी है। कंपनी के शेयरों का भाव बीते एक महीने के दौरान 32 प्रतिशत बढ़ गया है। वहीं, पिछले 6 महीने से स्टॉक को होल्ड करने वाले निवेशकों को अबतक 91 प्रतिशत का लाभ हुआ है। बता दें, बाजार बंद होने के समय पर कंपनी के एक शेयर की कीमत बीएसई में 1110.10 रुपये थी।

किसके पास कितना हिस्सा?

कंपनी के शेयर होल्डिंग्स के अनुसार कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 62.59 प्रतिशत की है। वहीं, 37.41 प्रतिशत हिस्सा पब्लिक के पास है। दिसंबर 2023 के शेयर होल्डिंग्स के अनुसार दिग्गज निवेशक मुकुल अग्रवाल के पास 1.51 प्रतिशत हिस्सा है। बता दें, दिसंबर तिमाही में कंपनी का EBITDA 312 प्रतिशत बढ़कर 70 करोड़ रुपये के लेवल पर पहुंच गया।

क्या करती है कंपनी?

त्द्ग्ठ्ठद्यश्च्य श्वठ्ठद्दद्बठ्ठद्ग्द्गह्म्द्बठ्ठद्द एक इंजीनियरिंग और कंस्ट्रक्शन सर्विसेज देने वाली कंपनी है। कंपनी सोलर पॉवर प्लांट को भी बनाती है। इसकी स्थापना 2012 में हुई थी। कंपनी में मौजूदा समय में 240 कर्मचारी हैं। बता दें, कंपनी ने पुणे में इलेक्ट्रिक व्हीकल्स प्लांट भी लगाया है। जहां थ्री व्हीलर्स और चार पहिया गाड़ियां बनाई जाएंगी।

इलेक्ट्रिक वाहन के लिए प्लान, 100 डिविडेंड देने का ऐलान, इस शेयर पर टूट पड़े निवेशक

नई दिल्ली.(एजेंसी) दोपहिया वाहन कंपनी हीरो मोटोकॉर्प ने दिसंबर तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में प्रॉफिट 50 प्रतिशत बढ़कर 1,093 करोड़ रुपये रहा। बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का प्रॉफिट 726 करोड़ रुपये रहा था। हीरो मोटोकॉर्प ने कहा कि तिमाही में कंपनी की कुल आय बढ़कर 10,031 करोड़ रुपये रही है, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 8,300 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने दिसंबर तिमाही में 18 प्रतिशत वृद्धि के साथ 14.6 लाख बाइक और स्कूटर बेचे।

100 रुपये डिविडेंड का ऐलान

हीरो मोटोकॉर्प ने कहा कि उसके निदेशक मंडल ने मानद चेयरमैन बृजमोहन लाल मुंजाल के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में 75 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड और 25 रुपये प्रति शेयर का स्पेशल डिविडेंड घोषित किया। इससे कुल अंतरिम डिविडेंड 100 रुपये प्रति शेयर हो गया।

कारोबार विस्तार की योजना

हीरो मोटोकॉर्प ने 600 करोड़ रुपये के निवेश के साथ अपने कल-पुर्जे और उसके कारोबार का विस्तार करने की योजना की भी घोषणा की। हीरो मोटोकॉर्प के सीईओ निरंजन गुप्ता ने कहा- प्रीमियम कैटेगरी में हमारे हालिया पेश हुए उत्पादों को शुरुआती सफलता मिली है और हम अपने महंगे प्रीमियम वाहनों की क्षमता बढ़ा रहे हैं। कंपनी ने अब देश के 100 शहरों में अपनी इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) का विस्तार किया है और एथर एनर्जी के सहयोग से तेजी से चार्जिंग इंफ्रा भी तैयार कर रही है।

हीरो मोटोकॉर्प ने कहा कि तिमाही में कंपनी की कुल आय बढ़कर 10,031 करोड़ रुपये रही है, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 8,300 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने डिविडेंड का भी ऐलान किया है।

शेयर का हाल

सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को हीरो मोटोकॉर्प के शेयर की कीमत 2 फीसदी से ज्यादा बढ़ी। ट्रेडिंग के अंत में शेयर 2 फीसदी चढ़कर 4908.50 रुपये पर बंद हुआ। ट्रेडिंग के दौरान शेयर ने 4924.05 रुपये के स्तर को टच किया, जो 52 हफ्ते का हाई भी है।

सर्दियों में आप भी खा रहे हैं जरूरत से ज्यादा अदरक, तो जानें इसके कुछ साइड इफेक्ट्स

अदरक (Ginger) लगभग हर भारतीय घर में इस्तेमाल किया जाता है। कोई व्यंजन हो या चाय अदरक से बिना सबका स्वाद अधूरा सा लगता है। यही वजह है कि भारतीय रसोई में कुछ मिले या न मिले अदरक जरूर मिल जाता है। यह स्वाद बढ़ाने के साथ ही सेहत को ढेरों फायदे भी पहुंचाता है। अदरक हमारी इम्युनिटी बढ़ाने के साथ ही यह कई स्वास्थ्य समस्याओं से राहत दिलाने में भी मदद करता है, लेकिन कहा जाता है न कि किसी भी चीज की अति सेहत को नुकसान पहुंचा सकती है।

अदरक के साथ भी ऐसा ही है। जरूरत से इसका सेवन कई स्वास्थ्य समस्याओं की वजह बन सकता है। अगर आप भी उन लोगों में से हैं, जो अक्सर ज्यादा अदरक की चाय या ज्यादा अदरक खाना पसंद करते हैं, तो आइए जानते हैं ज्यादा अदरक खाने के कुछ नुकसान

ब्लड शुगर लेवल कम करे

कुछ अध्ययनों से पता चला है कि अदरक ब्लड शुगर लेवल कम करने में मदद कर सकता है, जो डायबिटीज के मरीजों के लिए फायदेमंद हो सकता है। हालांकि, अगर आप डायबिटीज की दवाओं के साथ अदरक खाते हैं, तो अत्यधिक मात्रा में हाइपोग्लाइसीमिया हो सकता है, जिसमें असामान्य रूप से ब्लड शुगर का स्तर कम होता है।

पाचन संबंधी समस्याएं

अदरक के बहुत ज्यादा इस्तेमाल से पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं, जिसमें सीने में जलन, गैस, सूजन और पेट खराब होने जैसे लक्षण हो सकते हैं। यह समस्याएं उन लोगों में ज्यादा देखने को मिलती है, जो विशेष रूप से पाचन समस्याओं से पीड़ित हैं या जिनका पेट संवेदनशील है।

ब्लड क्लोटिंग में परेशानी

अदरक में पाए जाने वाले एंटी-कोआगुलेंट केमिकल्स खून के थक्के जमने में रुकावट पैदा कर सकते हैं। अदरक के ज्यादा सेवन से ब्लीडिंग का खतरा बढ़ सकता है, खासकर उन लोगों में जो पहले से ही खून को पतला करने वाली दवाओं का इस्तेमाल कर रहे हैं।

दस्त

बहुत अधिक अदरक खाने से कभी-कभी रेचक प्रभाव हो सकता है, जो बार-बार मल त्याग और दस्त का कारण बनता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि अदरक में मल त्याग को आसान बनाने और पाचन तंत्र को उत्तेजित करने की शक्ति होती है।

सीने में जलन

अदरक को आमतौर पर सीने में जलन और अपच के इलाज के रूप में इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन कुछ लोगों में इसके अत्यधिक उपयोग से लक्षण बिगड़ सकते हैं। अदरक के मसालेदार गुण फूड पाइप में जलन पैदा कर सकते हैं, जिससे सीने में दर्द या जलन हो सकती है।

एलर्जी

कुछ लोगों को अदरक से एलर्जी हो सकती है। बहुत ज्यादा अदरक खाने से आप एलर्जिक रिएक्शन के प्रति ज्यादा संवेदनशील हो सकते हैं, जिससे सांस लेने में कठिनाई, सूजन, खुजली और त्वचा पर चकत्ते हो सकते हैं। अगर आपको अदरक से एलर्जी हो जाती है, तो तुरंत डॉक्टर की मदद लें।

लो ब्लड प्रेशर

कुछ अध्ययनों से पता चला है कि यह हाई ब्लड प्रेशर से पीड़ित लोगों के लिए अदरक फायदेमंद साबित हो सकता है। हालांकि, अगर इसे ज्यादा मात्रा में खाया जाए, तो अदरक हाइपोटेंशन या लो ब्लड प्रेशर का कारण बन सकता है, खासकर जब अन्य बीपी कम करने वाली दवाओं के साथ प्रयोग इसका इस्तेमाल किया जाता है।

भारत की आत्मा संविधान या भगवान राम

सन् 1947 में आज़ादी के साथ हमें संप्रभुता भी हासिल हुई और सत्ता हमारे प्रतिनिधियों के हाथों में आई। भारत की आत्मा का क्या? भारत की आत्मा क्या है? भारत की आत्मा उन मूल्यों में है जो हमारे स्वाधीनता संग्राम का आधार थे। भारत की आत्मा उन आंदोलनों में है जो आज़ादी के आन्दोलन के साथ-साथ और उसके समानांतर चले। ये श्रमिकों और किसानों के आन्दोलन थे, ये सामाजिक समानता के लिए आन्दोलन थे।

भगवान राम के मंदिर के उद्घाटन की धूम अब भी हम सबके कानों में गूंज रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उद्घाटन संपन्न किया और वे ही पूरे समारोह के केंद्र थे। ऐसा लग रहा था मानों वे राष्ट्र और धर्म दोनों की सत्ता का प्रतिनिधित्व कर रहे हों।सामंती युग में राष्ट्र-सत्ता और धर्म-सत्ता एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करती थी- किंग और पोप, नवाब और शाही इमाम और राजा और राजगुरु। महाराष्ट्र में इस संयुक्त उपक्रम का नाम तुकबंदी में है- शेटजी-भटजी (जमींदार और पुरोहित)। हमारे देश में धर्म के नाम पर राजनीति तो पहले से ही हो रही थी। धर्म और सत्ता का यह घालमेल सचमुच बहुत चिंताजनक है।जब भारत स्वाधीन हुआ और भारतीय संविधान लागू हुआ तब हमारे समाज में धर्म की गहरी पैठ थी। इसी के चलते सोमनाथ मंदिर को लेकर विवाद की स्थिति बनी थी। डॉ. राजेंद्र प्रसाद राष्ट्रपति की हैसियत से मंदिर का उद्घाटन करना चाह रहे थे। नेहरु ने उन्हें लिखा, %मुझे लगता है कि सोमनाथ मंदिर के भव्य उद्घाटन के साथ अपने आपको जोड़ने का आपका इरादा ठीक नहीं है। यह केवल एक मंदिर में जाने का प्रश्न नहीं है। निश्चित तौर पर मंदिर में तो आप या कोई भी अन्य व्यक्ति जा सकता है। यहां सवाल एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम में भागीदारी का है और दुर्भाग्यवश इसके बहुत-से निहितार्थ हैं।%

इसके सात दशक बाद, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खूब शानोशौकत से एक मंदिर का उद्घाटन किया और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने विशाल राष्ट्रपति भवन से इस भव्य समारोह को देखा। केन्द्रीय कैबिनेट ने न सिर्फ उद्घाटन का स्वागत किया वरन एक प्रस्ताव भी पारित किया। %...देश के शरीर ने 1947 में स्वाधीनता हासिल कर ली थी...उसमें प्राण-प्रतिष्ठा 22 जनवरी 2024 को हुई...% प्रस्ताव के अनुसार राममंदिर आन्दोलन ने देश में अभूतपूर्व एकता कायम की थी और 22 जनवरी को देश की आत्मा को आज़ादी हासिल हुई। (द इंडियन एक्सप्रेस, मुंबई, 25 जनवरी, 2024)।इस घटनाक्रम से धर्मनिरपेक्षता के मूल्यों में गंभीर गिरावट का संकेत मिलता है। अब तक तो राज्य कुछ हद तक धर्म से दूरी बनाये रखता था। मगर अब तो धर्मनिरपेक्षता का कोई नामलेवा ही नहीं बचा है। स्वाधीनता के समय नेहरु ने कहा भी था कि जहां हमारा संविधान धर्मनिरपेक्ष मूल्यों पर आधारित है वहीं हमारा समाज धार्मिकता के चंगुल में फंसा हुआ है।

नेहरु ने राष्ट्रपति को यह सलाह दी थी कि वे अपनी आधिकारिक हैसियत से सोमनाथ मंदिर का उद्घाटन न करें। और आज पूरी कैबिनेट मंदिर का उद्घाटन करने के लिए मोदी की जय जयकार कर रही है और बल्कि यह भी कहा जा रहा है कि मंदिर का उद्घाटन, भारत की आत्मा की आज़ादी के सदृश है! देश की गुलामी और आज़ादी भी बहस का मुद्दा बन गई है। एक फिल्म तारिका कंगना रानौत ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच कहा कि-भारत को स्वतंत्रता 2014 में मिली क्योंकि उस साल मोदी प्रधानमंत्री बने।प्रधानमंत्री और उनके विचारधारात्मक सहयोगी हमें बता रहे हैं कि भारत पिछले एक हज़ार सालों से गुलाम था। मतलब यह कि जिस समय भारत पर मुसलमान राजाओं का शासन था, उस समय देश गुलाम था। किसी देश या क्षेत्र की गुलामी की परिभाषा क्या है? मोटे तौर पर हम दो कसौटियां अपना सकते हैं-पहला, जब किसी क्षेत्र का शासन उसके बाहर से चलाया जा रहा हो। जिन मुस्लिम राजाओं ने भारत में शासन किया वे यहीं बस गए और उन्होंने स्थानीय ज़मींदारों-राजाओं की मदद से राज चलाया।दूसरी बड़ी कसौटी है कि क्या किसी इलाके की धन-संपत्ति वहां से बाहर ले जाई गई। मुस्लिम शासनकाल में ऐसा कुछ नहीं हुआ। यह तो ब्रिटिश राज में हुआ। शशि थरूर ने अपनी पुस्तक %डार्क इरा ऑफ़ एम्पायर% में बताया है कि किस तरह ब्रिटिश राज में भारत की संपत्ति इंग्लैंड ले जाई गई। इन दोनों आधारों पर तो ब्रिटिश शासन गुलामी का काल था। हां, कुछ मुस्लिम लुटेरे भी भारत आये थे मगर वे यहां शासन चलाने के लिए रुके नहीं।

सन् 1947 में आज़ादी के साथ हमें संप्रभुता भी हासिल हुई और सत्ता हमारे प्रतिनिधियों के हाथों में आई। भारत की आत्मा का क्या? भारत की आत्मा क्या है? भारत की आत्मा उन मूल्यों में है जो हमारे स्वाधीनता संग्राम का आधार थे। भारत की आत्मा उन आंदोलनों में है जो आज़ादी के आन्दोलन के साथ-साथ और उसके समानांतर चले। ये श्रमिकों और किसानों के आन्दोलन थे, ये सामाजिक समानता के लिए आन्दोलन थे। भारत की आत्मा, भारतीय सभ्यता से उभरी, जिसे नेहरु ने %एक ऐसी प्राचीन स्लेट बताया है जिस पर एक के ऊपर एक कई परतों में विचार और सपने लिखे गए मगर कोई परत, पिछली परत में जो लिखा गया था उसे न तो पूरी तरह ढंक पाई और ना ही मिटा पाई।आज़ादी के आन्दोलन को किसानों के आंदोलनों (जैसे बारडोली और चंपारण) से मदद मिली और श्रमिकों के आंदोलनों से भी, जिनमें नारायण मेघाजी लोखंडे एवं कॉमरेड सिंगारवेलु के नेतृत्व में चले आन्दोलन शामिल हैं। इसके अलावा, जातिगत और लैंगिक समानता के आंदोलनों की मदद भी मिली। सामाजिक समानता के पक्षधरों में जोतिराव फुले, सावित्री बाई फुले, भीमराव आंबेडकर और रामासामी पेरियार नाईकर शामिल थे। इन आंदोलनों ने समाज को सामंती मूल्यों से दूर किया और उसमें प्रजातान्त्रिक आशाएं जागृत कीं।

हमारे देश के अधिकांश लोगों के लिए भारत का संविधान ही भारत की आत्मा का मूर्त रूप है। जिन लोगों ने स्वाधीनता आन्दोलन में हिस्सा नहीं लिया वे पुरातन काल की जातिगत और लैंगिक ऊंच-नीच को कायम रखने के हामी थे। ये लोग उन सामाजिक वर्गों से थे जो जातिगत और लैंगिक समानता के खिलाफ थे और किसानों और मजदूरों को उनके हक़ देना नहीं चाहते थे। और इन्हीं ताकतों ने धर्म के नाम पर राजनीति की। इनमें शामिल थीं मुस्लिम लीग, हिन्दू महासभा और आरएसएस।एक ओर मुस्लिम लीग यह दावा कर रही थी कि अंग्रेजों के भारत में आने से पहले मुसलमान ही भारत के शासक थे वहीं हिन्दू महासभा-आरएसएस का मानना था कि भारत एक हिन्दू राष्ट्र है और इस्लाम और ईसाई धर्म विदेशी हैं। सुरेन्द्रनाथ बनर्जी ने अपनी पुस्तक %इंडिया% नेशन इन द मेकिंग% में नए उभरते भारत का बहुत अच्छा वर्णन किया है। यह भारत स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के मूल्यों के आसपास आकार ले रहा था।यह कहा जा रहा है कि भगवान राम देश को एक करने वाले व्यक्तित्व हैं। भगवान राम के कई रूप हैं। वे एक ओर एक पौराणिक व्यक्तित्व हैं। उनके इस रूप को महर्षि वाल्मीकि ने उद्घाटित किया और गोस्वामी तुलसीदास ने लोकप्रिय बनाया। कबीर के लिए राम, वैश्विक मानवतावाद के मूर्तरूप थे और गांधीजी उन्हें लोगों को एक करने वाली ताकत मानते थे। संघ-भाजपा की राम की व्याख्या अलग है। वे राम को एक सीमित दायरे में कैद करना चाहते हैं। राममंदिर के नाम पर चलाए गए आन्दोलन में पिछले कुछ दशकों में कितने लोगों ने अपनी जान गंवाई है, किस तरह समाज का ध्रुवीकरण हुआ है, अल्पसंख्यक अपने मोहल्लों में सिमटे हैं और दलितों, आदिवासियों और महिलाओं की हालत में गिरावट आई है यह विभिन्न सूचकांकों से साफ़ है और हमें हमारे आसपास दिख भी रहा है।आज भारत की उस आत्मा पर हमला हो रहा है जो स्वाधीनता आन्दोलन से उभरी है। मंदिर के नाम पर तमाशा खड़ा कर, सत्ताधारी जिस भारत की आत्मा की बात कर रहे हैं वह कहीं नहीं है।

संपादकीय

श्वेतपत्र बनाम ब्लैक पेपर

इसके पहले कि भारतीय जनता पार्टी की केन्द्र सरकार संसद में संयुक्त प्रगतिशील मोर्चा (यूपीए) सरकार के 2004 से 2014 तक चले डॉ. मनमोहन सिंह के दो कार्यकाल के कामकाज को लेकर श्वेत पत्र लेकर आती, कांग्रेस ने एक बड़ा दांव खेलते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 10 साल के कामों पर आधारित ब्लैक पेपर जारी कर दिया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 1 फरवरी को बजट पेश करते हुए इसका ज़िक्र किया था। उन्होंने कहा था कि यूपीए की सरकार के कारण देश को जो नुकसान हुआ था, उससे अब वह मोदी सरकार के कामों के बूते उबर चुका है। हालांकि इसका अंदाजा सभी को था कि अगले तीन माह के भीतर होने जा रहे लोकसभा चुनाव के मद्देनज़र भाजपा सरकार ऐसा करने जा रही है, परन्तु भाजपा को आभास नहीं रहा होगा कि कांग्रेस उससे अधिक फुर्ती से उसी के खिलाफ ब्लैक पेपर लेकर आ जायेगी।

बहरहाल, 8 फरवरी को ही वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2014 के पहले की भारतीय अर्थव्यवस्था से जुड़ा श्वेत पत्र पेश किया, जिसमें यूपीए सरकार के आर्थिक कुप्रबंधन के बारे में बताया गया। श्वेत पत्र में बताया गया है कि तत्कालीन सरकार आर्थिक क्रियाकलापों को सुचारू रूप से चलाने में विफल रही। उसकी जगह पर सरकार की ओर से लिए गए निर्णय देश को और पीछे की ओर ले गए। इसमें यूपीए सरकार पर एक बड़ा आरोप लगाया गया कि यूपीए काल के शासक न केवल अर्थव्यवस्था में गतिशीलता लाने में विफल रहे, बल्कि उन्होंने अर्थव्यवस्था को इस तरह लूटा कि हमारे उद्योगपतियों ने रिकॉर्ड पर कहा कि वे भारत के बजाय विदेश में निवेश करना पसंद करेंगे। इस श्वेत पत्र में यूपीए के दस साल बनाम एनडीए के दस साल की तुलना की गई है और कहा गया कि तब, हम नाजुक पांच अर्थव्यवस्थाओं में से एक थे; अब, हम शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में से एक हैं।

केंद्र सरकार ने आर्थिक फैसलों में पिछली सरकार से ज्यादा अंक लेने की कोशिश की, लेकिन कांग्रेस इससे पहले ही 10 साल, अन्याय काल शीर्षक से ब्लैक पेपर लाकर बढ़त बनाती दिखी। अपने 10 वर्षों में तमाम तरह के मोर्चों पर नाकाम रही मोदी सरकार के पास पुरानी कांग्रेस को कोसने और उसकी कमियां दिखाने के अलावा शायद कोई और चारा ही नहीं बचा है। देश ने पूरे एक दशक तक प्रधानमंत्री मोदी को संसद के दोनों सदनों में और चुनावी-गैर चुनावी दोनों ही मंचों से कांग्रेस, नेहरू परिवार तथा यूपीए के कामों की आलोचना करते हुए देखा-सुना है।

यह भी विसंगति है कि एक ओर तो उनकी सरकार डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यकाल को लेकर श्वेत पत्र ले आई, वहीं दूसरी ओर श्री मोदी उन्हीं मनमोहन सिंह के योगदान की गुरुवार को आत्मीयता से तारीफें कर रहे थे। यह अवसर था राज्यसभा के 56 सदस्यों की सेवानिवृत्ति होने का, जिनमें डॉ.मनमोहन सिंह भी शामिल थे। श्री मोदी का कहना था कि डॉ. मनमोहन सिंह ने अपने संसदीय कार्यकाल में प्रधानमंत्री से लेकर सदन में विपक्षी दल के नेता के रूप में अपने अमूल्य विचारों से चर्चाओं को समृद्ध किया है। उन्होंने इस बात का विशेष उल्लेख किया कि संख्या बल के आधार पर उनके दल की पराजय को जानते हुए भी वे (सिंह) व्हीलचेयर पर बैठकर वोट करने आये थे। श्री मोदी के अनुसार %वे किसी पार्टी को नहीं बल्कि लोकतंत्र को मजबूत करने आये थे।% यह अलग बात है कि जिस अवसर का श्री मोदी सन्दर्भ दे रहे थे, वह उनके खिलाफ पिछले एक सत्र में विपक्ष द्वारा लाया गया अविश्वास प्रस्ताव था। यह भी नहीं भूलना चाहिये कि मनमोहन सिंह की जिस बात के लिये नरेन्द्र मोदी प्रशंसा कर रहे हैं उसे लेकर सोशल मीडिया में भाजपा समर्थकों ने खिल्ली उड़ाई थी। वैसे यह भी कौन भूल सकता है कि इन्हीं डॉ. मनमोहन सिंह को लेकर स्वयं श्री मोदी ने अनेक अभद्र टिप्पणियां की थीं।

क्या मुश्किल में हैं ममता बनर्जी

ममता की मुद्रा के विपरीत, वामपंथियों ने यह कहकर भाजपा से लड़ने के लिए अपनी राजनीतिक परिपक्वता और उत्सुकता दिखाई- %हमने दरवाजे बंद नहीं किये हैं और न ही हम नेतृत्व करने जा रहे हैं। हम अतिरिक्त मील चलकर राहुल गांधी की यात्रा में शामिल हुए हैं। अब यह कांग्रेस को तय करना है कि वे हमारे साथ गठबंधन चाहते हैं या ममता के साथ।पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मुश्किल में फंसती नजर आ रही हैं। राजनीतिक चर्चा के अनुसार, उनकी तृणमूल कांग्रेस के लगभग 14 और मंत्री, विधायक और वरिष्ठ नेता नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले चुनाव पूर्व प्रतिशोध की प्रतीक्षा सूची में हैं, जिन्हें अगले दो महीनों में, लोकसभा चाव से काफी पहले, ईडी द्वारा गिरफ्तार किया जाना है।

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद खुद टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने आशंका जताई है कि लोकसभा चुनाव से पहले और भी विपक्षी नेताओं को जेल जाना पड़ सकता है और अगर उन्हें भी जेल भेजा गया तो वह किसी तरह बाहर आ जायेंगी। उन्होंने यहां तक कहा कि %डरा-धमकाकर सभी को सलाखों के पीछे डाल दिया जायेगा। ध्यान रखें कि चुनाव जीतने के लिए सभी को जेल भेजा जा रहा है।%वर्तमान में, पार्थ चटर्जी, ज्योति प्रिया मल्लिक, कुंतल घोष, माणिक भट्टाचार्य और कद्दावर नेता अणुब्रत मंडल सहित टीएमसी में कम से कम पांच वरिष्ठ नेता और मंत्री महीनों से जेल में बंद हैं। उन्हें स्कूल सेवा आयोग भर्ती घोटाला, राशन वितरण घोटाला और पशु तस्करी में कथित संलिप्तता के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था।

तृणमूल कांग्रेस संगठन में वास्तविक रूप से नंबर दो, ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी का नाम उन 14 नेताओं की सूची में सबसे ऊपर है, जिनकी गिरफ्तारी की संभावना है। इनमें से अधिकतर नेताओं के आवासों और दफ्तरों पर ईडी पहले ही छापेमारी कर चुकी है। वे मवेशी तस्करी, कोयला तस्करी आदि से जुड़े विभिन्न मामलों में फंसे हुए हैं। अफवाहों में सांसद और फिल्म स्टार नुसरत जहां का नाम भी शामिल है। मोदी और अमित शाह के इशारे पर ईडी लोकसभा चुनाव से ठीक पहले टीएमसी को पंगु बनाने, उसके शीर्ष नेताओं और चेहरों को चुनावी जीत के रास्ते पर से हटाने पर आमादा है। सूत्रों का कहना है कि इस बार ईडी भारी सशस्त्र दल के साथ घटनास्थल पर उतरेगी और यदि उनके कार्यों का विरोध करने का कोई प्रयास किया गया तो वह क्रूर बल का प्रयोग करने से नहीं चूकेगी।

बेशक, ममता बनर्जी ने राजनीतिक व्यवस्था के खिलाफ अपना गुस्सा व्यक्त किया है- %क्या हम सभी चोर हैं और वे सभी संत हैं? वे चोरों में सबसे बड़े हैं। आज वे सत्ता में हैं और इसीलिए एजेंसियों को लेकर घूम रहे हैं। कल वे सत्ता में नहीं रहेंगे और सब कुछ ख़त्म हो जायेगा।% हालांकि, आलोचक, शिक्षाविद और बुद्धिजीवी मौजूदा स्थिति के लिए बंगाल की सीएम को दोषी मानते हैं।वे कांग्रेस और विशेषकर राहुल गांधी पर उनके तंज को मोदी को खुश रखने की उनकी रणनीति के रूप में देखते हैं। लेकिन इसका कोई नतीजा निकलता नजर नहीं आ रहा है। अजीब बात है कि पिछले कुछ दिनों में ईडी ने अपनी छापेमारी तेज कर दी है। मोदी के पक्ष में होने की ममता की हताशा का पता उनके उस बयान से भी चलता है, जब वह मोदी से फंड जारी करने की मांग को लेकर 48 घंटे के धरने पर थीं। उन्होंने मोदी पर हमला करने के बजाय राहुल और कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने कांग्रेस पर मुस्लिम वोटों को लुभाने का आरोप लगाया।उन्होंने इंडिया ब्लॉक के तहत लोकसभा चुनाव नहीं लड़ने की अपनी प्रतिज्ञा दोहराई। उन्होंने कहा कि वह अकेली चुनाव मैदान में उतरेगी। उन्होंने राहुल पर उन्हें नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। संयोग से, उन्होंने कांग्रेस से अपने अलगाव को छुपाने का विकल्प नहीं चुना। इसके बजाय, वह सार्वजनिक रूप से इसका दावा करती हैं और अपने कार्यकर्ताओं और कैडरों को कांग्रेस की कथित राजनीतिक योजना के प्रति आगाह करती हैं।

अपने विरोध धरना मंच से उन्होंने खुले तौर पर राहुल पर आरोप लगाया- वे बंगाल में एक कार्यक्रम करने आये हैं, लेकिन इंडिया गठबंधन के सदस्य के रूप में मुझे सूचित भी नहीं किया। मुझे प्रशासनिक सूत्रों से पता चला। उन्होंने डेरेक (ओ ब्रायन) को यह अनुरोध करने के लिए बुलाया था कि रैली को गुजरने की अनुमति दी जाये। फिर बंगाल क्यों आये? दूसरी ओर, झारखंड में राहुल ने कहा, ममताजी भी कह रही हैं कि वह गठबंधन में हैं, हम भी कह रहे हैं कि हम गठबंधन में हैं। सीटों पर बातचीत चल रही है। इसका समाधान निकाला जायेगा। कांग्रेस और उन पर ममता के हमले के बावजूद उन्होंने बंगाल में प्रवेश करने पर उनकी आलोचना से बचना पसंद किया है।

इसमें कोई रहस्य नहीं है कि कांग्रेस पर निशाना साधकर वह मोदी को संदेश देना चाहती हैं। सामाजिक और राजनीतिक हलकों में यही धारणा बनी हुई है। उनके हमले ने अनादर दिखाया। इसके ठीक विपरीत, राहुल काफी सतर्क रहे हैं और कभी भी खुलकर ममता के बारे में बुरा नहीं बोलते हैं। यहां तक कि संचार प्रभारी जयराम रमेश ने भी ममता पर सधा हुआ जवाब दिया, वह कुछ परेशान हैं। यह गठबंधन लोकसभा चुनाव के लिए है, विधानसभा के लिए नहीं। यहां दुश्मन भाजपा है और हम सभी ने मिलकर लड़ने और इस सरकार को हराने की शपथ ली है।

ममता की मुद्रा के विपरीत, वामपंथियों ने यह कहकर भाजपा से लड़ने के लिए अपनी राजनीतिक परिपक्वता और उत्सुकता दिखाई- %हमने दरवाजे बंद नहीं किये हैं और न ही हम नेतृत्व करने जा रहे हैं। हम अतिरिक्त मील चलकर राहुल गांधी की यात्रा में शामिल हुए हैं। अब यह कांग्रेस को तय करना है कि वे हमारे साथ गठबंधन चाहते हैं या ममता के साथ। जब तक वे तृणमूल के साथ बातचीत जारी रखेंगे, हम दूर रहेंगे। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा जब मुर्शिदाबाद से गुजरी तो मोहम्मद सलीम सहित बंगाल सीपीएम के कई नेता उनके साथ थे।

ममता बनर्जी लगातार मोदी के नक्शेकदम पर चलते हुए कांग्रेस पर हमले कर रही हैं, विशेषकर कांग्रेस आलाकमान द्वारा प्रदेश अध्यक्ष अधीर चौधरी को मुंह बंद करने के लिए नहीं कहने के कारण। टीएमसी के साथ गठबंधन करने की कांग्रेस की उत्सुकता सोनिया गांधी द्वारा सीट बंटवारे को सुलझाने के लिए ममता से मिलने के फैसले से भी जाहिर होती है। हालांकि, ऐसा प्रतीत होता है कि बनर्जी इस मुद्दे पर समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव से भी अधिक अड़ियल हैं।

ममता इंडिया ब्लॉक की चुनावी क्षमता और इससे भाजपा और खासकर मोदी के लिए पैदा होने वाले खतरे से अनभिज्ञ नहीं हैं, लेकिन वह नखरे दिखा रही हैं। उनकी टिप्पणियों को अन्य राज्यों में भी व्यापक प्रचार मिल रहा है, जिससे इंडिया ब्लॉक की अखंडता को खतरा पैदा हो गया है।जहां लगभग सभी विपक्षी नेताओं ने संसद के अंदर नेहरू पर गलत टिप्पणी के लिए मोदी की आलोचना की है, वहीं ममता ने चुप्पी बनाये रखना पसंद किया है। इस ताजा घटना ने उनकी असली मंशा पर और सवालिया निशान लगा दिया है। लाल किले की प्राचीर से नेहरू के स्वतंत्रता दिवस के भाषण का हवाला देते हुए मोदी ने कहा, नेहरू ने कहा था कि हम यूरोपीय, जापानी, चीनी, रूसी या अमेरिकियों जितनी मेहनत नहीं करते हैं। यह मत सोचिए कि ये समुदाय जादू से समृद्ध हो गये। उन्होंने इसे कड़ी मेहनत और चतुराई से हासिल किया है। मोदी नेहरू को भारतीयों को नीचा दिखाने का प्रमाणपत्र दे रहे थे। इससे पता चलता है कि भारतीयों के बारे में नेहरू जी की सोच थी कि वे आलसी और कम बुद्धि वाले हैं। उन्हें उनकी क्षमता पर भरोसा नहीं था। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी अलग नहीं सोचती थीं।

कांग्रेस ने तीखा हमला करते हुए जवाब दिया, %मोदी जो सोचते हैं कि वह चतुर हैं लेकिन असल में वह जिस पद पर हैं, उसका अपमान करते हैं। मेगालोमेनिया और नेहरूफोबिया एक जहरीला मिश्रण है जो भारत में लोकतंत्र की हत्या का कारण बन रहा है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि सोमवार को लोकसभा में अपना भाषण देते समय मोदी अपने बेतुके बुरे स्तर पर थे, जिसे पार्टी ने %निम्न-श्रेणी% वाला बताया।

शक है सबसे बड़ा दुश्मन

जहां से विश्वास टूटता है, वहीं से शक की शुरुआत होती है। यह सही है कि सभी पर आंखें मूंद कर विश्वास नहीं किया जा सकता, लेकिन जब कोई अपने करीबी लोगों या छोटी-छोटी बातों पर शक करने लगे तो यह स्थिति उसके लिए ठीक नहीं है। इसलिए जहां तक संभव हो शक को आदत में तब्दील न होने दें।

क्यों होता है ऐसा

किसी भी इंसान के व्यक्तित्व को संवारने या बिगाडने में उसके बचपन के परिवेश का बहुत बडा योगदान होता है। अगर किसी का बचपन असुरक्षित माहौल में बीता हो, माता-पिता शक्की स्वभाव के हों, रंग-रूप, आर्थिक स्थिति या किसी अन्य कारण से हीन भावना हो तो उस व्यक्ति के मन में शक की भावना स्थायी रूप से घर कर जाती है। अगर इसे सही समय पर दूर नहीं किया गया तो इससे आगे चल कर पैरानॉयड स्क्रिजोफेनिया या डिल्यूजन डिसॉर्डर जैसी गंभीर मनोवैज्ञानिक समस्याएं भी हो सकती हैं। ऐसे लोगों के साथ सबसे बडी दिक्कत यह होती है कि किसी के भी साथ इनके संबंध अच्छे नहीं होते। खासतौर पर इनका दांपत्य जीवन बेहद तनावपूर्ण होता है। इस वजह से ऐसे लोग अपने जीवन में बहुत अकेले पड जाते हैं।

प्रमुख लक्षण

- करीबी लोगों पर अविश्वास
- हमेशा अकेले और उदास रहना
- हमेशा यह सोचकर डरना कि कोई मेरे साथ ठगी या धोखाधडी कर लेगा
- अपने अधीन या साथ काम करने वालों को हमेशा शक की नजरों से देखना

कैसे करें बचाव

- सबसे पहले अपनी समस्या को पहचान कर उसे दूर करने की कोशिश करें।
- समस्या की जडों को खुद ही ढूंढने की कोशिश करें कि कहीं आपको कोई ऐसा अनुभव तो नहीं हुआ, जिससे आपके विश्वास को ठेस पहुंची हो।
- सकारात्मक दृष्टिकोण वाले लोगों से दोस्ती बढाएं और उनकी अच्छी बातों से अपने भीतर बदलाव लाने की कोशिश करें।
- कभी कुछ ऐसे काम करें, जिससे आपको अपनी यह आदत सुधारने में मदद मिले। मसलन, किसी दोस्त को उधार देना, किसी परिचित को जरूरी काम सौंपना आदि। फिर थोडा इंतजार करें। जब लोग आपका विश्वास जीतने में कामयाब होंगे तो इससे आपका मनोबल बढेगा और धीरे-धीरे आपकी यह आदत भी दूर हो जाएगी।
- यह न भूलें कि विश्वास करने वाला नहीं, बल्कि धोखा देने वाला गलत होता है। अगर कभी किसी ने आपको धोखा दिया हो तो अपने मन में ग्लानि की भावना न आने दें।
- अगर कभी आपके मन में किसी के लिए शक की भावना पैदा तो उससे बातें करके उसी वक्त अपनी गलतफहमी दूर कर लें।
- किसी एक बुरे अनुभव के आधार पर अन्य लोगों के बारे में गलत पूर्वधारणा न रखें। दूसरों को भी मौका दें कि वे आपके सामने खुद को सही साबित कर सकें।
- अगर इन प्रयासों के बावजूद छह महीने के भीतर आपकी मन- स्थिति में कोई बदलाव न आए तो किसी मनोवैज्ञानिक सलाहकार की मदद लेने में संकोच न करें।

धैर्य से दूर हुआ शक

एक बार मेरे मन में अपनी घरेलू सहायक के लिए शक पैदा हो गया था। हुआ यूं कि मेरे सोने की इयररिंग खो गई थी और उसके बाद दो दिनों तक वह लडकी मेरे घर पर काम के लिए नहीं आई तो मुझे ऐसा लगा कि शायद उसी ने लिया होगा। दो दिनों के बाद जब उसने खुद ही मेरा इयररिंग ढूंढ कर दिया तो मुझे बहुत शर्मिंदगी महसूस हुई। शक की वजह से हमारे अपने हम से दूर हो जाते हैं। इसलिए बिना सच्चाई जाने केवल शक के आधार पर हमें किसी को दोषी नहीं ठहराना चाहिए।

लंबी-लंबी बात स्किन न कर दे खराब

अनचाहे मुंहासों से आपके चेहरे की खूबसूरती छिन जाती है। यही नहीं, ये जाते-जाते आपके चेहरे पर हमेशा के लिए निशान भी छोड़ जाते हैं। नेहा भी पिछले काफी समय से मुंहासों से परेशान थी। औरों की तरह वो भी सजना-संवरना चाहती थी, मगर मुंहासों की वजह से शोभा ऐसा नहीं कर पाती थी। घरेलू दवा से जब कोई फायदा नहीं मिला, तो नेहा ने स्किन के डॉक्टर से संपर्क किया। तब नेहा को पता चला कि उसके मुंहासों की वजह हारमोनल डिस्बैलेंस या खानपान नहीं है, बल्कि सेलफोन है। बेशक यह चौंकाने वाली बात है। पर शोधों की मानें, तो सेलफोन के लगातार इस्तेमाल से त्वचा संबंधी समस्याएं बढ़ रही हैं। कैसे करता है स्किन को डैमेज: मोबाइल से कृत्रिम इलैक्ट्रो-मैग्नेटिक तरंगें (एईडब्ल्यू) निकलती हैं, जिससे त्वचा के टिश्यू गर्म हो जाते हैं। फिनलैंड के एक अध्ययन के अनुसार इससे त्वचा के प्रोटीन की संरचना खराब हो जाती हैं। इसके चलते त्वचा पर झुर्रियां नजर आने लगती है। जिससे असमय अधिक उम्र भी दिखने का अंदेशा भी जताया जा रहा है।

क्या है मोबाइल फोन डर्मेटाइटिस: सेलफोन के टचस्क्रीन और की-पैड में ढेर सारे बैक्टीरिया होते हैं, जो पहले आपकी अंगुलियों पर, फिर चेहरे पर आ जाते हैं। ये धूलकण त्वचा के रोम छिद्रों को जाम कर देते हैं, जिसकी वजह से त्वचा संबंधी समस्याएं पैदा होती हैं। हालांकि यह समस्या लंबे समय तक मोबाइल फोन पर लगे रहने के कारण ही उत्पन्न होती है। सेलफोन से होने वाली इस समस्या को 'मोबाइल फोन डर्मेटाइटिस' कहते हैं, जो मोबाइल फोन के हैंडसेट में मौजूद निकेल की प्रतिकूल प्रतिक्रिया का परिणाम है।

स्ट्राइप्स में लगें स्टाइलिश

टी-शर्ट में नॉटिकल स्ट्राइप्स बहुत ही आम है। इसे आप जींस, स्कर्ट, ट्राउजर, ब्लेजर आदि किसी के साथ भी कैरी कर सकती हैं। यदि आप नॉटिकल स्ट्राइप्स पहन रही हैं, तो इसमें सिर्फ व्हाइट या ब्लैक कलर का ही चयन न करें। कुछ नए रंग ट्राई कीजिए, यह आपके लुक को एक नई ताजगी देंगे। वैसे आप चाहें तो मैचिंग शेड की पैंट के साथ भी इसे कैरी कर सकती हैं। अगर आप थोड़ा यूनिक स्टाइल ट्राई करना चाहती हैं, तो स्पोर्ट स्ट्राइप्स या डाइगल्स भी एक अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है।

फॉर्मल हो या इनफॉर्मल

लड़के जहां स्ट्राइप्स को सिर्फ बतौर फॉर्मल डेस ही इस्तेमाल करते हैं, वहीं महिलाओं के लिए स्ट्राइप्स में भी ढेरों ऑप्शन हैं। अगर आप ऑफिस में स्ट्राइप्स शर्ट पहनकर जा रही हैं तो ऐसी ड्रेस खरीदिए जिसमें पतली धारियां हों। यदि आपके ऑफिस में कलर कोड नहीं है, तो डार्क शेड भी ऑफिस के लिए अच्छे रहेंगे। वहीं ऑफिस के अतिरिक्त आप वाइब्रेंट कलर्स में बोल्ड स्ट्राइप्स पहन सकती हैं।

हो जाए मस्ती

ऐसा जरूरी नहीं है कि आप स्ट्राइप्स को सिर्फ बतौर टॉप ही पहनें। इसके साथ आप ढेर सारी मस्ती भी कर सकती हैं। बस, जरूरत है थोड़ी क्रिएटिविटी दिखाने की और सबकी निगाहें सिर्फ आप पर ही टिक जाएंगी। स्ट्राइप्स जितने खूबसूरत शर्ट पर दिखती हैं, उतनी ही एलीगेंट पैंट और जैकेट पर भी लगती हैं। वहीं आप वन पीस ड्रेस में भी स्ट्राइप्स एड कर सकती हैं। अगर आप किसी आउटिंग या पार्टी में स्ट्राइप्स पहनकर जा रही हैं, तो इसके साथ एक्सेसरीज कैरी करना न भूलें। यह आपकी ड्रेस में चार-चांद लगाने के लिए काफी है।

फिजिकल अपीयरेंस

स्ट्राइप्स कैरी करते समय अपनी फिजिकल अपीयरेंस का भी ध्यान रखना बेहद जरूरी है।

अगर आप अभी तक स्ट्राइप्स को सिर्फ पुरुषों की फॉर्मल टी-शर्ट में ही देखते थे तो अब समय आ गया है, आपके स्टाइल नॉलेज को थोड़ा वाइड करने का। चाहे पोल्का डॉट हो या निऑन, हर किसी का दौर आता है और चला जाता है, लेकिन स्ट्राइप्स एक ऐसा स्टाइल है जो कभी भी आउट ऑफ फैशन नहीं होता। बस, इसे पहनने का तरीका सही होना चाहिए। यदि आप भी स्ट्राइप्स को बोरिंग समझती हैं तो हम आपको बता रहे हैं स्टाइप्स पहनने के कुछ स्टाइलिश तरीके। जो यकीनन स्ट्राइप्स के प्रति आपका नजरिया व राय बदल देंगे नॉटिकल स्ट्राइप्स

बॉबकट दे स्मार्ट लुक

बॉब का मतलब है कंधे से छोटे बाल, जिनकी लंबाई लगभग कानों के बराबर हो। बॉब कट हेयर स्टाइल से व्यक्तित्व में एक आधुनिकता झलकती है। साथ ही यह आपको एक स्मार्ट लुक प्रदान करता है। इसके कारण ही कई लोग इस हेयर स्टाइल को अपनाना पसंद करते हैं। और यही कारण है कि इसका फैशन कभी पुराना नहीं होता, हाँ समय के साथ इसमें प्रयोग जरूर होते रहते हैं। आप वेस्टर्न वेयर के साथ ट्रेडिशनल वेयर पर भी बॉब कट को अच्छी स्टाइल के साथ जमाकर अपने व्यक्तित्व को एक नया लुक दे सकती हैं।

बॉब कट असल में 50 व 60 के दशक के ब्लंट कट का परिष्कृत रूप है। हाल ही में ईवा लोंगोरिया पार्कर, विक्टोरिया बेकहम, बिपाशा बसु, प्रियंका चोपड़ा और कैरोल ग्रेशियस जैसी सेलिब्रिटीज़ द्वारा यही हेयर स्टाइल अपनाया गया। जिसने उन्हें एक नया लुक दिया। यही नहीं कई सेलिब्रिटी पुरुषों की पत्नियाँ भी इसे अपना रही हैं। इनमें कैटी होम्स, ट्विंकल खन्नाा आदि नाम प्रमुख हैं। इस हेयरकट की खासियत है इसका लोकप्रिय तथा सहूलियत भरा होना। ये हेयरकट प्राकृतिक रूप से बालों का स्टाइल है, जिसमें फैशन के अनुरूप थोड़ा बहुत परिवर्तन आ जाता है।

बॉब कट के स्टाइल

क्लासिक बॉब

इसमें बाल कानों के थोड़ा ऊपर तक कटे होते हैं। बालों की लंबाई चेहरे की तरफ और पीछे गर्दन तक होती है। अंडाकार चेहरे पर यह हेयर स्टाइल काफी जँचता है।

मॉड बॉब

इसे पॉश बॉब भी कहा जाता है। इसमें कटिंग की स्टाइल ऐसी होती है कि बाल काफी घने दिखते हैं। इस हेयरकट में आगे की तरफ बाल छोटे-बड़े कॉम्बिनेशन में होते हैं तथा पीछे की तरफ परतों में होते हैं। यह परतें बालों को बाउंस देती हैं। यह विक्टोरिया बेकहम के द्वारा अपनाए जाने के कारण काफी लोकप्रिय हुआ था। गोल और आयताकार चेहरे वाली महिलाओं पर यह कट अच्छा लगता है।

मॉब टॉप

बॉबकट में यह पुरुषों द्वारा अपनाया जाने वाला स्टाइल है। इसमें बालों की लंबाई कानों से ऊपर होती है। आगे की ओर बालों का एक बड़ा हिस्सा छोटा कटा होता है।

ग्रेजुएटेड बॉब कट

इस हेयरकट में बाल गर्दन तक होते हैं जो छोटे कटे होते हैं व नीचे जाते-जाते लंबे हो जाते हैं। इसे आप मशरूम कट से मिलता-जुलता कह सकते हैं। अंडाकार चेहरे के लिए यह भी एक अच्छा स्टाइल है।

जिन लोगों में यह गलतफहमी है कि छोटे होने के कारण बॉबकट हेयर स्टाइल में बालों को मेंटेन करना आसान होता है, उन्हें इस बात का खयाल रखना चाहिए कि इसे भी नियमित देखभाल की आवश्यकता पड़ती है। इसमें असावधानी बरतने पर बाल खराब दिखने लगते हैं। पतले तथा कमजोर बालों वाली महिलाओं के लिए यह अनुकूल है तथा सीधे और सपाट बाल वाली महिलाओं के लिए भी यह एक अच्छा हेयर स्टाइल है। यदि आपके बाल घुँघराले हैं और आप बॉबकट अपना रही हैं तो बालों पर टेक्सचर के अनुरूप ही उत्पाद का चयन करें। चूँकि इस हेयरकट के बाद जरा से भी बढ़े हुए बाल शेप बदल देते हैं अतः जरूरी है कि इसके बाद हर डेढ़-दो महीने में ट्रिमिंग करवाती रहें। बालों को कंडीशन करने का भी ध्यान रखें।

बॉब कट को नया लुक देने के लिए गीले बालों पर जैल लगाएँ, बालों को पीछे ले जाएँ और फिर ब्रश से आगे लाएँ। इससे बाल स्ट्रेट होंगे। बॉब हेयरकट को मेंटेन करने के लिए बालों की एक-एक परत को टॉवेल ड्राय करके उसे स्टाइल दें।

खुलकर कहें जो बात दिल में है

सास-बहू खुलकर बात करें तो कई गलतफहमियाँ दूर हो सकती हैं। स्वस्थ संवाद और व्यवहार में पारदर्शिता इस रिश्के को मधुर बनाते हैं। दुराव-छुपाव से मतभेद पैदा होता है।

अकसर आपसी रिश्तों में हम अपने विचार व्यक्त करने में सकुचाते हैं। खासकर सास-बहू के नाजुक संबंधों में इसका अनुभव अधिक होता है। अगर बहू को सास से कुछ शिकायतें हों तो वह अपनी सास से कहने के बजाय दूसरों से उसकी बुराइयाँ करती फिरती है और अचानक ही पड़ोसी, नाते-रिश्तेदार उसके निकट के हो जाते हैं।

यही हाल सास का भी रहता है। जहाँ सासों की चौपाल जमी नहीं, वहीं शुरू हो जाता है बहुओं की बुराइयों का नित्य आख्यान। फिर तो सुनते रह जाइए। ऐसे चटखारे लेकर किस्से सुनाए जाते हैं कि सुनने वालों के मुँह से 'च-च-च' के अलावा कुछ न निकले।

बहुओं की किटी पार्टियों का नजारा भी कुछ इन्द्रधनुषी रहता है। फैशन, गहनों के अलावा सास का विषय वरीयता क्रम में ऊपर का स्थान पाता है। एक से एक दुखड़े रोए जाते हैं कि तय करना मुश्किल हो जाता है कि सास-शोषिता कौन अधिक है?

यह किसी एक पक्ष की बात नहीं। जरूरी नहीं कि यह सब पर लागू हो, लेकिन अधिकांशतः ऐसा ही होता है। कुछ सासें ऐसी भी होती हैं, जो बहू को दहेज के लिए जला डालने वाली हों या उसे आत्महत्या के लिए मजबूर करने वाली हों। वहीं कुछ बहुएँ भी ऐसी होती हैं, जो सासों को नारकीय जीवन जीने के लिए बाध्य करती हैं। वैसे कुछ असाधारण उदाहरण छोड़ दिए जाएँ तो सास-बहू के आपसी मनमुटाव बातचीत द्वारा दूर हो सकते हैं।

सास या बहू को अपनी बात एक-दूसरे से कहने के लिए किसी माध्यम की आवश्यकता क्यों होनी चाहिए? अगर सास को बहू से कोई शिकायत है, तो किसी और को कहने के बजाय सीधे बहू से संवाद स्थापित कर अपनी बात रखे। जाहिर है, बहू को भी अपना पक्ष रखने का अवसर मिलेगा। इसी बातचीत द्वारा समस्या का मध्य मार्ग निकलेगा। एक-दूसरे की भावनाओं और इच्छाओं का आदर करते हुए दिल को न दुखाने वाले शब्दों में अपनी बात कह सकते हैं। दूसरों के माध्यम से अपनी बुराइयाँ सुनकर मन आहत हो जाता है। आज की पीढ़ी की सास और बहू दोनों ही शिक्षित और समझदार हैं। समाज में हो रहे परिवर्तनों से खासी परिचित हैं। धन की कोई कमी नहीं, लेकिन सीमित परिवार होने के कारण 'अपने' कहलाने वाले लोग कम रह गए हैं। हम सभी को एक-दूसरे की आवश्यकता है। फिर घर के झगड़े देहरी लाँघ जाएँ तो परिवार टूटते देर नहीं लगती।

जब सब साथ रहते हैं तो विचारों में टकराव स्वाभाविक ही है। माँ-बेटी के मतभेदों को हम सहजता से स्वीकार कर लेते हैं, किंतु जहाँ सास-बहू में वैचारिक मतभेद हों, वहाँ वे एक-दूसरे को खलनायिका निरूपित करने से भी नहीं कतरातीं।

बेवजह छोटी-छोटी बातों को तूल देती हैं। जरूरी है कि सभी को अपने गिले-शिकवे-शिकायतें संवाद स्थापित कर आपस में शांति से बैठकर सुलझा लेने चाहिए। एक-दूसरे की छोटी-छोटी गलतियों को नजरअंदाज करने की आदत भी बना लें। अपनी सहनशीलता बढ़ाएँ यही सफल सहजीवन का मूलमंत्र है।

ड्राईफ्रूट अंजीर

सामग्री : 1 रेसिपी प्लेन बेस, आधा कप फ्रेश क्रीम, 100 ग्राम अंजीर, 8 टेबलस्पून गर्म दूध।

विधि : बेसिक आइस्क्रीम को छोटे टुकड़ों में काटकर फ्रेश क्रीम मिलाकर हैंड बीटर से हल्का और झाग आने तक फेंटें। गर्म दूध में अंजीर को 15-20 मिनट तक भिगोकर रखें और मिक्सी में दरदरा पीस लें। इसे आइस्क्रीम में मिलाकर अच्छी तरह ब्लेंड करें और प्लास्टिक कंटेनर में डालकर जमने के लिए रख दें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-1-3-6

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-3-4-5

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-6-6

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। शुभांक-7-8-9

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-7-8-9

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-7-8-9

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-4-7-9

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। कार्य भार बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। समय का सदुपयोग करें। साधन और भोग-विलास के प्रचुर अवसर होंग। शुभांक-4-7-8

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। परामर्श व परिस्थिति का सहयोग मिलेगा। शुभांक-6-8-9

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। शुभांक-4-7-8

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-4-6-9

काकुरो पहेली - 1984

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 1983 का हल

हंसी के फूव्वारें

भिखारी: बाबूजी, एक पैसा दे दो.

बाबूजी: पैसे में क्या मिलेगा तुम ज्यादा क्यों नहीं मांगते?

भिखारी: बाबूजी, मैं आदमी की हैसियत देखकर मांगता हूँ.

□ □ □

डॉक्टर साहब, मेरे पति के आगे के दो दांत बहुत निकले हैं. वह ठीक हो सकते हैं?

'क्या आपके पति बचपन में हाथियों के साथ खेलते थे?'

□ □ □

प्रेमी-'प्रिय, मेरा साक्षात्कार का बुलावा आया है. जाऊं या नहीं, तुम्हारी क्या राय है?'

प्रेमिका-'मेरी तो यह राय है कि जाना है तो जाओ, नहीं जाना हो तो मत जाओ.'

□ □ □

पहला दोस्त-'मेरी प्रेमिका की मांग इतनी ज्यादा थी कि मैंने उससे संबंध तोड़ लिया.'

दूसरा दोस्त-'क्या मांग थी उसकी?'

पहला दोस्त-'शादी की.'

□ □ □

औरत-(दूधवाले से) भइया कल तुम्हारा दूध बहुत खट्टा था.

दूधवाला-क्या करूं बहनजी कल मेरी भैंस ने चार-पांच नींबू खा लिये थे.

फिल्म वर्ग पहेली- 1984

बायें से दायें:-

१. 'ये जीवन है इस जीवन का यही है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
४. राकेश रोशन, शत्रुघ्न सिन्हा, रीनाराय, रंजीता की फिल्म-४
६. फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम के साथ नायिका कौन थी-२
७. 'ऐसा कोई जिंदगी में' गीत वाली फिल्म-२
८. राजकिरण, जावेद खान की फिल्म-३
१०. 'है ना बोलो' गीत वाली फिल्म-३
१२. सुनीलदत्त, निम्मी की फिल्म-३
१४. 'देख सकता हूँ मैं कुछ' गीत वाली फिल्म-४
१७. अष्मित पटेल, मीरा की फिल्म-३
१९. 'आई जो तेरी याद' गीत वाली फिल्म-२
२०. फिल्म 'तक्षक' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी-२
२१. शाहरूख, प्रियंका की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीतवाली फिल्म-२
२२. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, जैकी, शत्रुघ्न, रवीना, लारा की फिल्म-२
२३. धर्मेन्द्र, जीतेंद्र, हेमा की फिल्म-३
२५. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म-२
२६. फिरोज, संजय, मुमताज की 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'झोंपडी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-३
२९. राजकपूर (डबल रोल), नर्गिस की 'आ जाने बहार' गीतवाली फिल्म-२
३०. 'फूल मांगूं ना बहार मांगूं' गीत वाली फिल्म-२
३१. कमल हासन, सनी, डिम्पल की फिल्म-३
३२. फिल्म 'तपस्या' की नायिका?-२
३३. अभिनेत्री 'मनीषा कोइराला' किस देश की रहने वाली है-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'नदिया किनारे आओ' गीत वाली संजय दत्त, आफताभ, नंदिता दास की फिल्म-२
२. अमिताभ, अमजद, नीतूसिंह की 'सारा जमाना हसीनों का' गीत वाली फिल्म-३
३. 'दो दिवाने शहर में' गीत वाली अमोल पालेकर, जरीना वहाब की फिल्म-३
४. नसीरूद्दीनशाह, जैकी श्रॉफ, नगमा की 'मैं प्यासी नदिया' गीत वाली फिल्म-२
५. 'लिखे जो खत तुझे वो तेरी' गीत वाली शशिकपूर, आशा पारेख की फिल्म-४
७. मनोजकुमार, आशा पारेख की 'लो आ गई उन की याद' गीत वाली फिल्म-१,३
९. 'दो नैनों में आँसू भरे हैं' गीत वाली जीतेंद्र, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
११. जॉय मुखर्जी, माला, शर्मिलाकी 'वो हसीन दर्द देदो' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'इस सो पहले कि याद तू आए' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-४
१५. 'परिचय' में जीतेंद्र की नायिका?-२
१६. करण दीवान, स्वर्णलता की 'जब तुम ही चले परदेस' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'तन मन धन सब है' गीत वाली संजीवकुमार, लीना की फिल्म-४
२२. गुरूदत्त, शकीला, श्यामा की 'बाबू जी धीरे चलना' गीत वाली फिल्म-२,२
२३. रेखा, दिलीपकुमार, ममता की फिल्म-२
२४. शाहरूख, विवेक मुशरान, जूही की 'अपुन की लाइफ' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'तेरे प्यार का' गीत वाली आफताब शिवदासनी, युक्ता मुखी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1983

सूडोकु -1984

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1983 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

शब्द पहेली - 1984

बाएँ से दाएँ

1.द्वेष,झगड़ा,रार-3
4.बुरकापोश-5
8.गागर,घड़ा-3
9.प्याऊ (उर्दू-3)
10.पैंदा,तला-2
12.बरस,वर्ष-2
13.सतत,लगातार-5
16.मजार,समाधि-4
17.उदारता,बड़पन्न-4
18.वायदा,कसम-2
19.महीना,माह-2
20.हमसफर-4
23.आदेश,आज्ञा-4
25.कहानी लेखक-5
28.गधा,गर्दभ-2
29.श्रवणेंद्रिय-2
31.बारिश,वर्षा-3
33.देवर्षि-3
35.दया करना-3,2
36.चिंतन

ऊपर से नीचे

1.कुपुत्र-3
2.अधिकार-2
3.सलाह,राय-4
4.अफसोस,खेद-4
5.शीतकालीन फसल-2
6.दलहन-2
7.ठंडा,सर्द-3
11.जिज्ञासा,उत्साह-3
12.बारिश का मौसम-3
13.धारावाही,अविराम, सीरियल-5
14.रीत,परंपरा-2
15.जीवनसाथी, हमराही-5
21.मोर-3
22.जल,नीर-2
24.पीहर-3
26.गजशाला, हाथी घर-4
27.करतब, करामात-4
28.उपभोग,खर्च-3
30.नेत्र,चक्षु,आंख-3
31.सवारी गाड़ी-2
32.रहन,गिरवी वस्तु-2
34.ताकत,जोर,बल-2

शब्द पहेली - 1983 का हल

नहीं छिनेगी पट्टे की भूमि पीड़ित ही करते रहेंगे खेती, चिह्नित कर कब्जा दिलाया जाएगा

लखनऊ.(एजेंसी)
लखनऊ के पट्टे में मरघट की जमीन मिलने के मामले में जिला प्रशासन हरकत में आ गया है। डीएम सूर्य पाल गंगवार ने इसका संज्ञान लिया। निर्देश पर एसडीएम मोहनलालगंज ने फौरी तौर पर जांच की है। जिस जगह पीड़ितों को पट्टा दिया गया था, उसे चिह्नित कर कब्जा दिलाया जाएगा। एसडीएम बृजेश कुमार ने बताया कि दस्तावेजों की जांच पड़ताल में सामने आया है कि पीड़ितों को पट्टा स्वीकृत है। जहां वे काबिज हैं वह मरघट की जमीन है। वहीं पर पीड़ित खेती कर रहे थे। अब उन्होंने राजस्व टीम गठित कर दी है। 12 फरवरी को यह टीम उस स्थान पर जाएगी जहां पर 2010 में पट्टा किया गया था।इसके बाद दोनों फरियादियों को उस स्थान पर कब्जा दिलाया जाएगा। 13 साल पहले मीजल्स का टीका लगाने से बच्चों की मौत के मामले में मरहम लगाने के लिए तहसील प्रशासन ने मरघट की जमीन को पट्टे की बताकर कब्जा दे दिया था।

जेवर में बन रहे नोएडा एयरपोर्ट को दिल्ली-हावड़ा और मुंबई रेलमार्ग से जोड़ने का काम तेज

उत्तर प्रदेश सरकार के नागरिक उड्डयन मंत्री नंद गोपाल नंदी ने शुक्रवार को मुरादाबाद में कहा कि जेवर में बन रहे इंटरनेशनल हवाई अड्डा से सितंबर में कॉमर्शियल फ्लाइट शुरू हो जाएंगी।

ग्रेटर नोएडा. (एजेंसी)
जेवर में बन रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से अन्य शहरों की मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी को लेकर शुक्रवार को एयरपोर्ट साइट पर मंथन किया गया। उत्तर मध्य रेलवे ने बताया कि जेवर को दिल्ली-हावड़ा और दिल्ली-मुंबई कॉरिडोर से जोड़ने की प्रारंभिक रिपोर्ट तैयार हो गई है। इसकी डीपीआर पर काम चल रहा है।

एयरपोर्ट की मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी को लेकर शुक्रवार को एयरपोर्ट साइट पर बैठक हुई। प्रदेश के सिविल एविएशन के निदेशक कुमार हर्ष और नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के नोडल अधिकारी शैलेंद्र भाटिया की अगुवाई में हुई बैठक में सभी एजेंसियों ने रिपोर्ट प्रस्तुत की। नोएडा एयरपोर्ट को रेलमार्ग से जोड़ा जाना है ताकि एयर कार्गो को फायदा मिल सके।बैठक में उत्तर मध्य रेलवे के अधिकारिओं ने चोला (दिल्ली-हावड़ा रेलमार्ग) से जेवर एयरपोर्ट और जेवर एयरपोर्ट से रुंधी रेलवे स्टेशन (दिल्ली-मुंबई कॉरिडोर) को जोड़ने के संबंध रिपोर्ट प्रस्तुत की। अधिकारियों ने बताया कि इसकी डीपीआर बन रही है।

एलाइनमेंट का काम लगभग पूरा हो गया है। जेवर में रेलवे स्टेशन भी बन सकता है।

नमो भारत ट्रेन पर चर्चा
गाजियाबाद से नोएडा एयरपोर्ट तक नमो भारत ट्रेन के रूट को लेकर एनसीआरटीसी के अधिकारियों ने अपनी प्रगति बताई। इसके लिए एनसीआरटीसी डीपीआर बना रहा है। बैठक में एनएचएआई के अधिकारिओं ने एयरपोर्ट के लिए बनाए जा रहे इंटरचेंज को लेकर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। यह इंटरचेंज यमुना एक्सप्रेसवे के 32वें किलोमीटर के पास बनाया जा रहा है। इसके अलावा दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस से जोड़ने के लिए बनाए जा रहे ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे के निर्माण की प्रगति से अवगत कराया।

एयरपोर्ट से कई शहरों के लिए बसें चलेंगी
उत्तर प्रदेश राज्य परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक ने बसों से विभिन्न स्थानों को जेवर एयरपोर्ट से जोड़ने के लिए अपनी योजना से अवगत कराया। सिविल एविएशन के निदेशक ने रनवे, ट्र्मिनल के निर्माण आदि कार्य का निरीक्षण किया। विकासकर्ता कंपनी के अधिकारियों ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से पूरे मास्टर प्लान और कनेक्टिविटी को बताया। बैठक में यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड की चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर किरन जैन, सीडीओ निकोलस, सीईओ क्रिस्टोफ शैलमन, एनएचएआई के वीके जोशी और उत्तर मध्य रेलवे के अजय कुमार आदि उपस्थित रहे।

राशन कार्डधारकों को घटतौली से निजात, राशन पूरा नहीं तो मशीन रिजेक्ट कर देगी अंगूठा

आगरा. (एजेंसी)
जल्द ही राशनकार्ड धारकों को घटतौली से निताज मिलने वाली है। सरकार कोटेदारों के राशन तोलने वाले कांटे को ई-पॉश मशीन से लिंक करने जा रही है। दोनों के लिंक होने के बाद जबतक कांटे से पूरा राशन नहीं तुलेगा, राशनकार्ड धारक का अंगूठा एप्रूव नहीं होगा। जनपद की 1200 से अधिक राशन की दुकानों पर ई-पॉश मशीन व तोल मशीनों को लिंक करने का काम पूरा हो जाएगा।राशन कोटेदारों

की सबसे बड़ी शिकायत कम राशन देने की पूर्ति विभाग को मिलती हैं। यह शिकायत दशकों से चल रही है। कोरोना काल में मुफ्त राशन मिलना शुरू हुआ तो कोटेदारों ने घटतौली बढ़ा दी। घटतौली की शिकायतें बढ़ीं तो सरकार ने पहले ई-पॉश मशीन लांच की। इससे यह फायदा हुआ कि फर्जी राशनकार्ड खत्म हो गए। मशीन में अंगूठा लगकर ही राशन मिलता है। परंतु घटतौली की शिकायतें इससे भी कम नहीं हुईं तो अब सरकार ने राशन कोटेदार के राशन तोलने के तराजू को ई-पॉश मशीन को लिंक करने का काम शुरू कर दिया है। जिला पूर्ति अधिकारी संजीव कुमार सिंह ने बताया कि जनपद में सभी कोटेदारों की तोल मशीन को लिंक करने का काम होगा। इससे घटतौली नहीं हो सकेगी।

कोरोना लॉकडाउन में दर्ज महामारी एक्ट के सभी मुकदमे वापस, कोर्ट कचहरी का चक्कर लगाने से मिली राहत

कोरोना काल में लॉकडाउन के दौरान दर्ज हुए महामारी एक्ट सभी मुकदमे वापस हो गए हैं। इनमें पुलिस के अलावा प्रशासनिक कर्मी भी वादी थे। सरकार ने जनवरी 2021 में ही मुकदमे वापस लेने का फैसला किया था।

गोरखपुर.(एजेंसी)
कोरोना काल में लॉकडाउन के दौरान दर्ज हुए महामारी एक्ट सभी मुकदमे वापस हो गए हैं। इन मुकदमों में पुलिस के अलावा प्रशासनिक कर्मी भी वादी थे। सरकार ने जनवरी 2021 में ही मुकदमे वापस लेने का फैसला किया था। अन्य जिलों में एक ही साथ सारे केस वापस ले लिए गए थे। जबकि गोरखपुर में एक-एक फाइल वापस लेने में समय ज्यादा लग गया। फिलहाल केस वापस होने से अब न सिर्फ चरित्र सत्यापन में मुकदमों का दाग धुल जाएगा बल्कि कोर्ट कचहरी के चक्कर से भी मुक्ति मिलेगी।गोरखपुर में महामारी एक्ट यानी 188 के तहत 14452 केस दर्ज किए गए थे। वहीं गोरखपुर जोन में यह आंकड़ा एक लाख तीन हजार से भी ज्यादा का था। इनमें सर्वाधिक मुकदमा व्यापारियों के खिलाफ दर्ज किया गया था। कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए लॉकडाउन की घोषणा की गई थी और बिना अनुमति के दुकान खोलने की मनाही थी। यही नहीं कुछ दुकानों को तय रोस्टर के हिसाब से खोला जा रहा था। पर कई ऐसे दुकानदार थे जो बिना किसी रोस्टर के ही अपनी दुकान खोल दे रहे थे यही नहीं दुकान खोलने के दौरान सोशल डिस्टेंसिंग का पालन तथा मास्क लगाने का भी निर्देश था। किसी को अपनी दुकानों पर भीड़ नहीं जमा करनी थी।इन सब मामलों में जिन लोगों ने उल्लंघन किया उनके खिलाफ पुलिस ने महामारी एक्ट में केस किया था। महामारी एक्ट में केस दर्ज होने से जिले में मुकदमे की संख्या एका-एक बढ़ गई थी। महामारी एक्ट के विवेचना को 72 घंटे में निस्तारित करने का अभियान चलाया गया था जिसके बाद इन मुकदमों का पर्चा कार्ट कर विवेचना निस्तारित की गई। ज्यादातर में चार्जशीट लगा दी गई थी। मानिटरिंग सेल के इंस्पेक्टर सुदेश कुमार शर्मा ने बताया कि उनके यहां से सभी केस निस्तारित कर दिया गया है।

पासपोर्ट सत्यापन में फंस रहा था पेंच
महामारी एक्ट के यह मुकदमे जब दर्ज किए गए तब तो किसी को कुछ नहीं पता चला क्योंकि पुलिस ने नाम-पता नोट किया और केस दर्ज कर चार्जशीट लगाकर कोर्ट में भेज दिया। पर जब पासपोर्ट, नौकरी सहित अन्य मामलों में चरित्र सत्यापन की बात आई तब काफी लोगों को पता चला कि उनके खिलाफ तो मुकदमे का दाग है।

यूपी के इस जिले में रोड किनारे बाउंड्रीवालों पर चला बुलडोजर, मच गई खलबली

यूपी के प्रयागराज जिले में रोड किनारे बाउंड्रीवालों पर बुलडोजर चला। बुलडोजर चलने से लोगों में खलबली मच गई। लोग खुद ही अपनी दीवार तोड़ने लगे।

प्रयागराज . (एजेंसी)प्रयागराज में सड़क चौड़ीकरण के लिए सीवाई चिंतामणि रोड किनारे पांच बाउंड्रीवाल तोड़ी गई। प्रयागराज विकास प्राधिकरण का बुलडोजर सुबह पहुंचा और पहले से चिह्नित दीवारों को तोड़ना शुरू कर दिया। सड़क चौड़ीकरण के दायरे में भवनों की बाहरी दीवार टूटने से मार्ग किनारे बाकी घरों में भी खलबली मच गई। बुलडोजर का खौफ ऐसा कि भवनस्वामियों ने खुद ही सड़क चौड़ीकरण की जद में दीवारों को तोड़ना शुरू कर दिया। महाकुम्भ के मद्देनजर सीवाई चिंतामणि रोड को 24 मीटर चौड़ा करने की योजना है। मार्ग के कई हिस्से में चौड़ीकरण का काम शुरू हो गया है।

पीडीए ने सड़क चौड़ीकरण की जद में भवनों पर लाल निशान लगाने के बाद भवनस्वामियों को नोटिस दी थी।महीनों पहले दी गई नोटिस के बाद भी भवनस्वामियों ने बाउंड्रीवाल नहीं तोड़ी। मार्ग चौड़ीकरण निरस्त करने के लिए भवनस्वामियों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या से गुहार लगाई। पीडीए के अधिकारियों से मिले, लेकिन सड़क चौड़ीकरण की योजना नहीं बदली। भवनस्वामियों ने दीवार नहीं तोड़ी तो पीडीए बुलडोजर चलाने का निर्णय लिया। पीडीए के विशेष कार्याधिकारी संजीव कुमार उपाध्याय ने बताया कि अब लोग खुद अपनी दीवारें तोड़ने लगे हैं

।पीडीए ने कालिंदीपुरम टेलीफोन एक्सचेंज के पास भी निर्माणाधीन भवनों को सील किया। सभी भवन अवैध तरीके से बनाए जा रहे थे। पीडीए ने सभी को भवन निर्माण रोकने का निर्देश दिया था। निर्माण जारी रहने पर पीडीए का दस्ता पहुंचा और उस्मानी व अन्य, एच लाल, जितेंद्र जायसवाल, मोहित केसरवानी व अन्य तथा अंकित ओझा का निर्माणाधीन भवन सील कर दिया।

अब एक साथ ले सकेंगे दो डिग्री, यूपी की इस यूनिवर्सिटी में अध्याधेश जारी

गोरखपुर.(एजेंसी)
डीडीयू के विद्यार्थी अब एक साथ दो-दो डिग्री हासिल कर सकेंगे। इसके लिए अध्यादेश जारी कर दिया गया है। पाठ्यक्रम के विकल्प की गाइडलाइन भी जारी कर दी गई है। इससे पारंपरिक के साथ ही रोजगारपरक कोर्स का भी चयन कर सकेंगे। इसे वर्तमान सत्र से ही लागू कर दिया गया है।डीडीयू द्वारा जारी दिशानिर्देश के मुताबिक एक छात्र भौतिक मोड में (संस्थागत) दो पूर्णकालिक शैक्षणिक कोर्स का चयन कर सकता है। बशर्ते दोनों पाठ्यक्रम के कक्षा संचालन की समय सारिणी अलग-अलग हो। वहीं एक छात्र दो पाठ्यक्रम भी चुन सकता है। एक संस्थागत और दूसरा ऑनलाइन मोड में। छात्र दोनों ही कोर्स प्राइवेट भी कर सकता है। गाइडलाइंस के अनुसार ऑनलाइन मोड के तहत डिग्री या डिप्लोमा प्रोग्राम केवल ऐसे उच्च शिक्षण संस्थानों के साथ किए जाएंगे, जो

यूजीसी, वैधानिक परिषद या भारत सरकार द्वारा ऐसे प्रोग्राम चलाने के लिए मान्यता प्राप्त हैं।

तत्काल प्रभाव से लागू हुई अधिसूचना
कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी के मुताबिक इस अधिसूचना के जारी होने की तिथि यानी आठ फरवरी से लागू कर दी गई है। दो शैक्षणिक कार्यक्रम का चुनाव कर लेने वाले छात्रों द्वारा किसी भी पूर्वव्यापी लाभ का दावा नहीं किया जा सकेगा। उन व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में एक साथ दो शैक्षणिक कार्यक्रमों की अनुमति नहीं दी जाएगी। जैसे विधि, इंजीनियरिंग आदि फैकल्टी। यहां क्रमश बार काउंसलि और एआईसीटीई के नियम प्रभावी होंगे।

यूजी-पीजी दोनों छात्रों के लिए मौका
स्नातक और परास्नातक दोनों तरह के विद्यार्थियों को अतिरिक्त कोर्स का मौका मिल सकेगा। यूजी के छात्र डिप्लोमा या पीजी डिप्लोमा कोर्स कर सकेंगे। पीजी के छात्र डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा के साथ ही दूसरे विषय से भी पीजी कर सकेंगे।

ट्रेन को धक्का दे बचाई मुसाफिर की जान; मुंबई वालों की जिंदादिली और हैरतंगेज कारनामे का वीडियो वायरल

41 सेकंड की क्लिप में यात्रियों को ट्रेन के मोटरमैन केबिन के आसपास इकट्ठा होते देखा जा सकता है, जबकि अन्य लोगों को ट्रेन को दूसरी तरफ धकेलते हुए फंसे व्यक्ति को बचाते देखा जा

मुंबई.(एजेंसी)
अपनी-अपनी रफ्तार में तेजी से भाग रहे मुंबईवालों ने फिर अपनी जिंदादिली दिखाई है। इस बार यात्रियों ने एक ट्रेन को धक्का देकर साथी मुसाफिर की जान बचाई है। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। खबर के मुताबिक, मुंबई के वाशी स्टेशन पर बुधवार को तब अफरा तफरी मच गई थी, जब एक यात्री लोकल ट्रेन के नीचे आकर पहियों के बीच फंस गया।ट्रेन के नीचे फंसे एक साथी यात्री को बचाने के लिए लोग तुरंत एकजुट हो गए और पहले तो ट्रेन के आगे बढ़ने से रुकवाया फिर सब लोगों ने कोच को धक्का देकर ट्रेन के नीचे फंसी यात्री को बाहर निकाल लिया। दिल जीत लेने वाली यह घटना तब वायरल हो गई, जब एक व्यक्ति ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ऋद्गस्त्रस्त्रद्बह्ल पर इसका वीडियो पोस्ट किया।1 सेकंड की क्लिप में यात्रियों को ट्रेन के मोटरमैन केबिन के आसपास इकट्ठा होते देखा जा सकता है, जबकि अन्य लोगों को भरी ट्रेन कोच को दूसरी तरफ धकेलते हुए नीचे फंसे व्यक्ति को बचाते हुए देखा जा सकता है।Reddit पर वीडियो पोस्ट करने वाले यूजर ने दावा किया है कि वह खुद इस घटना का चश्मदीद रहा है। उसने खुलासा किया कि एक यात्री पनवेल जाने वाली लोकल ट्रेन के नीचे गिरकर फंस गया था। यूजर ने Reddit पर कहा, जब मैंने इसे रिकॉर्ड किया, तो लोग बेतरतीब ढंग से ट्रेन को धक्का दे रहे थे। बाद में, सभी ने सहयोग किया और एकसाथ एक ही समय पर धक्का दिया और यह काम कर गया।विभिन्न मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि रेलवे अधिकारियों ने इस घटना की पुष्टि की है और कहा है कि ऐसा पटरियों को पार करने की वजह से हुआ है। बता दें कि यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना तब घटी, जब पीड़ित व्यक्ति पटरी पार कर रहा था। तभी पनवेल की ओर जा रही एक ट्रेन ट्रैक पर आ गई। ट्रेन के ड्राइवर ने देखते हुए अचानक आपातकालीन ब्रेक लगा दिया लेकिन वह व्यक्ति ट्रेन के नीचे आ गया। तब वहां मौजूद यात्रियों ने तुरंत कार्रवाई की और एकजुट होकर 12 कारों वाली विशाल ट्रेन को धक्का देकर एक तरफ कर दिया और पीड़ित को बचा लिया। उसे मामली चोट आई है।

सरेंडर के बाद फिर बाहर आया बिलकिस बानो का दोषी, जानिए क्या है मामला; पांच दिन की मिली है पैरोल

दाहोद.(एजेंसी)
सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर बिलकिस बानो मामले में दोषियों के जेल अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण करने के कुछ दिनों बाद उनमें से एक को उसके ससुर के निधन के कारण गुजरात हाई कोर्ट ने पांच दिन की पैरोल दी है। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। दाहोद जिले के निवासी दोषी प्रदीप मोढिया को पैरोल पर गोधरा जिला जेल से रिहा कर दिया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने 2002 के गोधरा दंगों के बाद गुजरात की महिला बिलकिस बानो के साथ सामूहिक बलात्कार और उसके सात रिश्तेदारों की हत्या के मामले में सभी 11 दोषियों की सजा में छूट को पिछले महीने रद्द कर दिया था। दाहोद जिले की पुलिस उपाधीक्षक विशाखा जैन ने कहाकि गुजरात उच्च न्यायालय ने एक दोषी प्रदीप मोढिया को उसके ससुर की मृत्यु के कारण पांच दिन की पैरोल दी है। यह अदालत और जेल के बीच का मामला है, क्योंकि वे न्यायिक हिरासत में हैं। उन्होंने कहाकि उसे पुलिस के सामने हाजिरी देने की जरूरत नहीं है। दोषी गोधरा जिला जेल में बंद हैं।

जेल के सूत्रों ने कहा कि उन्होंने हाई कोर्ट के आदेश पर मोढिया को पैरोल पर रिहा कर दिया है।

दोषी ने अपने ससुर की मृत्यु का हवाला दे हाई कोर्ट में एक महीने की पैरोल के लिये याचिका दायर की थी, हालांकि न्यायाधीश एमआर मेंगडे ने पांच दिन की

पैरोल की अनुमति दी। गुजरात सरकार ने कारावास के दौरान 'अच्छे आचरण' का हवाला देते हुए सजा में छूट के आवेदनों को स्वीकार करने के बाद बिलकिस बानो मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे 11 दोषियों को अगस्त 2022 में समय से पहले जेल से रिहा कर दिया था। सरकार ने उसकी 1992 की नीति के अनुसार यह छूट दी थी।

सर्दियों में सांस के रोगी रहें सचेत

सर्दियों में तापमान में कमी और वातावरण में प्रदूषित तत्वों की बढ़ी हुई मात्रा सेहत के लिए मुसीबत का कारण बन सकती है। सर्दियों का मौसम खासतौर पर सांस के मरीजों के स्वास्थ्य के लिए चुनौती बन जाता है। इस मौसम में सांस संबंधी दिक्कतें जैसे दमा, फ्लू और सर्दी-जुकाम के मरीजों की संख्या काफी बढ़ जाती है।

प्रदूषित कोहरे का दुष्प्रभाव

सर्दियों में होने वाला कोहरा (जो वायुमंडल की जलवाष्प के संघनित होने से बनता है) कमोबेश हानिरहित होता है, लेकिन धुएं और सस्पेन्डिड पार्टिकल्स (छोटे-छोटे प्रदूषित कणों) के इर्द-गिर्द जमने से बना स्मोग (प्रदूषित कोहरा) मानव शरीर और खासतौर पर श्वसन तंत्र के लिए किसी विपत्ति से कम नहीं होता। इस वजह से लोगों की आंखों में जलन, आंसू, नाक में खुजली, गले में खराश और खांसी जैसे लक्षण सामान्य तौर पर देखने को मिलते हैं। सर्दी बढ़ने के साथ ही सांस की नली की संवेदनशीलता तुलनात्मक रूप से बढ़ जाती है, जिससे सांस की नली सिकुड़ती है। इस कारण सांस के रोगियों में समस्या की आशंका बढ़ जाती है।

वृद्ध रहें सजग

वृद्धों में सांस संबंधी समस्याएं कुछ ज्यादा ही बढ़ जाती हैं। दरअसल बुजुर्गों में रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने के कारण उन्हें सांस संबंधी बीमारियों का ज्यादा खतरा रहता है।

दमा या अस्थमा- वातावरण में किसी भी प्रकार के बदलाव से शरीर में परिवर्तन होता है, जिससे, एलर्जी और अस्थमा के रोगी मुख्य रूप से प्रभावित होते हैं। जाड़े में इन मरीजों की परेशानियां बढ़ जाती है। इसलिए उन्हें विशेष तौर पर अपना ख्याल रखने की सलाह दी जाती है।

फ्लू या इंफ्लूएंजा- यह समय फ्लू या इंफ्लूएंजा के वाइरस के सक्रिय होने का है। इस कारण फ्लू के मामलों में काफी वृद्धि हो जाती है। बच्चों, वृद्धों, गर्भवती महिलाएं और एच.आई.वी. से पीड़ित रोगियों में यह संक्रमण गंभीर रूप ले सकता है।

क्या करें

- सांस के रोगी खासकर दमा के मरीज न सिर्फ सर्दी से बचाव करें बल्कि नियमित रूप से डॉक्टर के संपर्क में रहें। डॉक्टर की सलाह से अपने इनहेलर की डोज भी दुरुस्त कर लें। कई बार इनहेलर्स की मात्रा बढ़ानी होती है।
- सर्दी से बचकर रहें। पूरा शरीर ढकने वाले कपड़े पहनें। सिर, गले और कान को खासतौर पर ढकें।
- सर्दी के कारण साबुन-पानी से हाथ धोने की अच्छी आदत न छोड़ें।
- गुनगुने पानी से नहाएं।
- सर्दी के मौसम में मालिश लाभप्रद है।
- सर्दी, जुकाम, खांसी, फ्लू और सांस की अन्य बीमारियों से ग्रस्त रोगियों को सुबह- शाम भाप(स्टीम) लेनी चाहिए।
- फ्लू के रोगी खांसते या छींकते समय मुंह पर हाथ रखें या रूमाल का प्रयोग करें।
- फ्लू के रोगियों द्वारा इस्तेमाल की गई वस्तुओं जैसे रूमाल व चादरों आदि को सुरक्षित विधि से साफ करें।
- अगर आप में फ्लू के लक्षण हैं, तो तुरंत डॉक्टर की सलाह लें और घर मे ही रहें।
- फ्लू पीड़ित से कम से कम 1 मीटर दूर रहें।
- हाथ मिलाने या गले मिलने से बचें, भारतीय पद्धति के अनुसार नमस्कार करें।

क्या न करें

- सर्दी में सांस के मरीजों को सुबह की सैर नहीं करनी चाहिए। ▸ सुबह ठंडे पानी से न नहाएं। सांस के रोगियों को अलाव के धुएं से बचना चाहिए, अन्यथा इससे उन्हें सांस का दौरा पड़ सकता है।

घर पर करें गोभी और मिर्च से रोगों का उपचार

जार्जटाऊन यूनिवर्सिटी मैडीकल सैंटर के शोधकर्ताओं के अनुसार फूलगोभी, पत्तागोभी तथा जलकुंभी परिवार की सब्जियों में एक प्रकार का पदार्थ पाया जाता है जो मानव एवं जानवर दोनों में फेफड़े का कैंसर रोकने में सहायक होता है।

शोधकर्ताओं के अनुसार 'प्रेफेक्स' नामक एक ऐसा पदार्थ गोभी में पाया जाता है जो फेफड़े को कैंसरग्रस्त होने से रोकता है। यह पदार्थ सैक्स उत्तेजक भी होता है। इसी प्रकार मिर्च खाने से शरीर की चर्बी कट जाती है और वजन कम हो जाता है।

मिर्च की तासीर के कारण चर्बी बढ़ाने वाली कोशिकाएं खुद ब खुद नष्ट होने लगती है। ताईवान के शोधकर्ता चिन-लिन-शू के अनुसार मिर्च शरीर के चयापचय की प्रक्रिया को तेज करती है और यह मोटापे को कम करने के साथ ही कालरा तथा ब्रांकाइटिस जैसी बीमारियों का उपचार भी करती है।

गोभी और मिर्च से बहुत से रोगों का उपचार घर पर ही किया जा सकता है। आईए जानें कैसे

गोभी

1 गोभी में मौजूद फाइबर पाचन क्रिया को दरूस्त रखते हैं और पेट संबंधी रोगों से राहत देते हैं।
2 गोभी का सेवन करने से कैंसर जैसी भयानक बीमारी का खतरा कम होता है।
3 गोभी का सेवन मोटापे से निजात दिलाता है।
4 गोभी में कैल्शियम की भरपूर मात्रा पाई जाती है जो शरीर की हड्डियों के लिए काफी फायदेमंद होती है और दांतों को भी मजबूत बनाने में मददगार साबित होती है।

मिर्च

1 जब आप हरी मिर्च अपने दांत से चबाते हैं तो इसका तीखा अनुभव आपके मुंह में अधिक थूक पैदा करता है जो रक्त के थक्कों को घोलने में काफी सहायक होता है।
2 हरी मिर्चों में विटामिन सी की मौजूदगी शरीर को खांसी, जुकाम तथा श्वास संबंधी अन्य समस्याओं से बचाने में सहायता करती है।
3 हरी मिर्च में मौजूद विटामिन के ओस्टियोपोरोसिस के खतरे को कम करता है।
4 हरी मिर्च एक प्राकृतिक दर्द निवारक है और यह ओस्टियोआर्थराइटिस जैसी स्थितियों में इलाज में काफी लाभदायक होती है।
5 मोटापे से पीड़ित लोगों में कोलैस्ट्रॉल के स्तरों को कम करने में हरी मिर्चें काफी सहायक होती हैं।

मानव पर रंगों का प्रभाव

सफेद रंग हल्केपन एवं शीतलता का आभास देता है।

पीला रंग उत्फुल्लता, हल्केपन खुलेपन और गर्माहट का आभास देता है, नब्ज की रफ्तार तेज करता है परंतु आक्रामक प्रतिक्रिया भी पैदा कर सकता है।

बैंगनी रंग थकान और भारीपन का भ्रम उत्पन्न कर थकान, बोरियत या बोझ की अनुभूति करता है।

गहरा नीला रंग मस्तिष्क को विश्रांति देता है किन्तु दुख का बोध भी कराता है। गहरे नीले रंग से पूरा कमरा ठंडा एवं भरा-भरा प्रतीत होता है।

हरा रंग शांति एवं शीतलता का अहसास कराता है। आंखों से दबाव घटाकर नेत्र ज्योति तेज करता है। खून का दबाव भी सामान्य करता है। हल्का नीला रंग शीतलता व अलगाव द्वारा चैन देता है। काला रंग ओजस्विता कम करता है, अवसादकारक एवं उत्पीड़क बोझ देने वाला है। काले रंग पुते तल काफी बड़े प्रतीत होते हैं। भूरा रंग स्थायित्व, गर्म और मानसिक संतुलन बोधकारक होता है। सलेटी रंग को ठंडा, नीरसता व विरक्तिबोधक माना जाता है। श्वेत एवं नीले रंग के सम्मिश्रण को शीतलता और चैन का द्योतक कहा गया है। जामुनी रंग गर्म एवं उत्साहवर्धक माना गया है। लाल रंग गर्मजोशी, मनोबल बढ़ाता है, मगर देर तक हावी रहना थकान एवं धड़कन बढ़ाता है

ठंड में त्वचा रोगों से बचाव के घरेलु नुस्खे

1 सर्दी के मौसम में स्वस्थ त्वचा के लिए जरूरी है नियमित स्नान। भले ही आप प्रतिदिन न नहाएं परंतु हर दूसरे दिन नहाने का नियम बनाएं। जिस दिन नहीं नहाएं, उस दिन स्पंज करें तथा अंदर के कपड़े अवश्य बदलें। नहाने के लिए ठंडा-गर्म जैसा पानी चाहें, इस्तेमाल कर सकते हैं।
2 जाड़े में साबुन का प्रयोग ज्यादा न करें। नहाने से पहले पूरे बदन में तेल लगाएं। नहाने के बाद तेल या माश्चराइजर का उपयोग करें। पानी से करने वाले काम एक ही बार में निपटा लें। बार-बार पानी में हाथ न डालें। यदि पानी का काम करना जरूरी हो तो पहले हाथों में मलाई लगाएं। दस्ताने पहन कर काम करने से त्वचा सुरक्षित रहती है।
3 सर्दियों में धूप का नियमित सेवन करके चिलब्लेंस व डर्माटाइटिस जैसे रोगों से बचा जा सकता है। धूप में उतना ही बैठें जितनी देर आराम महसूस करें। अगर त्वचा लाल पडने लगे या सूजने लगे, तो धूप से हट जाएं। जिन्हें धूप से एलर्जी है उनके लिए सर्दी की धूप भी नुक्सानदायक है। ऐसे लोग धूप में कम निकलें। जब भी धूप में निकलें तो सिर पर स्कार्फ बांध लें या छतरी भी लगा सकते हैं।
4 हाथ-पैर की उंगलियों के सुन्न होने, खून का दौरा कम होने या त्वचा के फटने से बचने का सबसे अच्छा उपाय है संतुलित आहार। भोजन में दूध, दही और हरी सब्जियां खूब लें। विटामिन ए ज्यादा से ज्यादा लें। त्वचा के लिए गाजर का सेवन बहुत फायदेमंद है।
5 यूरिया आयंटमैंट त्वचा के फटने, सूजन और लाल होने वाली त्वचा के उपचार के लिए बहुत उपयोगी है। यह यूरिया से बनती है। इसको मलने से त्वचा काफी देर तक मुलायम बनी रहती है। इसके नियमित इस्तेमाल से त्वचा में होने वाले रोगों से बचा जा सकता है तथा त्वचा स्वस्थ रहती है।

कहीं आप भी खून की कमी का शिकार तो नहीं हो रहे

आज के भागदौड़ भरे जीवन में फास्ट फूड का प्रचलन बड़ रहा है। जिससे भोजन में पौष्टिक आहार की कमी के कारण आज प्रत्येक वर्ग के लोग खून की कमी से जूझ रहे हैं। जिसमें अधिकतर संख्या युवाओं की है जिसके कारण उन्हें कमजोरी आदि की शिकायतें होने लगी हैं। खून की पाई जाने वाली इस कमी को एनीमिया कहते हैं। एनीमिया का प्रमुख कारण सही प्रकार की डाइट न लेना है। पुरुषों में खून की मात्रा 14 से 18 ग्राम प्रति डैसीलीटर होनी चाहिए। वहीं महिलाओं में यह 12 से 16 ग्राम प्रति डैसीलीटर है। इससे कम मात्रा में पाए जाने वाले खून को एनीमिया कहते हैं। वैसे 10 ग्राम से अधिक खून वाले भी स्वस्थ रहते हैं, परंतु इससे कम खून वाले को अधिक से अधिक डाइट लेनी चाहिए।

एनीमिया की 3 स्टेज होती हैं, जिनमें प्रथम स्टेज को माइलड कहते हैं, जो 10 से 12 ग्राम होती है। वहीं 6 से 10 ग्राम को मोडरेट व 6 ग्राम से कम की स्थिति खतरनाक होती है। जिसे सीवियर एनीमिया कहते हैं।

एनीमिया अत्यधिक गंभीर रोग तब होता है जब हैपिटाइटिस बी, सी तथा एच.आई.वी. जैसे संक्रमण होते हैं। डाक्टरों का सुझाव है कि अधिक मात्रा में भी आयरन का सेवन नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि इससे हृदय संबंधी समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

कैसे करें खून की कमी पूरी

1 एनीमिया से निजात पाने के लिए बैलेंस डाइट जरूरी है। प्रोटीन, आयरन, फोलिक एसिड, विटामिन, मांस, मछली में ही नहीं दूध, हरी सब्जियां, मटर, फलियों तथा पत्तेदार सब्जियों, शीरा, गुड़, किशमिश, खजूर, सेब इन सबमें अलग-अलग रूप में मिल जाते हैं। इन तत्वों में खून बनने में सहायता मिलती है।

2 खाना खाने से पहले व बाद में आधे घंटे तक चाय का सेवन भी नहीं करना चाहिए। चाय खाने में मिलने वाले पौष्टिक तत्वों को डाइजेस्ट नहीं होने देती।

3 आयरन युक्त डाइट तभी फायदेमंद होती है, जब उसके साथ विटामिन सी का भी सेवन किया जाए। विटामिन सी के लिए अमरूद, आंवला और संतरे का जूस लें। वैसे तो बैलेंस्ड डाइट और हैल्दी लाइफ स्टाइल ही काफी है लेकिन फिर भी किसी कारण से एनीमिया हो जाता है तो प्रापर ट्रीटमैंट लेना आवश्यक है। डाक्टर की सलाह से ब्लड टैस्ट कराएं ताकि बीमारी का कारण पता चल सके। उसके बाद ही डाक्टर आपका सही ट्रीटमैंट कर सकेंगे।

रूखी त्वचा को कोमल बनाता है नारियल तेल

ठंड के कारण कई समस्याएं होती हैं. इस मौसम में त्वचा के रोग और सर्दी-जुकाम होना आम बात है. इन समस्याओं से निबटने के लिए प्रस्तुत हैं कुछ आसान घरेलू उपाय, जिनसे इन समस्याओं से निबटा जा सकता है.

- रूखी त्वचा से बचने के लिए नैचुरल मॉस्च्यूराइजर, जैसे- नारियल तेल लगाएं.
- शहद के साथ गुलाब जल मिला कर चेहरे पर लगाएं. इससे त्वचा में चमक आयेगी और चेहरा साफ होगा.
- स्नान से पहले नारियल तेल लगा लें, इससे चिकनाई और कोमलता आयेगी.
- नीबू का रस लगाएं. इसमें मौजूद विटामिन-सी चेहरे की चमक बनाये रखती है.
- सर्दी के मौसम में विटामिन की कमी के कारण होठ फटने लगते हैं, इसलिए टमाटर, गाजर, साबूत अनाज और फल-सब्जियों का सेवन करें.
- नारंगी के छिलके के पाउडर में शहद मिला कर लगाने से त्वचा निखरती है.
- जितना हो सके, आहार में विटामिन-इ युक्त खाद्य पदार्थो, जैसे- पालक, बादाम, कद्दू आदि का सेवन करना बेहतर होता है.

सेहत का खजाना है पालक

हरी सब्जियों में पालक का नाम सबसे ऊपर है. यह शरीर के लिए काफी फायदेमंद है. इसमें शरीर के लिए आवश्यक अमीनो एसिड, विटामिन ए, फोलिक एसिड, प्रोटीन और लौह तत्व भरपूर मात्र में होते हैं. इसके सेवन कई रोगों से भी छुटकारा मिलता है.

यह हरी पत्तेदार सब्जी गुणों से भरपूर है. पोषक तत्वों की प्राप्ति के लिए इसका नियमित सेवन बेहतर माना जाता है. पालक में विटामिन ए और सी प्रचुर मात्र में होते हैं. इसके अलावा विटामिन बी कॉम्पलैक्स, फोलिक एसिड, मैग्नीशियम की भी प्रचुरता होती है. शोध के अनुसार एक कप पालक से दिन भर की मैग्नीशियम की जरूरत का 40 प्रतिशत प्राप्त हो जाता है. मधुमेह पीड़ित लोगों के लिए भी पालक अच्छा विकल्प है. दही के साथ कच्चे पालक का रायता बहुत ही स्वादिष्ट और गुणकारी होता है.

इन रोगों से बचाता है -

ऑस्टियोपोरोसिस - खनिज तत्वों की प्रचुरता के कारण यह हड्डियों को मजबूत बनाता है और ऑस्टियोपोरोसिस को दूर रखता है.

आंखों की रोशनी - पालक मैकुलर डिजेनरेशन का जोखिम भी कम करता है. मैकुलर डिजेनरेशन 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में अंधेपन का मुख्य कारण है. इसके अलावा, विटामिन ए की कमी से रतौंधी और आंखों की रोशनी में कमी जैसे लक्षण उत्पन्न होते हैं.

शरीर की क्षतिपूर्ति में सहायक - प्रचुर मात्र में मौजूद फोलेट डीएनए और कोशिकाओं की सामान्य क्षति को पूरा करता है और इससे शरीर स्वयं अपने नुकसान की भरपाई कर लेता है.

एंटीऑक्सीडेंट - यह शरीर में उपापचय व अन्य सामान्य क्रियाओं के दौरान बननेवाले फ्री-रेडिकल्स से लड़ने में सहायक है. फ्री रेडिकल्स कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं और कैंसर तथा हृदयरोगों के कारण बन सकते हैं.

वजन घटाने में सहायक - इसमें फाइबर प्रचुर मात्र में होता है, इसलिए यह मोटापा घटाने के इच्छुक लोगों के लिए आदर्श आहार है. सलाद, सब्जी और जूस में पालक का ज्यादा-से-ज्यादा उपयोग बेहतर होता है.

पोस्टमेनोपॉजल सिंड्रोम - पालक में मौजूद मैग्नीशियम पीएमएस के लक्षणों में कमी लाता है. इस अवस्था में पेट फूलने जैसी शिकायतों से बचने के लिए पालक बेहतर विकल्प है.

प्रतिरक्षा प्रणाली बनाता है मजबूत - पालक में मौजूद पोषक तत्व प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाते हैं और शरीर को सामान्य संक्रमणों से बचाते हैं.

बालों को मिले मजबूती - इसमें बालों के लिए आवश्यक विटामिन भी विशेष मात्र में होते हैं. बाल झड़ने से परेशान लोगों को कच्चे पालक का सेवन करना चाहिए.

ये लोग न करें सेवन - पालक में कैल्शियम और फॉस्फोरस होता है, जो मिल कर कैल्सियम फॉस्फेट बनाता है. यह पानी में घुलता नहीं है, जिससे पथरी बन जाती है. इसलिए पथरी के रोगियों को सिर्फ पालक की सब्जी नहीं खानी चाहिए. पालक और हरी पत्तेवाली मेथी मिला कर साग बना कर खाने से पथरी नहीं बनती है. कच्चे पालक के रस के सेवन करने से भी पथरी नहीं होती है.

लोग कभी असुरक्षित महसूस करते हैं, MS Dhoni ने लीडर के रूप में सम्मान हासिल करने के महत्व को समझाया

मुंबई।एजेंसी

भारत के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने कहा कि अपने काम से खिलाड़ियों का सम्मान और निष्ठा अर्जित करना ही नेतृत्व का अहम हिस्सा है।धोनी ने शुक्रवार को एक कार्यक्रम में कहा, निष्ठा का सम्मान से गहरा ताल्लुक है। जब आप ड्रेसिंग रूम की बात करते हो तो जब तक आपको सहयोगी स्टाफ और खिलाड़ियों का सम्मान नहीं मिलेगा तब तक आपके लिए उनकी निष्ठा हासिल करना मुश्किल है।

एमएस धोनी ने आगे कहा, वास्तव में यह दिखाता है कि आप क्या कर रहे हो, ये नहीं कि आप क्या बोल रहे हो। आप भले ही कुछ भी नहीं बोलो, लेकिन आपका आचरण आपको वह सम्मान दिला सकता है।धोनी ने साथ ही कहा, हमेशा लगता था कि एक नेतृत्वकर्ता के रूप में सम्मान अर्जित करना महत्वपूर्ण है क्योंकि यह कुर्सी या पद के साथ नहीं आता है। यह आपके आचरण से आता है। कई बार लोग असुरक्षित होते हैं। कभी-कभी भले ही टीम आप पर विश्वास करती हो, लेकिन वास्तव में आप ही पहले व्यक्ति हो जो खुद पर विश्वास नहीं करोगे।

इंग्लैंड के खिलाफ बचे तीन टेस्ट के लिए भारतीय स्क्वॉड का हुआ ऐलान, कोहली को लेकर बीसीसीआई ने दिया अपडेट

नई दिल्ली.एजेंसी

टीम इंडिया के हरफनमौला रविंद्र जडेजा के पिता का एक इंटरव्यू हालभारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई ने शनिवार 10 फरवरी को इंग्लैंड के खिलाफ बचे तीन टेस्ट के लिए स्क्वॉड का ऐलान कर दिया है। विराट कोहली का चयन इन तीन टेस्ट मैचों के लिए नहीं किया गया है। बीसीसीआई ने जानकारी दी है कि विराट कोहली व्यक्तिगत कारणों के चलते सीरीज के बचे मुकाबलों के लिए चयन के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। बोर्ड कोहली के फैसले का पूरा सम्मान और समर्थन करता है। विराट कोहली के करियर में ऐसा पहली बार होगा जब वह कोई घरेलू सीरीज नहीं खेलेंगे।

इसके अलावा स्क्वॉड में चोटिल केएल राहुल और रविंद्र जडेजा को भी रखा गया है। बीसीसीआई के अनुसार इन दोनों खिलाड़ियों का प्लेइंग इलेवन में चयन फिटनेस के आधार पर होगा। बीसीसीआई मेडिल

टीम द्वारा फिटनेस मंजूरी मिलने के बाद ही केएल राहुल और रविंद्र जडेजा का चयन किया जाएगा।वहीं श्रेयस अय्यर का नाम भी इस स्क्वॉड में नहीं है। विशाखापट्टनम में खेले गए दूसरे टेस्ट के बाद अय्यर को कमर में अकड़न और ग्रोइन एरिया में दर्द की शिकायत थी। इस वजह से वह इंग्लैंड के खिलाफ बाकी बचे मुकाबलों से बाहर हो गए हैं।भारतीय स्क्वॉड में तेज गेंदबाज आकाश दीप को पहली बार चुना गया है। वह स्क्वॉड में आवेश खान की जगह आए हैं। आकाश दीप ने हाल ही में इंग्लैंड लॉयन्स के खिलाफ शानदार गेंदबाजी कर चयनकर्ताओं समेत कप्तान को प्रभावित किया था।

कौन हैं Akash Deep? बंगाल के तेज गेंदबाज की खुली किस्मत

पहली बार आया टीम इंडिया से बुलावा

बीसीसीआई ने शनिवार को इंग्लैंड के खिलाफ शेष तीन टेस्ट के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। बंगाल के तेज गेंदबाज आकाश दीप को पहली बार भारतीय टीम में शामिल किया गया है। आकाश दीप ने घरेलू क्रिकेट में अपने प्रदर्शन से काफी प्रभावित किया जिसके कारण उन्हें राष्ट्रीय टीम में जगह मिली। भारत और इं?लैंड के बीच तीसरा टेस्ट 15 फरवरी से राजकोट में शुरू होगा।

नई दिल्ली.एजेंसी

बीसीसीआई ने शनिवार को इंग्लैंड के खिलाफ शेष तीन टेस्ट के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। चयनकर्ता समिति ने कुछ दिन इंतजार किया जाकि केएल राहुल और रवींद्र जडेजा की फिटनेस पर स्पष्टीकरण मिले और यही वजह रही कि टीम की घोषणा करने में देरी हुई। हालांकि, बीसीसीआई ने कहा कि दोनों खिलाड़ियों की उपलब्धता फिटनेस पर आधारित होगी।

इस बीच बंगाल के तेज गेंदबाज आकाश दीप की लॉटरी लगी, जिन्हें पहली बार भारतीय टीम में मौका मिला। चयनकर्ता समिति ने आवेश खान की जगह आकाशदीप को शामिल किया है। वैसे, आकाश दीप को पहले सीमित ओवर स्क्वाड में भारतीय टीम में जगह मिल चुकी है। उन्हें पहले एशियन गेम्स और दक्षिण अफ्रीका दौरे पर सीमित ओवर टीम में जगह मिली थी।

भारत ए के लिए किया दमदार प्रदर्शन

बंगाल के 27 साल के तेज गेंदबाज ने हाल ही में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ भारत ए के लिए दमदार प्रदर्शन करके टीम प्रबंधन को प्रभावित किया था। आकाश दीप भारत ए की तरफ से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने तीन मैचों में 13 विकेट झटके।

आरसीबी के कप्तान बेहद प्रभावित

आकाश दीप को आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने 2022 में उनकी बेस प्राइस 20 लाख रुपये में खरीदा था। आकाश दीप ने अब तक 7 आईपीएल मैच खेले, जिसमें 6 विकेट लिए। आईपीएल में बेशक आकाश दीप को खुद को साबित करना है, लेकिन भारतीय टीम में बुलावे से निश्चित ही उनका विश्वास काफी बढ़ेगा।

अपने पहले सीजन में आकाश दीप ने कप्तान फाफ डु प्लेसिस को भी काफी प्रभावित किया।डु प्लेसिस ने आरसीबी के वीडियो में कहा था, दिनेश कार्तिक शानदार है, लेकिन मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित आकाश दीप ने किया। वो नई गेंद से शानदार प्रदर्शन करते रहे हैं और बहुत ही अच्छी लेंथ पर गेंदबाजी की। मैं उनकी गति से भी हैरान हूं। हमें देखकर अच्छा लगा कि युवा गेंदबाज आगे आ रहा है और दमदार प्रदर्शन करके दिखाएगा।

आकाश दीप का करियर

आकाश दीप ने अपना फर्स्ट क्लास डेब्यू 2019 में किया और अब तक 29 मैचों में 103 विकेट चटकाए। वो बंगाल के लिए निरंतर बेहतर प्रदर्शन करते रहे हैं। वैसे, निचले क्रम में आकाश दीप ने अपने लंबे-लंबे शॉट्स से भी फैंस का दिल जीता है। वो फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 32 छक्के और 27 चौके जमा चुके हैं।

हार कर भी इतिहास रच गया अफगानिस्तान, मोहम्मद नबी और अजमतुल्लाह उमरजई की परफॉर्मेंस बनीं यादगार

नई दिल्ली.एजेंसी

शुक्रवार की शाम अफगानिस्तान के नाम नहीं रही, मगर उनके खिलाड़ियों ने अपनी परफॉर्मेंस से करोड़ों फैंस का दिल जीता। पल्लेकेले अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में शुक्रवार, 9 फरवरी को श्रीलंका और अफगानिस्तान के बीच तीन मैच की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला खेला गया। इस मैच में दोनों टीमों ने रनों का अंबार लगाया। श्रीलंका ने पहले बैटिंग करते हुए पथुम निसांका के दोहरे शतक के दम पर 381 रन ठोक डाले तो, वहीं अफगानिस्तान ने इस स्कोर का पीछा करते हुए मोहम्मद नबी और अजमतुल्लाह उमरजई की सेंचुरी की बदौलत 6 विकेट के नुकसान पर 339 रन बोर्ड पर लगा दिए। अफगानिस्तान यह मैच तो 42 रनों से हार गया, मगर उन्होंने इतिहास जरूर रच दिया।

श्रीलंका से मिले 382 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए एक समय ऐसा था जब मेहमानों की आधी टीम महज 55 के स्कोर पर पवेलियन लौट गई थी। कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी समेत अफगानिस्तान के टॉप ऑर्डर ने 8.3 ओवर में ही श्रीलंका के आगे घूटने टेक दिए थे, मगर तब मोहम्मद नबी और अजमतुल्लाह उमरजई ने क्रीज पर ऐसा खूंटा गाड़ा कि श्रीलंकाई खिलाड़ियों की सांसे बढ़ गई।मोहम्मद नबी और अजमतुल्लाह उमरजई- दोनों बल्लेबाजों ने शतक जड़ते हुए 6ठें विकेट के लिए डबल सेंचुरी पार्टनरशिप कर टीम को इतने बड़े स्कोर तक पहुंचाया। मोहम्मद नबी ने 130 गेंदों पर 15 चौकों और 3 छक्कों की मदद से नाबाद 136 रन बनाए, वहीं 23 वर्षीय अजमतुल्लाह उमरजई के बल्ले से 115 गेंदों पर 13 चौकों और 6 गगनचुंबी छक्कों के साथ 149 रन निकले।

कप्तानी को लेकर एमएस धोनी ने दिया ये गुरुमंत्र, आएगा रोहित शर्मा समेत सभी कप्तानों के काम

नई दिल्ली.एजेंसी

महेंद्र सिंह धोनी की गिनती भारत के ही नहीं बल्कि दुनिया के सर्वश्रेष्ठ कप्तानों में की जाती है, उनकी अगुवाई में भारत ने 3-3 आईसीसी ट्रॉफी जीती है। धोनी टी20 वर्ल्ड कप और वनडे वर्ल्ड कप के साथ आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाले दुनिया के एकमात्र कप्तान हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट के अलावा धोनी की लीडरशिप को आईपीएल में भी खूब पसंद किया जाता है। उनकी अगुवाई में चेन्नई सुपर किंग्स

रिकॉर्ड 5 खिताब जीत चुकी है। ऐसे में धोनी जब भी कप्तानी को लेकर गुरुमंत्र देते हैं तो बाकी कप्तान बड़े ही ध्यान से उनकी बात सुनते हैं। माही ने हाल ही में एक इवेंट में लीडरशिप को लेकर बड़ी ही अच्छी बात कही है। अगर उनकी कही ये बात कोई भी कप्तान मानता है तो वह अपनी टीम को आपार सफलता दिला सकता है।

धोनी ने सिंगल आईडी कंपनी के एक प्रोग्राम में कहा, प्लेयर्स की रिस्पेक्ट आपकी पोजीशन से नहीं, बल्कि एक्शन से आती है। सम्मान पाने की कोशिश न करें बल्कि इसे अर्जित करें, क्योंकि यह बहुत स्वाभाविक है। एक बार आपमें वह निष्ठा आ गई तो टीम का प्रदर्शन भी वैसा ही होगा।

विराट कोहली इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर, स्क्वॉड में होंगे ये बदलाव

नई दिल्ली.एजेंसी

भारतीय स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने इंग्लैंड के खिलाफ जारी 5 मैच की टेस्ट सीरीज से अपना नाम वापस ले लिया है। किंग कोहली का चयन सीरीज के पहले दो मैच के लिए हुआ था, मगर निजी कारणों के चलते उन्होंने अपना नाम वापस लिया था। उम्मीद जताई जा रही थी कि तीसरे टेस्ट से वह सीरीज में वापसी करेंगे, मगर उन्होंने समान करणों के चलते सीरीज से अपना नाम वापस लेने का फैसला किया है। विराट कोहली के करियर में यह पहला मौका होगा जब वह किसी घरेलू सीरीज का हिस्सा नहीं होंगे।

द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और वरिष्ठ राष्ट्रीय चयन समिति को सूचित किया है कि वह

इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज के शेष तीन टेस्ट से हट रहे हैं। कोहली ने शुक्रवार को बीसीसीआई को अपनी उपलब्धता के बारे में सूचित किया है, जिस दिन चयनकर्ताओं ने राजकोट, रांची और धर्मशाला में टेस्ट के लिए टीम तय करने के लिए एक ऑनलाइन बैठक की थी।

इसके अलावा भारतीय स्क्वॉड में एक बदलाव होने की खबर है, आवेश खान की जगह स्क्वॉड में आकाश दीप को जगह मिल सकती है।

कुछ दिन पहले अहमदाबाद में अनौपचारिक टेस्ट मैच के दौरान आकाश ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ जिस तरह से गेंदबाजी की, उससे चयन समिति और भारतीय कप्तान रोहित प्रभावित हुए। इस वजह से वह इस युवा खिलाड़ी को मौका देना चाहते हैं। ऐसे में आवेश खान को ड्रॉप किया जा सकता है और वह फिर से रणजी खेलने जाएंगे।

इसके अलावा खबर है कि रविंद्र जडेजा और केएल राहुल- जिन्होंने चोट के चलते विखाशापट्टनम टेस्ट मैच मिस किया था वह फिट हो गए हैं और वह तीसरे टेस्ट के लिए चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे।

सिकंदर रजा आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर बने हीरो, जिताई हारी हुई बाजी; ILT20 में पार हुई रोमांच की हदें

आखिरी गेंद पर स्ट्राइक पर सिकंदर रजा थे और टीम को 6 रनों की दरकार थी। अली नसीर ने स्लोअर गेंद डालकर रजा को चकमा देना चाहा, मगर जिम्बाब्वे के खिलाड़ी ने उस पर लॉन्ग ऑफ के ऊपर से छक्का जड़ दिया।

नई दिल्ली.एजेंसी

सिकंदर रजा शुक्रवार की रात ILT20 में उस समय हीरो बने जब उन्होंने अपनी टीम दुबई कैपिटल्स को आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर महत्वपूर्ण जीत दिलाई। यह मैच दुबई कैपिटल्स के लिए जीतना काफी जरूरी था, अगर टीम यह मैच हार जीती तो वह प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो जाती। मगर सिकंदर की रजा कुछ और ही थी, 172 रनों के टारगेट का पीछा करते हुए जब टीम को आखिरी गेंद पर 6 रन की जरूरत थी तो उन्होंने छक्के के साथ टीम को सांसे रोक देने वाले मैच में जीत दिलाई। सिकंदर रजा ने इस मैच में 60 रनों की नाबाद पारी के खेली और उन्हें इस पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच के अवॉर्ड से नवाजा गया।

दुबई कैपिटल्स को आखिरी ओवर में 13 रनों की दरकार थी। अली नसीर की पहली पांच गेंदों पर टीम ने 7 रन बटोर लिए थे जिसमें दो डॉट गेंदें भी थी। आखिरी गेंद पर स्ट्राइक पर सिकंदर रजा थे और टीम को 6 रनों की दरकार थी। अली नसीर ने स्लोअर गेंद डालकर रजा को चकमा देना चाहा, मगर जिम्बाब्वे के इस खिलाड़ी ने गेंद को पढ़ा और लॉन्ग ऑफ के ऊपर से छक्का जड़ दिया।

डेजर्ड वाइपर ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए सलामी बल्लेबाज ऐलेक्स हेल्स के अर्धशतक के दम पर निर्धारित 20 ओवर में 171 रन बोर्ड पर लगाए थे। हेल्स ने 37 गेंदों पर चार चौकों और 6 गगनचुंबी छक्कों की मदद से 66 रनों की पारी खेली थी। उनके अलावा डेजर्ट वाइपर का कोई भी बल्लेबाज 30 रन का आंकड़ा नहीं छू पाया।इस स्कोर का पीछा करने उतरी दुबई कैपिटल्स की टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। पावरप्ले में टीम ने टॉप-3 बल्लेबाजों को खो दिया था। हालांकि इसके बाद कप्तान सैम बिलिंग्स (57) ने सिकंदर रजा (60) के साथ मिलकर टीम को संभाला और जीत की राह दिखाई। 111 के स्कोर पर बिलिंग्स आउट हो गए थे, जब टीम को 35 गेंदों पर 61 रनों की दरकार थी।सिकंदर रजा अंत तक क्रीज पर बने रहे और 45 गेंदों पर 5 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 60

अपना ही रिकॉर्ड टूटता देख खुश हुए जयसूर्या, Pathum Nissanka के दोहरे शतक पर कही यह बड़ी बात

जयसूर्या ने 2000 में शारजाह में भारत के खिलाफ 189 रन की पारी खेली थी। जो श्रीलंका के किसी बल्लेबाज द्वारा बनाया गया सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर था। जयसूर्या ने अपना रिकॉर्ड तोड़ टूटने पर निसांका की प्रशंसा की। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने के लिए चौका लगाया और जयसूर्या सहित पूरी भीड़ ने इस शानदार पारी की सराहना की।

नई दिल्ली.एजेंसी

नई दिल्ली। श्रीलंका के पूर्व कप्तान सनथ जयसूर्या ने वनडे में दोहरा शतक बनाने वाले देश के पहले खिलाड़ी बनने के लिए सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका की सराहना की। जयसूर्या ने कहा कि यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि मैंने इसे स्टेडियम में बैठकर लाइव देखा। निसांका ने वनडे में लंका के लिए सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर के अपने 24 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

दरअसल, जयसूर्या ने 2000 में शारजाह में भारत के खिलाफ 189 रन की पारी खेली थी। जो श्रीलंका के किसी बल्लेबाज द्वारा बनाया गया सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर था। जयसूर्या ने अपना रिकॉर्ड तोड़ टूटने पर निसांका की प्रशंसा की। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने के लिए चौका लगाया और जयसूर्या सहित पूरी भीड़ ने इस शानदार पारी की सराहना की।

जयसूर्या ने की तारीफ

जयसूर्या ने एक्स पर लिखा, बल्लेबाजी में मास्टरक्लास के लिए पथुम को बधाई। मैं इसे व्यक्तिगत रूप से इसे लाइव देने का गवाह बनने के लिए बहुत भाग्यशाली महसूस कर रहा हूं।

जड़ा तीसरा सबसे तेज दोहरा शतक

बता दें कि पल्लेकेले स्टेडियम में अफगानिस्तान के खिलाफ पथुम निसांका ने 139 गेंद पर 151.08 के स्ट्राइक रेट से 8 छक्कों और 20 चौकों की मदद से नाबाद 210 रन बनाए।

यह तीसरा सबसे तेज दोहरा शतक है। इससे पहले ईशान किशन और ग्लेन मैक्सवेल सबसे तेज दोहरा शतक जड़ चुके हैं। पथुम निसांका वनडे में दोहरा शतक बनाने वाले 10वें बल्लेबाज बन गए हैं।

'पार्वती' बनीं पू, बिग बॉस के इस कंटेस्टेंट साथ रियलिटी शो होस्ट करेंगी

आकांक्षा पुरी

बिग बॉस ओटीटी 2 कंटेस्टेंट आकांक्षा पुरी ने अपने फैंस के साथ एक खुशखबर शेयर की है. जल्द वो आसिम रियाज के भाई उमर रियाज के साथ मिलकर एक नया रियलिटी शो होस्ट करने वालीं हैं. आकांक्षा और उमर मिलकर जियो सिनेमा के लिए 'मिस्टर एंड मिस रनवे मॉडल' होस्ट करेंगे. कुछ साल पहले 'विघ्नहर्ता गणेश' की पार्वती आकांक्षा ने करोड़ों दर्शकों का मनोरंजन किया था. अब इस नए रियलिटी शो के लिए वो पार्वती से 'पू' बन गईं हैं. जियो सिनेमा पर आने वाले इस ब्रांड न्यू रियलिटी शो के लिए उमर और आकांक्षा के फैंस बेहद एक्साइटेड हैं.दरअसल विघ्नहर्ता गणेश के बाद आकांक्षा पुरी बिग बॉस ओटीटी के सीजन 2 में शामिल हुईं थीं. सलमान खान के इस शो का आकांक्षा का अनुभव कुछ खास अच्छा नहीं था. आकांक्षा को उनके रवैये के लिए सलमान खान और बिग बॉस दोनों की तरफ से खूब डांट पड़ी. उनके इस अनुभव को देखते हुए फैंस ने मान लिया था कि भविष्य में आकांक्षा जियो सिनेमा के साथ कोई शो नहीं करेंगी. लेकिन लगता है जियो ने रुठीहुईं 'पार्वती' को मना लिया है और फिर एक बार अपने नए अंदाज में टीवी की ये 'पार्वती' अपना कमबैक करने के लिए तैयार हैं.

जानें क्या है शो का फॉर्मेट

जियो सिनेमा पर स्ट्रीम होने वाला 'मिस्टर एंड मिस रनवे मॉडल' एक टैलेंट रियलिटी शो होगा. जिसमें रनवे मॉडल बनने का सपना देखने वाले चुनिंदा युवाओं को एक छत के नीचे रखा जाएगा. हर हफ्ते उन्हें नए चैलेंजेस दिए जाएंगे और मॉडलिंग इंडस्ट्री के एक्सपर्ट आकर उन्हें इन चैलेंज के लिए तैयार करेंगे. जो मॉडल शो में दिए हुए चैलेंजेस पूरे नहीं कर पाएंगे उन्हें हर हफ्ते शो से बाहर कर दिया जाएगा. और आखिरकार इस शो में बचे हुए 2 मॉडल को मिस्टर एंड मिस रनवे मॉडल घोषित कर दिया जाएगा. आकांक्षा पुरी इस शो की होस्ट होंगी.

शाहरुख और सलमान को आमने-सामने देखने के लिए करना होगा लंबा इंतजार, Tiger Vs Pathaan से पहले कुछ बड़ा होने वाला है

Yrf स्पाई यूनिवर्स की अब तक पांच फिल्में रिलीज हो चुकी हैं. अब हर किसी को इस यूनिवर्स की अगली फिल्मों का इंतजार है, जिनमें ऋतिक रोशन की 'वॉर 2' है, साथ ही 'टाइगर Vs पठान' भी है, जिसमें शाहरुख और सलमान खान आमने-सामने नजर आएंगे. कथित तौर पर बॉलीवुड के ये दो बड़े स्टार आपस में भिड़ते नजर आएंगे, जोकि यूनिवर्स की पिछली फिल्मों में एक दूसरे का साथ देते दिखे थे. हालांकि 'टाइगर Vs पठान' कब तक आएगी? इसपर अभी कोई भी अपडेट नहीं है, लेकिन अब एक नई फिल्म को लेकर जानकारी सामने आ रही है.बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट की मानें तो YRF वाले आदित्य चोपड़ा 'टाइगर Vs पठान' से पहले एक और फिल्म लाने की तैयारी में है. कहा जा रहा है कि ये फिल्म यूनिवर्स में ट्विस्ट पैदा करेगी, साथ ही यूनिवर्स को आपस में जोड़ेगी. हालांकि, अभी तक इस बारे में कोई ऑफिशियल जानकारी नहीं आई है. लेकिन अगर ऐसा होता है तो यूनिवर्स में एक और नहीं फिल्म जुड़ जाएगी. साथ ही ये भी देखना दिलचस्प होगा कि उस नई फिल्म में यूनिवर्स के कौन-कौन से सितारे नजर आते हैं.

2023 में रिलीज हुई दो फिल्में

साल 2023 में YRF यूनिवर्स की दो फिल्में रिलीज हुईं. पहली शाहरुख खान की' पठान', जिसमें सलमान भी कैमियो रोल में दिखे. इस फिल्म ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 1050 करोड़ की कमाई की. दूसरी फिल्म रही सलमान की 'टाइगर 3', जिसमें शाहरुख ने कैमियो किया. इस पिक्चर ने दुनियाभर में तकरीबन 466 करोड़ का बिजनेस किया. अब बस लोगों को इस यूनिवर्स की बाकी फिल्मों का इंतजार है.बहरहाल, 'पठान' और 'टाइगर 3' से पहले इस यूनिवर्स की तीन और भी फिल्में रिलीज हुई थीं. वो तीन फिल्में थीं 'एक था टाइगर', 'टाइगर जिंदा है' और 'वॉर'. इन तीनों फिल्मों ने भी बॉक्स ऑफिस पर काफी बंपर कमाई की थी और ढेरो रिकॉर्ड अपने नाम किए थे.

दो से तीन होने जा रहे अली फजल और ऋचा चड्ढा, शादी के दो साल बाद दी गुड न्यूज

ऋचा चड्ढा और अली फजल इंडस्ट्री के पावर कपल्स में से एक हैं. दोनों ने 6 अक्टूबर 2022 को एक दूसरे के संग शादी रचाई थी. दोनों की शादी की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं. अब कपल ने हाल ही में एक पोस्ट के जरिए गुड न्यूज की अनाउंसमेंट की है. दरअसल, ऋचा और अली जल्द ही पेरेंट्स बनने वाले हैं. फैंस उन्हें भर भर कर बधाई दे रहे हैं.अली फजल और ऋचा चड्ढा ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है. उन्होंने पोस्ट में बेबी के वेलकम की खबर शेयर की है. कपल ने कैप्शन में लिखा 'एक छोटी सी दिल की धड़कन की आवाज दुनिया में सबसे तेज होती है.' इसके साथ ही, उन्होंने दो तस्वीरें शेयर कीं. एक फोटो में 1+1= 3 लिखा है. वहीं, दूसरी तस्वीर में दोनों एक साथ नजर आ रहे हैं.

अली और ऋचा पर सितारों ने लुटाया प्यार

अली और ऋचा की पोस्ट पर तमाम सितारे भी कॉमेंट कर बधाई दे रहे हैं. कृति खरबंदा, मृणाल ठाकुर, दिया मिर्जा, रसिका दुग्गल, आयुष्मान खुराना, करिश्मा तन्ना, मिनी माथुर, कुशा कपिला, जरीन खान, आयरा खान, श्वेता बसु प्रसाद समेत कई सितारों ने बधाई दे रहे हैं. इस प्यारी सी गुड न्यूज ने फैंस को खुश कर दिया है.

ये सितारे भी बनने वाले हैं पैरेंट्स

हाल ही में बॉलीवुड एक्ट्रेस यामी गौतम ने भी अपनी प्रेग्नेंसी की अनाउंसमेंट की है. यामी और आदित्य धर भी एक बच्चे के पैरेंट्स बनने वाले हैं. वहीं, इनके अलावा रिपोर्ट्स के मुताबिक, अनुष्का शर्मा और विराट कोहली भी दूसरे बच्चे के लिए रेडी हो गए हैं.

सारा अली खान ने मां अमृता को विश किया बर्थडे, स्पेशल कविता लिख लुटाया प्यार

सारा अली खान सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और वह अक्सर अपनी मां और एक्ट्रेस अमृता सिंह के साथ तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। आज 9 फरवरी को अमृता सिंह के जन्मदिन पर सारा ने दिल छू लेने वाली कविता के साथ अपनी मां के साथ दो तस्वीरें भी शेयर की हैं।

सारा अली खान ने लिखी भावुक कविता

9 फरवरी को अमृता सिंह अपना 66वां जन्मदिन सेलिब्रेट कर रही हैं। ऐसे में उनके चाहने वाले उन्हें जन्मदिन की बधाई दे रहे हैं। वहीं, इस खास दिन पर सारा अली खान ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर मां के साथ दो तस्वीरें शेयर की है। तस्वीरों में सारा अमृता सिंह के साथ मर्डर मुबारक और ऐ वतन मेरे वतन का क्लैपबोर्ड पकड़े नजर आ रही हैं।इन फोटो के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, मेरी दुनिया मेरी मम्मी जान, आप में बस्ते मेरे प्राण। मेरी सबसे बड़ी कोशिश है आपके मान को बरकरार रखना और अपनी शानदार आन बान और शान में जोड़ने की कोशिश करना। हर समय आपको हैरान करने के लिए मुझे माफ करना। वह सब करना जो आपके पास है, वह आसां नहीं है और यह प्यार का है परिमान।आपकी अंतहीन ममता, धैर्य और ध्यान, जिसने मुझे इतना सुरक्षित महसूस कराया है- दीया इतना अमां, आसमान में उड़ान का सपना देख सकून, धन्यवाद मां और कैसे करूं बयान, की आप है मेरा पूरा जहां।

सारा अली खान का वर्क फ्रंट

सारा अली खान के वर्क फ्रंट की बात करें, तो एक्ट्रेस बहुत जल्द फिल्म 'मर्डर मुबारक' और 'ए वतन मेरे वतन' में नजर आने वाली हैं। हाल ही में, मर्डर मुबारक का टीजर भी जारी किया गया था। इस फिल्म में सारा अली खान, पंकज त्रिपाठी, विजय वर्मा, डिंपल कपाड़िया, करिश्मा कपूर, संजय कपूर, टिस्का चोपड़ा और सुहैल नैय्यर समेत कई प्रतिभाशाली कलाकार शामिल हैं।